हिन्दी सांध्य दैनिक

प्रखर पूर्वांचल

अखबार नहीं आंदोलन

RNI:UPHIN/2016/68754 www.prakharpurvanchal.com Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

गाजीपुर से प्रकाशित व वाराणसी, चंदौली, सोनभद्र, मऊ, बलिया, आजमगढ़, भदोही, मिर्जापुर, जौनपुर, लखनऊ, प्रयागराज, गोरखपुर, कुशीनगर, महाराजगंज तथा देवरिया से प्रसारित

वर्षः 7, अंकः 302, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00, आमंत्रण मूल्य 2.00 | 26 अप्रैल, 2023 दिन बुधवार | गाजीपुर/वाराणसी

6 साल पहले उप्र में डरती थी पुलिस, सहमता था प्रशासन, अब माफिया मांग रहे जान की भीख

सीएम योगी आदित्यनाथ ने रायबरेली में चुनावी सभा को किया संबोधित

रायबरेली। मां गंगा की धरती को नमन करता हूं। डलमऊ महान साहित्यकार सूर्यकांत निराला जी कर्मस्थली रही है। वीरा पासी की इस धरा का अभिनंदन करता हूं। सीएम योगी आदित्यनाथ ने रायबरेली में चुनावी सभा को संबोधित करते हुए सबसे पहले अपने भाषण में ये बात की। सीएम ने कहा कि वर्तमान में नगर निकाय के चुनाव हैं। इतनी बड़ी आबादी, इतनी बड़ी संख्या वाली आबादी का चुनाव है। आज के दिन 6 करोड़ से अधिक आबादी इस निकाय क्षेत्र में आवास कर रही है। 4 करोड़ 32 लाख मतदाता हैं। इतनी बड़ी आबादी कई देशों की नहीं है। रायबरेली के जीआईसी मैदान से मुख्यमंत्री ने कहा कि आपने पिछले 9 वर्षो में भारत की तस्वीर बदलते देखा है। बदलता हुआ भारत विश्व का प्रतिनिधित्व कर रहा है।नौकरी मुहैया कराने समेत आंतरिक आतंकवाद को हमने खत्म किया है। भरवासियों के प्रति दुनिया का नजरिया बदला है, उत्तर प्रदेश के लिए भी लोगों का नजरिया बदला है। पहले यूपी का युवा बाहर जाकर खुद को यूपी का

नहीं बताता था। पहले भाई-भतीजा वाद यूपी में चलता था। डबल इंजन की सरकार ने 54 लाख सरकारी आवास उपलब्ध कराया गया है। 10करोड़ लोग यूपी में आयुष्मान योजना के तहत कवर हैं। इसमें किसी की जाती देखी गई है क्या? हमने बिना भेदभाव हर सुविधा को जन जन तक पहुंचाया है। इंफ्रास्ट्रक्चर पर काम हुआ है। हमने आज हर इंटर स्टेट कनेक्टिविटी की है।

जहां भगवान पैदा होते हैं वहां का युवा सम्मानित महसूस कर रहा- सीएम योगी ने कहा कि उस उत्तर प्रदेश में जहां भगवान पैदा होते हैं, वहां का युवा आज खुद को सम्मानित महसूस कर रहे हैं। आज यूपी बोर्ड का रिजल्ट जारी हुआ है, इसमें बालिकाओं ने लंबी छलांग लगाई है। छह वर्ष पहले एक गरीब इज्जत बचाकर चलता था।

डबल इंजन की सरकार से ही परिवर्तन देखने को मिला- सीएम योगी ने कहा कि अब यूपी वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडेक्ट ही नहीं वन हॉस्पिटल बना है। जैसे डबल इंजन की सरकार से ही परिवर्तन देखने को मिल रहा है, वैसे ही अगर ट्रिपल इंजन बन जाए तो रफ्तार और तेज हो जाएगी। रायबरेली में 9 लाख लोगों को आवास योजना का लाभ मिला है। प्रदेश में एक करोड़ निराश्रित महिलाओं को पेंशन का लाभ मिल रहा है। 123 करोड़ रुपए का अमृत योजना का काम रायबरेली में चल रहा है। एक और बुनियादी सुविधाओं को लेकर प्रयास किए गए तो दूसरी ओर सुरक्षा भी सुनिश्चित किया गया। हमने इन्वेस्टर समित से बड़ी संख्या में युवाओं को रोजगार मिला है। आप ही बताइए की हमारे युवाओं के हाथो में तमंचे होने चाहिए या टैबलेट। 6 वर्ष में हमने दो करोड़ युवाओं को टैबलेट देने का हमने काम किया है। हमें तय करना है कि हम माफिया मुक्त हो, वो हम हो चुके हैं।

यूपी निकाय चुनावः अखिलेश बोले- शहरों की समस्याएं भाजपा की देन, जारी की अपील

लखनऊ। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने मंगलवार को लखनऊ में प्रेसवार्ता कर यूपी के निकाय चुनाव के लिए अपील जारी की है। इस मौके पर मीडिया को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि प्रदेश के शहरों की समस्याओं के लिए भाजपा जिम्मेदार है। शहरों के नगर निगमों पर सबसे ज्यादा समय भाजपा का कब्जा रहा है। अखिलेश ने कहा कि चाहे लखनऊ हो, कानपुर हो या फिर वाराणसी हर जगह के नगर निगमों पर भाजपा का कब्जा रहा है। लेकिन इन शहरों में सड़कों पर गड्ढे हैं। नालियां खुली पड़ी हैं और गलियों की दुर्दशा है। भाजपा के लोगों ने नगर निगम में सिर्फ भ्रष्टाचार ही किया है। अयोध्या में भ्रष्टाचार के आरोप में पुराने मेयर को बदल दिया गया है। शाहजहांपुर में उनके पास उम्मीदवार नहीं है। लखनऊ में आज जो बड़ा काम दिखाई दे रहा है वो सपा के शासनकाल में हुआ है। लखनऊ में मेट्रो का निर्माण जितना सपा सरकार में करवाया गया था वो उतना ही है। शहर के हजारों पार्क बर्बाद कर दिए गए हैं। रिवरफ्रंट भी बेहाल है। स्मार्ट सिटी का वादा किया गया था पर हुआ कुछ नहीं। अखिलेश ने कहा कि अब जब चुनाव होने वाले हैं तो भाजपा के लोग मुद्दों पर बात नहीं कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि मेरी जनता से अपील है कि जब जनता वोट करे तो मुद्दों को ध्यान में रखे और सपा को समर्थन करे।

राज्य में खत्म किया मुस्लिम आरक्षण, भाजपा सरकार को वोट बैंक का लालच नहीं : शाह

कर्नाटक। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह कर्नाटक विधानसभा चुनाव को लेकर कर्नाटक के दौरे पर हैं। कर्नाटक के एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए अमित शाह ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि अगर कांग्रेस सत्ता में आई तो कर्नाटक का विकास रिवर्स गियर में चला जाएगा। कर्नाटक के बागलकोट में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कांग्रेस पर तंज कसते हुए कहा कि एक तरफ डबल इंजन की सरकार भाजपा की है तो दूसरी तरफ रिवर्स गियर सरकार है। कांग्रेस की सरकार बनी ना तो कर्नाटक का विकास रिवर्स गियर में पड़ने वाला है। ये पीढ़ी परिवर्तन का चुनाव है और हम मोदी जी के नेतृत्व में एक बार फिर से सरकार बनाएंगे। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा, 'यहां धर्म के आधार पर 4% मुस्लिम आरक्षण था। भाजपा की सरकार ने वोट बैंक की लालच में पड़े बिना, इस मुस्लिम आरक्षण को समाप्त कर दिया है। हम मानते हैं कि धर्म के आधार पर आरक्षण नहीं होना चाहिए। मुस्लिम आरक्षण समाप्त करने के बाद हमने रउ, रळ, दिव्यांग और लिंगायत सब के आरक्षण में बढ़ोतरी करने का काम किया है।' गृह मंत्री अमित शाह ने आगे कहा, 'ये चुनाव कर्नाटक को मोदी जी के हाथ में देने का चुनाव है। कर्नाटक को एक संपूर्ण

विकसित राज्य बनाने का चुनाव है। ये चुनाव राजनीतिक स्थिरता और नए कर्नाटक का चुनाव है, जो भाजपा लेकर आ सकती है।' उन्होंने आगे कहा, 'मोदी जी ने 9 साल से कर्नाटक को केंद्र से ढ़ेर सारे पैसे और योजना भेजने का काम किया है। अगर कांग्रेस गलती से भी आ गई तो अभी तक का सबसे बड़ा भ्रष्टाचार, तुष्टिकरण, परिवारवाद होगा और कर्नाटक पूरा दंगे से ग्रस्त हो जाएगा।'

कर्नाटक चुनाव से पहले भाजपा पर बरसीं प्रियंका गांधी, राज्य से 1.5 लाख करोड़ लूटने का लगाया आरोप

नई दिल्ली। कर्नाटक चुनाव को एक महीने से भी कम का समय शेष रह गया है। इसी बीच कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने कर्नाटक में भाजपा सरकार पर भ्रष्टाचार का आरोप लगाया है। प्रियंका के अनुसार भाजपा ने इस राज्य से करीब 1.5 लाख करोड़ रुपये लूटा है। कांग्रेस महासचिव को उम्मीद है कि 10 मई को होने वाले विधानसभा चुनाव में कांग्रेस कर्नाटक की सत्ता में वापस आएगी और राज्य को प्रगति की तरफ लेकर जाएगी। प्रियंका ने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा- सबसे दुखद बात यह है कि बिना किसी शर्म के आपने राज्य का 40 फीसदी सरकारी कमीशन लूट लिया। विभिन्न घोटालों, ठेकेदारों की आत्महत्या, और ठेकेदारों के संघ द्वारा प्रधान मंत्री को लिखे गए पत्रों के द्वारा घोटाले को उजागर करने की मांग करते हुए पप्रियंका ने कहा- "इन्हें लेकर कोई कार्रवाई नहीं की गई, क्योंकि इसमें शामिल कई लोग भाजपा से जुड़े थे।" उन्होंने आगे कहा- "आपने यह सुना होगा कि सांसद के बेटे के घर से आठ करोड़ रुपये जब्त किए गए, लेकिन जांच होने के बजाय वह बाहर आराम से घूम रहे हैं। उन्होंने 1.5 लाख करोड़ रुपये इस राज्य से लूटा गया। इस पैसे से राज्य में कई प्रगति कार्य कराए जा सकते थे, जिससे लोगों को लाभ मिलता।"

यूपी बोर्ड : 10वीं और 12वीं के नतीजों में बेटियों ने मारी बाजी

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद की ओर से कक्षा 10वीं और 12वीं बोर्ड परीक्षा परिणाम जारी हो गया है। हाईस्कूल में कुल 89.78 प्रतिशत छात्र-छात्राएं पास हुए। इनमें 86.64%

बालक और 93.34% बालिकाएं हैं। 10वीं में सीतापुर की प्रियांशी सोनी ने 98.33 प्रतिशत अंकों के साथ टॉप किया है। दूसरे नंबर पर 97.83 प्रतिशत अंकों के साथ संयुक्त रूप से दो टॉपर रहे। कानपुर देहात के कुशाग्र पांडेय और अयोध्या की मिस्खत नूर रहीं। तीसरे नंबर पर संयुक्त रूप से तीन टॉपर रहे। इसमें मथुरा के कृष्णा झा, पीलीभीत के अर्पित गंगवार, सुल्तानपुर की श्रेयसी सिंह और अयोध्या के आंशिक दुबे हैं। इन सभी को 97.67 प्रतिशत अंक मिले हैं। 12वीं में 75.52 प्रतिशत रिजल्ट रहा। इसमें 69.54% बालकों और 83 प्रतिशत बालिकाओं का परिणाम रहा। इंटरमीडिएट में 97.80 प्रतिशत अंकों के साथ शुभ छापरा ने टॉप किया। शुभ महोबा के रहने वाले हैं। दूसरे नंबर संयुक्त रूप से दो टॉपर रहे। इसमें 97.20 प्रतिशत अंकों के साथ पीलीभीत के शुभम गंगवार हैं। शुभम को प्रतिशत अंक मिले। तीसरे नंबर पर इटावा की अनामिका रहीं। अनामिका को 97.20 प्रतिशत अंक प्राप्त हुए हैं। आंकड़ों को देखें तो इस बार भी बेटियों का जलवा देखने को मिला है। हाईस्कूल और इंटरमीडिएट दोनों में ही छात्रों के मुकाबले छात्राओं ने ज्यादा सफलता हासिल की है।

हाईस्कूल में 93 तो इंटरमीडिएट में 83 प्रतिशत छात्राओं को मिली सफलता- यूपी बोर्ड की ओर से जारी आंकड़ों के अनुसार, इस बार हाईस्कूल में कुल 89.78 प्रतिशत परीक्षार्थी पास हुए हैं। इनमें 93.34% छात्राएं हैं, जबकि 86.64% छात्र हैं। वहीं, इंटरमीडिएट में कुल 75.52 प्रतिशत छात्रों ने सफलता हासिल की है। इसमें 83 प्रतिशत छात्राएं हैं, जबकि 69.34% छात्र हैं।

असद और गुलाम एनकाउंटर की जांच करने झांसी पहुंचा मानवाधिकार आयोग, एनकाउंटर सीन का हुआ रीक्रिएशन

झांसी। माफिया अतीक अहमद के बेटे असद और शूटर गुलाम के एनकाउंटर मामले की जांच करने मंगलवार दोपहर मानवाधिकार आयोग की टीम झांसी पहुंची। टीम सदस्यों ने एनकाउंटर स्थल पर पहुंचकर पूरे घटनाक्रम का रीक्रिएशन किया। इस दौरान उन्होंने फायरिंग रेंज समेत आने जाने वाले रास्ते और आसपास के लोगों से पूछताछ करके उनके भी बयान दर्ज किए हैं। मानवाधिकार टीम घटनास्थल पर करीब दो घंटे तक रही। यहां टीम के सदस्यों ने सीन को रीक्रिएट किया। दोनों के भागने के रास्ते के बारे में देखा। इसके साथ ही गाड़ी के आने जाने की स्थिति को भी देखा। बता दें, 13 अप्रैल को बड़ागांव थाने के परीछा बांध के पास उमेश पाल हत्याकांड में वांछित पांच लाख के वांछित बदमाश असद और उसके साथी शूटर गुलाम को एसटीएफ ने मुठभेड़ के दौरान मार गिराया था। मानवाधिकार आयोग ने दिल्ली में इस मामले में एक एफ आई आर दर्ज की थी। उसी सिलसिले में जांच करने टीम यहां झांसी पहुंची। सदस्यों ने मीडिया प्रतिनिधियों से कोई बात नहीं की।

सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली सरकार को जारी किया नोटिस पहलवानों को मिला 'इंसाफ के सिपाही' का साथ

नई दिल्ली। राज्यसभा सांसद और वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने मंगलवार को प्रदर्शनकारी पहलवानों का समर्थन करते हुए कहा कि अन्याय से लड़ने के लिए उनका नया मंच इंसाफ के सिपाही उनके साथ है। सुप्रीम कोर्ट ने डब्ल्यूएफआई अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ यौन उत्पीड़न के आरोपों पर प्राथमिकी दर्ज नहीं करने का आरोप लगाने वाली सात महिला पहलवानों की याचिका पर मंगलवार को दिल्ली सरकार और अन्य को नोटिस जारी किया। शीर्ष अदालत का शुरू में मानना था कि महिला पहलवानों की याचिका शुक्रवार को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध की जा सकती है। हालांकि, मामले का उल्लेख करने वाले वरिष्ठ अधिवक्ता सिब्बल की कुछ दलीलें सुनने के बाद, इसने मामले को सीधे लेने का फैसला किया। सिब्बल ने कहा, "बीजेपी (सांसद) बृजभूषण शरण सिंह के

खिलाफ यौन उत्पीड़न के आरोप। प्रदर्शनकारीः सत्ता में बैठे लोगों की अंतरात्मा को हिलाने में असमर्थ। फैसला किया हैः सुप्रीम कोर्ट का रुख करें। इंसाफ के सिपाही साथ हैं।" सिब्बल ने अन्याय से लड़ने में लोगों की मदद के लिए मार्च में 'इंसाफ' प्लेटफॉर्म लॉन्च किया था। कई राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता पहलवान यहां जंतर-मंतर पर विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं और मांग कर रहे हैं कि सरकार सिंह के खिलाफ यौन उत्पीड़न के आरोपों की जांच करने वाले निरीक्षण पैनल के निष्कर्षों को सार्वजनिक करे। विभिन्न अंतरराष्ट्रीय स्पधाओं में देश के लिए पदक जीतने वाले शीर्ष पहलवानों ने कहा था कि उनका डब्ल्यूएफआई चुनावों से कोई लेना-देना नहीं है और सिंह पर महिला एथलीटों के यौन उत्पीड़न के आरोपों की उचित जांच के लिए दबाव बनाना जारी रखेंगे।

'वंदे भारत ट्रेन में हवाई जहाज वाली फीलिंग' छात्र की बात सुनकर पीएम मोदी भी बोले- अरे वाह!

नई दिल्ली। पीएम नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को केरलवासियों को कई सौगात दी। मोदी ने तिरुवनंतपुरम में वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन को हरी झंडी दिखाई। पहली बार केरल में वंदे भारत ट्रेन शुरू हुई है। मोदी ने वंदे भारत ट्रेन में सफर भी किया। तिरुवनंतपुरम से कासरगोड़ के लिए ट्रेन के रवाना होने के बाद पीएम ने इसमें यात्रा की। इस दौरान वह ट्रेन में सफर कर रहे स्कूली छात्रों से भी मिले। पीएम से मुलाकात के दौरान छात्रों ने उन्हें अपना टैलेंट दिखाया। कई छात्र पीएम और वंदे भारत ट्रेन की पेंटिंग्स बनाकर लाए थे। वहीं, कुछ छात्रों ने मोदी को गाना भी सुनाया। पीएम ने कुछ छात्रों से कविता भी सुनी। छात्र कविता और गानों को पेज पर लिखकर आए थे। पीएम एक-एक छात्र के पास गए और उनसे बातचीत की। इस दौरान उनके साथ राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान, मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन और सांसद शशि थरूर भी मौजूद थे। वंदे भारत में सफर के दौरान पीएम एक छात्र की हिंदी सुनकर हैरान भी हो गए। पीएम ने छात्र से अंग्रेजी में पूछा- आप कहां से हो? छात्र ने पीएम के सवाल का हिंदी में जवाब दिया- मैं त्रिवेंद्र से हूं।

पीएम ने कहा, "अच्छा, इतनी बढ़िया हिंदी बोल लेते हो। कविता भी लिखते हो। विज्ञान भी पढ़ते हो... इतने सारे टैलेंट।" पीएम ने एक अन्य छात्र से सवाल किया कि उन्हें प्लेटफॉर्म कैसा लगा। छात्र ने बताया कि उसे ट्रेन में यात्रा कर बहुत अच्छा लग रहा है। छात्र ने कहा कि बहुत अच्छा लगा है। बिल्कुल फ्लाइट वाला अनुभव महसूस हो रहा है।

सूडान में फंसे भारतीयों की वापसी के लिए ऑपरेशन कावेरी शुरू, 278 लोगों को लेकर INS सुमेधा जेद्दा रवाना

नई दिल्ली/जेद्दा। हिंसाग्रस्त सूडान में 72 घंटे के सीजफायर के बाद भारतीयों की निकासी का अभियान शुरू हो गया है। भारत वहां से भारतीयों की निकासी के लिए ऑपरेशन कावेरी चला रहा है। इस अभियान के तहत सूडान में फंसे भारतीयों का पहला जत्था सूडान से रवाना हुआ। भारतीय विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने इसके बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि ऑपरेशन कावेरी के तहत आईएनएस सुमेधा 278 लोगों को लेकर पोर्ट सूडान से जेद्दा के लिए रवाना हो गया है। इससे पहले, हिंसाग्रस्त दक्षिण अफ्रीकी देश सूडान के दोनों जनरल 72 घंटे के सीजफायर के लिए सहमत हुए थे। अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने इस बारे में जानकारी दी। करीब 10 दिनों की लड़ाई, सैंकड़ों मौतों और बड़ी संख्या में विदेशी लोगों के पलायन के बाद यह सीजफायर होने जा रहा है। इससे पहले भी दोनों पक्षों में सीजफायर कराने की कोशिश की गई थी लेकिन वह नाकाम रहीं। ब्लिंकन ने एलान करते हुए कहा कि 'बीते 48 घंटे की सघन बातचीत के बाद सूडान आर्म्ड फोर्सेस और रैपिड सपोर्ट फोर्सेस राष्ट्रव्यापी सीजफायर करने के लिए रजामंद हो गई हैं। यह सीजफायर 24 अप्रैल की आधी रात से शुरू होकर अगले 72 घंटे तक चलेगा।' इससे पहले, सोमवार को फ्रांसीसी वायु सेना की उड़ान के जरिए पांच भारतीय नागरिकों को सूडान से बाहर निकाला गया था। फ्रांस के राजनयिक सूत्र ने इसके बारे में जानकारी दी थी। उन्होंने बताया था कि तीन

उड़ानों के जरिए करीबन 500 लोगों को जिबूती में फ्रांस के सैन्य अड्डे पर लाया गया है। इन लोगों में भारतीय के साथ ही 28 से अधिक अन्य राष्ट्रीयताओं के लोग शामिल हैं। देश में हिंसा, तनाव और असुरक्षित हवाईअड्डों के कारण विदेशी नागरिकों को निकालना मुश्किल हो रहा है। इस बीच अर्धसैनिक बल रैपिड सपोर्ट फोर्सेज राजधानी खार्तूम में मुख्य अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर नियंत्रण करने की कोशिश कर रहा है। फंसे हुए विदेशी नागरिकों में लगभग 3,000 भारतीय हैं। वहीं, केरल के 48 वर्षीय अल्बर्ट ऑगस्टाइन की गोली लगने से मौत हो चुकी है। संयुक्त राष्ट्र की एजेंसी के अनुसार, सूडान में हुई हिंसा में अभी तक 427 लोगों की मौत हुई है और 3700 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं। मरने वालों में खार्तूम में मौजूद मिस्त्र के दूतावास के एक अधिकारी भी शामिल हैं, जो अपने कार्यालय से घर लौटते समय हिंसा की चपेट में आ गए। अभी तक सूडान से विभिन्न देशों के 4 हजार से ज्यादा लोगों को सुरक्षित निकाला जा सका है। वहीं सूडान के निवासी भी बड़ी संख्या में चाड, इजिप्ट और दक्षिण सूडान पलायन कर गए हैं। लोगों को पानी, खाने और दवाईयों की कमी का सामना करना पड़ रहा है। बता दें कि शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गृह युद्ध प्रभावित सूडान में फंसे भारतीयों की सुरक्षा की समीक्षा के लिए एक उच्च स्तरीय बैठक बुलाई थी। बैठक में विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने भी हिस्सा लिया और सूडान के मौजूदा हालात के बारे में पीएम को अवगत कराया था।

सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया के दफ्तर में लगी आग, कंप्यूटर-फाइलें जलकर खाक; कैश सुरक्षित

भरतपुर। भरतपुर शहर के कोतवाली थाना इलाके में स्थित सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया की बिल्डिंग में मंगलवार सुबह अचानक आग लग गई। बिल्डिंग से धुआं निकलता देख आसपास के लोग हड़बड़ा गए। उन्होंने पुलिस और फायर ब्रिगेड को घटना की सूचना दी। थोड़ी देर में पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। फायर ब्रिगेड भी वहां आया, जिसने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया। हालांकि, अब तक यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि आग आखिर लगी कैसे है। हालांकि, टीम इसकी जांच की जा रही है। आग लगने की जानकारी मिलते ही, सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया के अधिकारी भी मौके पर पहुंच गए। अधिकारी फिलहाल नुकसानी का आंकलन कर रहे हैं। बैंक अधिकारियों का कहना है कि बैंक में रखे काफी दस्तावेज जलकर खाक हो गए हैं। कंप्यूटर भी जल गए हैं। गनीमत रही कि आग समय पर बुझा ली गई और आग कैश तक नहीं पहुंच पाई, नहीं तो ज्यादा नुकसान होने की आशंका थी। कोतवाली थाना प्रभारी दिनेश कुमार ने बताया है की सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया के लक्ष्मण मंदिर ब्रांच में आग लग गई थी। स्थानीय लोगों

ने पुलिस और फायर ब्रिगेड को सूचना दी। दमकल ने समय रहते आग पर काबू पा लिया। बैंक में आग लगने का कारण स्पष्ट तो नहीं हो पाया है, लेकिन आशंका जताई जा रही है कि शॉर्ट सर्किट के कारण आग लग गई है। फाइल और कंप्यूटर जल गए हैं, लेकिन कैश पूरा सुरक्षित है।

संपादकीय

सड़क पर हिंसा

लेकिन इससे त्रासद और क्या होगा कि राह चलते बिल्कुल साधारण बातों पर भी कुछ लोग किसी पर जानलेवा हमला या फिर पीट-पीट कर उसकी हत्या तक कर देते हैं।खासकर शहरों-महानगरों में आए दिन ऐसी घटनाएं सामने आने लगी हैं, जिनमें वाहन चलाते हुए बेहद मामूली बात पर भी लोग आपस में भिड़ जाते हैं और उसमें हुई मारपीट के क्रम में कई बार किसी की जान चली जाती है। गौरतलब है कि दिल्ली के रणजीतनगर इलाके में शनिवार को देर रात सामान पहुंचाने वाले एक स्कूटी सवार युवक की दो अन्य युवकों ने पीट-पीट कर हत्या कर दी, क्योंकि उसके वाहन को रास्ता देने को लेकर कहा-सुनी हो गई थी। क्या यह कोई ऐसा कारण हो सकता है कि इतने भर के लिए हत्या जैसी घटना हो जाए? बल्कि होना यह चाहिए कि राह चलते आमने-सामने होने पर एक-दूसरे के साथ सद्भाव से पेश आया जाए तो रास्ता देना कोई मसला बनेगा ही नहीं। मगर आज हालत यह हो चुकी है कि अनदेखी करने वाली किसी बात पर भी कोई इस तरह आक्रामक हो उठता है, जिसके बाद विवाद की शक्ल बिगड़ने लगती है और सड़क पर बेलगाम मारपीट शुरू हो जाती है। यानी जिस बात पर सिर्फ चंद पल धीरज रख लिया जाए, तो किसी की गलती होने पर भी आसान-सा हल निकल आएगा, उसमें नाहक ही किसी की जान चली जाती है, तो दूसरा हत्यारा बन कर कानून के कठघरे में खड़ा होता है। अक्सर ऐसी खबरें आती रहती हैं, जिसमें सड़क पर सफर करते हुए कोई वाहन हल्का-सा किसी अन्य से छू जाए, रास्ता बाधित हो जाए, तो दोनों पक्ष दूसरे को गलत साबित करना और वहीं उस पर हमला करना प्राथमिक और अंतिम उपाय मान लेते हैं। ऐसा लगता है कि झगड़े के वक्त आक्रोश में व्यक्ति होश और अपने ऊपर लगाम खो देता है और उसके बाद सही-गलत या उचित-अनुचित पर विचार तक नहीं कर पाता। मानो किसी दौरे का शिकार होकर वह सिर्फ अपने सामने वाले पर हमला करता है और उसे ज्यादा से ज्यादा नुकसान पहुंचाने की कोशिश करता है। सवाल है कि सड़क पर वाहन चलाते हुए एक व्यक्ति ऐसे अहं से कैसे और क्यों भर जाता है कि बेहद मामूली बात का सद्भावपूर्ण का हल निकालने में अक्षम हो जाता है। इतनी कुंठा उसके भीतर कहां से भर जाती है, जो किसी नाजुक मौके पर बेलगाम होकर बाहर निकलती है और किसी निर्दोष की भी जान चली जाती है। इस स्तर तक विवेक के क्षरण की स्थिति में व्यक्ति न केवल दूसरों के लिए, बल्कि कई बार खुद के लिए भी घातक हो जाता है। सभ्य बर्ताव, विवेक और धीरज का उपयोग करने की जरूरत को समझना क्या इतना मुश्किल है कि कोई व्यक्ति राह चलते नाहक ही या तो किसी पर जानलेवा हमला कर देता है या फिर खुद अपनी जान को खतरे में डाल लेता है? जबकि सड़क पर यातायात नियमों के मुताबिक वाहन चलाते हुए सबसे ज्यादा जरूरत इस बात की होती है कि मन को शांत और धीरज बनाए रखा जाए। सिर्फ इतने भर से दूसरों के साथ-साथ अपने लिए भी सुरक्षित सफर सुनिश्चित किया जा सकता है।

निकल पड़ी है धार !

मिलन मिलन खेल रहे ।
अंदर कितना प्यार ?
एकता की लगती ।
निकल पड़ी है धार ।।
बधवाने को सेहरा ।
हुए हैं आतुर सारे ।।
सब कुछ ठीक ठाक है ।
बीच में हमारे ।।
है भविष्य के गर्भ अभी ।
होगी कैसी नीति ?
लेकिन अभी कैमरे में ।
दीख रही है प्रीति ।।
लंबी है लड़ाई ।
और दिल से प्रयास ।।
पता नहीं चल पा रहा ।
कौन आखिर खास ?

–कृष्णेन्द्र राय

पारंपरिक बीज संरक्षण की चुनौतियां

गांवों में खेती-बाड़ी के न होने, अनेक कारणों से छोटी जोतों में खेती-किसानी के सिमटने और पुरानी कृषक-पीढ़ी द्वारा अपनी नई पीढ़ी को पारंपरिक बीज आधारित कृषि-कर्म का व्यावहारिक ज्ञान हस्तांतरित न किए जाने के कारण आज कृषि क्षेत्र पूरी तरह से आधुनिक और व्यावसायिक हो चुका है। इसी कारण, पारंपरिक बीज संरक्षण के सरकारी यत्न निष्फल सिद्ध हो रहे हैं। मानव शरीर पर होने वाले विभिन्न चिकित्सीय परीक्षणों से स्पष्ट है कि स्वास्थ्य संबंधी चुनौतियां लगातार बढ़ रही हैं। शरीर की रोग प्रतिरोधक शक्ति में निरंतर गिरावट आ रही है। इसके पीछे अनेक कारण हैं। पर, सबसे बड़ा और प्रमुख कारण है अप्राकृतिक और कीटनाशकों की सहायता से उत्पादित खाद्यान्न। देश में राजनीतिक इच्छाशक्ति के अभाव में कृषि कार्य के लिए सुनियोजित कार्यक्रम निर्धारित नहीं किए गए। ऐसा शुरू से होता रहा है।

नतीजतन, खाद्यान्न उत्पादन का दृष्टिकोण विशिष्ट न होकर सामान्य हो गया। ग्रामीण आत्मनिर्भरता की धारणा टूटने लगी। ग्रामीण जन बड़ी संख्या में नगरों और महानगरों में आ बसे। मगर सभी के लिए खाद्यान्न की आवश्यकता तो प्राकृतिक आवश्यकता है। इसलिए, जनसंख्या के शहरों की ओर पलायन के कारण सरकारों के सामने फसलों की पैदावार बढ़ाने की विवशता उत्पन्न हुई। पैदावार बढ़ाने के लिए प्राकृतिक और जैविक विधि तत्काल लाभदायी नहीं थी, इसलिए फसली कीटों को मारने और फसल से अधिकाधिक खाद्यान्न उत्पादन के उद्देश्य से कीटनाशी दवाइयों का प्रयोग बढ़ने लगा। इससे पैदावार तो बढ़ी, खाद्यान्न भी ज्यादा हुआ, पर मनुष्य का शरीर ऐसे अन्न से रोगग्रस्त भी होता गया। यह प्रक्रिया तीन दशक पुरानी हो चुकी है। अब इसमें कीटनाशक बनाने वाली बड़ी-बड़ी कंपनियों का दबदबा है। उनकी पूंजीगत नीतियों से ही फसलों के कीटनाशक तैयार हो रहे हैं। प्राकृतिक खेती-किसानी करने और लोगों का स्वास्थ्य अच्छा बनाने के संकल्प लेने वाली लोकतांत्रिक संस्थाओं का कीटनाशक निमार्ता कंपनियों पर प्रभावशाली नियंत्रण नहीं है। अप्राकृतिक खेती करने का लंबी अवधि का व्यवहारिक अभ्यास हो चुका है। पारंपरिक बीज संरक्षण, खेती करने और जैविक रूप में खाद्यान्न उत्पादित करने की गतिविधियां भारत जैसे देशों में बहुत सीमित स्तर पर हो रही हैं। इस प्रकार के कृषि उत्पादन की खरीद केवल अमीर लोग कर सकते हैं। ऐसे में कीटनाशक युक्त खाद्यान्न का उत्पादन, वितरण और उपभोग ही ज्यादा हो रहा है। यह लोगों के स्वास्थ्य पर सीधे-सीधे बुरा प्रभाव डाल रहा है। लोग विचित्र रोगों से घिर रहे हैं। इन रोगों के निदान के लिए तत्काल कोई चिकित्सा या औषधि भी उपलब्ध नहीं होती। जीने के लिए जरूरी अनाज ही जब शुद्ध और प्राकृतिक रूप में नहीं रहा, तो आम आदमी क्या करे! इस स्थिति में सरकार पर कृषि से संबंधित नई नीतियां बना कर उनका ठोस क्रियान्वयन करने की बड़ी जिम्मेदारी आ गई है। हालांकि इस दिशा में वर्तमान केंद्र सरकार ने महत्त्वपूर्ण कदम उठाए भी हैं, पर अभी इनके सकारात्मक और अपेक्षित परिणाम नहीं मिले हैं। खाद्यान्न शुद्ध हो, इसके लिए बीज और खाद पहली आवश्यकता हैं। फसलों के बीज जीएम पद्धति से उपयोगी कम और विकारग्रस्त ज्यादा हुए हैं। जीएम यानी जेनेटिकली मोडिफाइड, यानी जो बीज आनुवंशिक बीज स्वरूप, गुण और प्रभाव की दृष्टि से उपयुक्त थे और जिनमें प्राकृतिक रूप में कोई बड़ा विकार भी नहीं था, आनुवंशिक अप्राकृतिक बदलाव (जीएम) प्रक्रिया से गुजरने के बाद वे पोषणहीन, शक्तिहीन और विकृतिकारक होते गए। ऐसा होते-होते भी ढाई-तीन दशक की लंबी अवधि बीत चुकी है।

बीज की आनुवंशिकी में बदलाव की इस प्रक्रिया में मूल, प्राकृतिक और पुराने बीजों के संरक्षण का काम नहीं हुआ। बीज संरक्षण की देश में कुछेक युक्तियां किन्हीं सरकारी, अर्द्ध-सरकारी, निगमों की सहायता से हो रही हैं, पर वे भारतवर्ष की संपूर्ण कृषि-व्यवस्था को पुनः प्राकृतिक खेती की राह पर लाने के लिए पर्याप्त नहीं हैं। पारंपरिक बीज संरक्षण की दिशा में वैसे ही प्रयास और कार्य होने चाहिए जैसे सबसे ज्यादा बिकने वाले एफएमसीजी यानी ह्यफास्ट मूविंग कंज्यूमर प्रोडक्टह्ण बनाने से लेकर बेचने तक होते हैं। और सबसे अहम बात, ऐसे प्रयास और कार्य सरकार के स्तर पर अधिक होने चाहिए। तभी बीज संरक्षण की चुनौतियों से निपटा जा सकता है। हालांकि भारत सरकार के कृषि सहयोग एवं कृषक कल्याण विभाग के अधीन कार्यरत राष्ट्रीय बीज निगम लिमिटेड इस काम में लगा हुआ है, पर तब भी बीजों पर अप्राकृतिक प्रयोग की प्रवृत्ति नियंत्रण में नहीं है और पारंपरिक बीजों के संरक्षण और भंडारण का उद्देश्य धरातल पर प्रभावी तरीके से नहीं हो पा रहा है। राष्ट्रीय बीज निगम लिमिटेड पूरी तरह से भारत सरकार के स्वामित्व में है। पारंपरिक और प्रामाणिक बीजों का उत्पादन करने के उद्देश्य से सन 1963 में इसकी स्थापना गई थी। निगम वर्तमान में अपने खेतों और देश भर में मौजूद अपने 11,603 पंजीकृत बीज उत्पादकों के माध्यम से अठहत्तर फसलों की लगभग 567 किस्मों के प्रमाणित बीजों का उत्पादन कर रहा है। वित्त वर्ष 2021-22 में निगम का कुल राजस्व 915.72 करोड़ रुपए था। निगम के ग्यारह क्षेत्रीय कार्यालय हैं। इसके 22,000 हेक्टेयर भूमि के पांच खेत हैं। इतना ही नहीं, इसके भारत भर में अड़तालीस क्षेत्रीय कार्यालय/ उप-इकाइयां, तीस बीज उत्पादन केंद्र, 107 मार्केटिंग केंद्र, 76 बीज प्रक्रमण संयंत्र, सात वातानुकूलित बीज भंडारण सुविधाकक्ष, दो शाक बीज पैकिंग केंद्र और एक डीएनए फिंगर प्रिंटिंग लैब है। राष्ट्रीय बीज निगम लिमिटेड ही नहीं, केंद्रीय कृषि मंत्रालय के अलावा राज्यों के कृत्रि विभाग भी फसलों की पैदावार को पोषणयुक्त, गुणवत्तापूर्ण और हर दृष्टि से स्वास्थ्यवर्द्धक बनाने के लिए अनेक नीतियां बना चुके हैं। मगर नीतियों के क्रियान्वयन में लगा कार्यकारी तंत्र भ्रष्टाचार में लिप्त है। इसीलिए ऐसे तंत्र की लापरवाहियों का फायदा फसल संबंधी कीटनाशक बनाने वाली कंपनियां उठाती हैं।

सब्जियां, दालें, अनाज, मोटा अनाज, फल आदि, यहां तक कि मसालों की पैदावार में भी प्राकृतिक शक्ति नहीं बची। हर किस्म की पैदावार की प्रकृतिजन्य पौष्टिकता, स्वाद, गंध, रंग, अन्य सभी गुण खत्म हो चुके हैं। मसलन, चावल की अधिकांश उपलब्ध किस्में लंबे रूप में, शुष्क, नमहीन और पोषण-सत्व से विहीन हैं। चावल में मांड ही नहीं बचा। चावल का पारंपरिक बीज श्वेत होता है और इस पर ललंगी धारी या धारियां होती हैं। लेकिन अब यह धान-प्रजाति दिखती ही नहीं है। इसी प्रकार अन्य फसलों के बीज पारंपरिक रूप में नहीं बचे। सरकार को इस दिशा में गंभीरता से और क्रांतिकारी नीतियां बना कर उनका ठोस और निर्बाध क्रियान्वयन सुनिश्चित करना होगा। गांवों में खेती-बाड़ी के न होने, अनेक कारणों से छोटी जोतों में खेती-किसानी के सिमटने और पुरानी कृषक-पीढ़ी द्वारा अपनी नई पीढ़ी को पारंपरिक बीज आधारित कृषि-कर्म का व्यावहारिक ज्ञान हस्तांतरित न किए जाने के कारण आज कृषि क्षेत्र पूरी तरह से आधुनिक और व्यावसायिक हो चुका है। इसी कारण, पारंपरिक बीज संरक्षण के सरकारी यत्न निष्फल सिद्ध हो रहे हैं। इससे तो यही लगता है कि राष्ट्रीय बीज निगम लिमिटेड के नेतृत्व में पारंपरिक बीज संरक्षण के जो कागजी संकल्प, रिकार्ड और प्रदर्शन प्रकट हैं, धरातल पर उनका प्रभाव कुछ भी नहीं है। इस अनुभव के संदर्भ में एक कटु सत्य यह भी है कि देश की बड़ी जनसंख्या की खाद्य आपूर्ति जैविक और प्राकृतिक खाद्यान्न से नहीं की जा सकती।

अपना कठघरा

कुछ साल पहले शिक्षक प्रशिक्षण के लिए पुस्तकों पर चर्चा के दौरान सत्र की शुरूआत एक ऐसे प्रश्न से करने की बात आई जो सभी प्रतिभागियों को उद्वेलित करे और दिए गए विचार के पक्ष या विपक्ष में मजबूती से अपने तर्क रखने के लिए प्रेरित करे। इसी मकसद से यह प्रश्न रखा गया कि क्या दुनिया की सारी पाठ्य पुस्तकों को महासागर में फेंक देना चाहिए! आप इस विचार से सहमत हैं या असहमत? और क्यों? लगभग तीस सदस्यों के समूह में इसके पक्ष-विपक्ष पर आधा घंटा बहस के बाद भी दो पक्ष आपस में सहमत होने को तैयार नहीं थे।

जो इस बात से सहमत थे, उनका मानना था कि अगर शिक्षक काबिल हैं, अपने विषय को ठीक से समझते हैं, विद्यार्थियों के सीखने के स्तर और शिक्षण विधियों की समझ उन्हें है तो पाठ्य पुस्तकों की आवश्यकता नहीं है। इसके बजाय स्कूलों में एक समृद्ध पुस्तकालय होना चाहिए, हर कक्षा में पढ़ने का कोना होना चाहिए, जिसमें बहुत सारी किताबें और अन्य सामग्री उपलब्ध हो। बच्चों को आपस में और शिक्षक के साथ बातचीत करने के अवसर हों तो निश्चय ही पाठ्य पुस्तकों को प्रशांत महासागर में फेंक देना चाहिए! वहीं दूसरे पक्ष का कहना था कि ऐसे शिक्षक मिलेंगे कहां, जिन्हें अपने विषय, विद्यार्थियों, उनकी सामाजिक-आर्थिक पृष्ठभूमि, परिवेश, सीखने के स्तर और शिक्षण विधियों की ठीक-ठीक समझ हो!

इसके अलावा, उनका सरोकार शिक्षक के व्यक्तिगत आग्रहों और रुझानों को भी लेकर था। उनका यह मानना था कि पाठ्य-पुस्तकें कक्षा प्रक्रिया को वस्तुनिष्ठ बनाए रखने में सहायता करती हैं। अगर इसे शिक्षकों पर छोड़ दिया जाए कि कक्षा में क्या पढ़ाया जाना है तो उनके सामाजिक-राजनीतिक आग्रहों को जांचने का कोई वस्तुनिष्ठ पैमाना बच्चों के पास नहीं रह जाएगा। इस चर्चा के नतीजे के तौर पर ध्यान इस बात की ओर दिलाया गया कि जो वक्तव्य से सहमत थे, उनकी बात अगर से शुरू होती है। यानी जिस तरह के शिक्षक उम्मीद वे करते हैं, सभी शिक्षक जब तक उन पैमानों पर तैयार नहीं हो जाते, तब तक पाठ्य पुस्तकों को हम फेंक नहीं सकते। दूसरे, अगर शिक्षक अकादमिक रूप से तैयार हो भी जाएं तो क्या अपने व्यक्तिगत आग्रहों से वे पूरी तरह मुक्त हो सकते हैं? यहीं सोचने का विषय है कि क्या वस्तुनिष्ठता का यह सवाल सिर्फ शिक्षकों तक सीमित है! खासतौर पर एक ऐसे समाज में जहां राजनीतिक सत्ता के बदलाव के साथ पाठ्य-पुस्तकों में बदलाव किए जाते हों। इन दिनों पाठ्य-पुस्तकें फिर चर्चा में हैं। ऐसा बताया जा रहा है कि कुछ स्कूली किताबों से कुछ खास अध्याय निकाल दिए जाएंगे। नागरिक शास्त्र की पाठ्य पुस्तकें शीत युद्ध और अमेरिका के वर्चस्व की बात नहीं करेंगी, तो किसी कक्षा के बच्चे लोकतंत्र और विविधता के बारे में नहीं पढ़ेंगे! किसी कवि की कविताएं बाहर हो जाएंगी तो किसी प्रचारित उपन्यासकार को जगह मिलेगी! यह कौन तय कर रहा है कि पाठ्यपुस्तकों में क्या शामिल हो और क्या निकाल दिया जाए? किताबों से पाठों के हटाने से क्या इतिहास बदल जाएगा? मगर इसके अन्य पहलू भी हैं। क्या यह सवाल सिर्फ राजनीतिक सत्ताधीशों से किया जाना चाहिए? एक समाज के रूप में हम जहां खड़े हैं, वहां कैसे आ गए? अगर हमने इस देश और समाज में पढ़ने की संस्कृति का विकास किया होता तो भी क्या हमारे बच्चे क्या पढ़ें, इस पर राजनीतिक सत्ता का इस कदर नियंत्रण रह सकता था? हमने हर बच्चे के हाथ में मोबाइल फोन तो थमा दिया, जिसमें वाट्सऐप और यूट्यूब से घृणा और अश्लीलता भरी कोई भी सामग्री उन तक पहुंच सकती है, लेकिन हर गली में ऐसे पुस्तकालय नहीं बना सके, जिसमें बच्चे मिल कर किताबें पढ़ते और उन पर चर्चा करते। स्कूल को हमने ज्ञान के निर्माण की जगह के बनाने की बजाय बच्चों के मस्तिष्क को नियंत्रित करने के ठिकानों के रूप में विकसित किया है, जहां बच्चे अपने माता-पिता की अधूरी महत्त्वाकांक्षाओं का बोझ ढोते हुए हांफने लगते हैं।

समस्त स्वास्थ्य केंद्रों पर पर मनाया गया विश्व मलेरिया दिवस

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। जनपद में मंगलवार को विश्व मलेरिया दिवस उत्साहपूर्वक मनाया गया। इस अवसर जिला मुख्यालय सहित सभी स्वास्थ्य केंद्रों पर विविध कार्यक्रम हुए जिसमें जनपदवासियों को मलेरिया के बारे में जागरूक किया गया।इस क्रम में मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय में सीएमओ डॉ हरगोविंद सिंह की अध्यक्षता में गोष्ठी का आयोजन किया गया। सीएमओ ने कहा कि मच्छरों का प्रकोप पहले सिर्फ बारिश के दौरान और बारिश के बाद दिखता था जबकि अब 2-3 महीने छोड़ दीजिए तो पूरे साल ही दिखते हैं। इसलिए मलेरिया को रोकने के लिए फॉगिंग का कार्य आवश्यकता पड़ने पर समय-समय पर चलता रहेगा। इसके साथ ही हमारी स्वास्थ्य टीमें सर्वाधिक मच्छर वाले इलाकों को चिन्हित कर वहाँ प्रभावी रोकथाक व नियंत्रण के लिए उचित कार्यवाई का रही हैं। उन्होंने बताया कि इस दिवस को मनाने का उद्देश्य लोगों को इस बीमारी के प्रति जागरूक करना है। सहभागिता से ही मलेरिया, डेंगू, फाइलेरिया आदि संचारी रोगों को नियंत्रित किया जा सकता है। गोष्ठी में जिला मलेरिया अधिकारी मनोज कुमार, सहायक मलेरिया अधिकारी राम सिंह, बायोलोजिस्ट डॉ अशोक प्रकाश, फाइलेरिया निरीक्षण केके पाण्डेय सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे रहे। इसके अलावा कासिमाबाद पीएचसी के अंतर्गत अलावलपुर में विशेष स्वास्थ्य शिविर लगाकर बुखार, खांसी से ग्रसित मरीज देखे गए। इस दौरान कोई मरीज पॉजिटिव नहीं पाया गया। इसके अलावा शिविर में लोगों को मलेरिया, फाइलेरिया और कालाजार रोग के लक्षण, कारण, जांच, उपचार, बचाव आदि के लिए जागरूक किया गया। इस दौरान मलेरिया निरीक्षण सुनील कुमार, पाथ संस्था के अजय कुमार, एलटी अमरनाथ मौर्य एवं अन्य स्वास्थ्यकताओं का सहयोग रहा। इसके साथ ही कासिमाबाद के गौतम बुद्ध पब्लिक स्कूल सोनबरसा में सीफार संस्था की ओर से बनाए गए नेटवर्क की सदस्य सरिता ने बच्चों को मलेरिया और फाइलेरिया पर विस्तृत रूप से जानकारी दी। जिला समन्वयक संजय सिंह ने संचारी रोगों की पहचान व बचाव के बारे में विस्तृत जानकारी दी। प्रबन्धक प्रभुनाथ सिंह कुशवाहा, प्रधानाचार्य पूनम कुशवाहा, अध्यापक सुरेंद्र कुमार भारती ने बच्चों को जागरुक और प्रोत्साहित किया। इस इस दौरान आशा व आंगनबाड़ी कार्यकर्ता और स्कूल के सभी स्टाफ उपस्थित रहे।जिला मलेरिया अधिकारी ने बताया कि वर्तमान में संचालित संचारी रोग नियंत्रण एवं दस्तक अभियान के अंतर्गत शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में मच्छरों के प्रजनन स्रोतों को नष्ट कराया जा रहा है।

राहुल गांधी ने क्यों छेड़ा है जातीय जनगणना का राग, कर्नाटक या फिर लोकसभा चुनाव पर है नजर?

कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी जिनकी संसद सदस्यता हाल ही में छिन गई है और देश की सत्ताधारी पार्टी भाजपा जिन पर ओबीसी समुदाय का अपमान करने का आरोप लगाकर देश भर में अभियान चला रही है, उन राहुल गांधी ने कर्नाटक विधानसभा चुनाव में प्रचार के दौरान जातीय जनगणना का राग छेड़ दिया है। राहुल गांधी ने कर्नाटक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को चुनौती देने के अंदाज में 2011 में करवाए गए जाति आधारित जनगणना के आंकड़े सार्वजनिक करने की मांग की है। कांग्रेस जैसी बड़ी और राष्ट्रीय पार्टी के नेता आमतौर पर हाल फिलहाल तक इस मुद्दे पर इतने स्पष्ट अंदाज में बोलने से बचते ही नजर आया करते थे लेकिन आजकल कुछ नया और बड़ा करने की कोशिश में राहुल गांधी ने अब जातीय जनगणना को लेकर भी अपने इरादे साफ कर दिए हैं।

ऐसे में सवाल यह खड़ा हो रहा है कि कर्नाटक की धरती पर जाकर राहुल गांधी को यह मांग करने की जरूरत क्या थी ? 2011 में मनमोहन सिंह की सरकार को घटक दलों के दबाव में जिस जातीय जनगणना को कराना पड़ा और जिसका आंकड़ा कांग्रेस के नेतृत्व वाली यूपीए की मनमोहन सिंह सरकार भी जारी नहीं कर पाई थी, आखिर उस आंकड़े को अब राहुल गांधी क्यों जारी करवाना चाहते हैं ? आखिर राहुल गांधी को क्यों इस मसले पर लालू यादव की पार्टी राष्ट्रीय जनता दल के पीछे-पीछे चलने को मजबूर होना पड़ा ? क्या सिर्फ कर्नाटक में विधानसभा का चुनाव जीतने के लिए राहुल गांधी को जातीय जनगणना और ओबीसी समुदाय के हितों की रक्षा करने का यह राग अलापना पड़ा या फिर इसके तार 2024 में होने वाले लोकसभा चुनाव तक जा रहे हैं ? दरअसल, यह बात बिल्कुल सही है कि कर्नाटक में जीत हार का फैसला ओबीसी समाज के वोटर्स ही करते हैं क्योंकि राज्य में इस समुदाय के मतदाताओं की तादाद सबसे ज्यादा यानी 54 फीसदी के लगभग है। पिछले चुनाव में इनमें से सबसे ज्यादा लोगों ने भाजपा को वोट किया था और ऐसे में यह माना जा रहा है कि कांग्रेस ने इसी वोट बैंक को अपने पाले में लाने के लिए राहुल गांधी से जातीय जनगणना को लेकर यह बयान दिलवाया होगा। लेकिन वास्तव में इसकी वजह काफी गहरी है। कर्नाटक में ओबीसी समाज भी अलग-अलग जातियों में बंटा हुआ और हर जातीय समूह का अपना-अपना प्रभावशाली नेता हैं जिनमें से कई अभी भी प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष तौर पर मजबूती के साथ भाजपा के साथ खड़े हैं। ऐसे में यह साफ जाहिर हो रहा है कि जातीय जनगणना का मुद्दा उठाकर कर्नाटक के बहाने राहुल गांधी लोक सभा चुनाव के समीकरणों को साधना चाहते हैं। दरअसल, भाजपा राष्ट्रीय स्तर पर यह दावा करती रहती है कि 2014 में केंद्र की सत्ता में आने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार ने ओबीसी लोगों के लिए इतने ऐतिहासिक काम किए हैं जो इससे पहले की किसी भी केंद्र सरकार ने नहीं किया था। भाजपा राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग को संवैधानिक दर्जा देने, केंद्र सरकार में पहली बार ओबीसी समाज के 27 सांसदों को मंत्री बनाने और नवोदय, सैनिक एवं सेंट्रल स्कूलों में ओबीसी छात्रों के लिए 27 फीसदी आरक्षण जैसे कई कदमों का हवाला देते हुए देश भर के ओबीसी मतदाताओं को यह संदेश देने का प्रयास करती है कि उनके समाज के हितों की रक्षा सिर्फ और सिर्फ भाजपा ही कर सकती है।

यही वजह है कि ओबीसी समाज का अपमान करने के आरोपों का सामना कर रहे राहुल गांधी ने भाजपा के इसी प्रचार तंत्र के प्रभाव को तोड़ने के लिए कर्नाटक में जातीय जनगणना के मुद्दे को जोर-शोर से उठा दिया। अगर राहुल गांधी के भाषण को ध्यान से सुना जाए तो यह स्पष्ट हो जाएगा कि वो कर्नाटक की धरती से सिर्फ देश भर के ओबीसी वोटरों को ही संबोधित नहीं कर रहे थे बल्कि इस समुदाय के प्रभावशाली नेताओं को भी एक राजनीतिक संदेश देने का प्रयास कर रहे थे। राहुल गांधी ने कहा था कि यदि मोदी सरकार ओबीसी का भला करना चाहती है तो वह 2011 के जातिगत जनगणना के आंकड़ों को सार्वजनिक करें ताकि ये पता चल सके कि देश में कितने दलित, कितने आदिवासी और कितने ओबीसी हैं। राहुल ने आरक्षण की उच्चतम सीमा पर लगी 50 फीसदी की रोक को हटाने की मांग करते हुए यहां तक आरोप लगा दिया कि नरेंद्र मोदी ने ओबीसी से वोट लिया, लेकिन नौ सालों में इनके लिए किया क्या ?

दरअसल, यह पूरी लड़ाई 2024 में होने वाले लोकसभा चुनाव की है। भाजपा मंडल की राजनीति को कमंडल में समाहित कर लगातार चुनाव दर चुनाव जीतती जा रही है और इसलिए राहुल गांधी भाजपा के कमंडल से मंडल के जिन्न को बाहर निकाल कर एक बार फिर देश की राजनीति के चरित्र को बदलने का प्रयास कर रहे हैं। लेकिन निश्चित तौर पर भाजपा की तरफ से इसका जवाब भी आएगा ही। बाकी अंतिम फैसला तो भारत की जनता 2024 में ही करेगी।

बेसिक शिक्षा परिवार ने मृत शिक्षामित्र के परिजनों को दिया सहयोग राशि

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। भाँवरकोल प्राथमिक शिक्षक संघ, पूर्व माध्यमिक शिक्षक संघ, अनुदेशक संघ एवं शिक्षामित्र संगठनों ने मिलकर मृत शिक्षामित्र के परिजनों को सहयोग राशि प्रदान कर मिशाल पेश किया। विदित हो कि प्राथमिक विद्यालय महेन्द के शिक्षामित्र इरफान खान का विगत दिनों निधन हो गया था। खण्ड शिक्षा अधिकारी सावन कुमार दुबे के निर्देशन में इस दुःख की घड़ी में पूर्व माध्यमिक शिक्षक संघ, प्राथमिक शिक्षक संघ एवं शिक्षामित्र व अनुदेशक संगठन के पदाधिकारियों ने मिलकर पूरे ब्लॉक के शिक्षकों से सहयोग राशि इकट्ठा कर स्व. ईरफान खान के पत्नी को कुल 85000 (पचासी हजार रुपये मात्र) नकद व 15100 रुपये उनके खाता में कुछ शिक्षकों ने प्रेषित किया था टोटल एक लाख एक सौ रुपये मात्र सहयोग राशि के रूप में प्रदान किया। इस सहयोग में भाँवरकोल ब्लॉक के समस्त शिक्षक, शिक्षामित्र, अनुदेशक आदि का सहयोग रहा। खण्ड शिक्षा अधिकारी व शिक्षक प्रतिनिधियों के कर कमलों द्वारा सहयोग राशि पाकर स्व. इरफान खान की पत्नी की आँखे भरभरा गयी, जिसपर खण्ड शिक्षा अधिकारी ने हर सम्भव मदद करने का आश्वासन देते हुए ढाढस बढ़ाया। इस अवसर पर पूर्व माध्यमिक शिक्षक संघ अध्यक्ष जयनारायण उपाध्याय, प्राथमिक शिक्षक संघ अध्यक्ष दिनेश यादव, अटेवा मंच के अध्यक्ष मु. आलिम हुसैन, शिक्षामित्र संघ के अध्यक्ष अशोक राय, लक्ष्मण यादव व संजय राय, अनुदेशक संघ के अध्यक्ष प्रह्लाद यादव, रमाशंकर यादव, दिनेश राम, अम्बिका राम, निशान्त राय, राजेश, विनय मिश्रा, सुजीत, क्यामुद्दीन, अजमल खान, आलोक, इत्यादि के साथ कई शिक्षक व कर्मचारी उपस्थित रहे।

इण्टर में ज्योति प्रदेश की पांचवी रैंक पर तथा हाई स्कूल में खुशी रही जिला टॉपर

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। माध्यमिक शिक्षा परिषद उत्तर प्रदेश वर्ष 2023 का हाईस्कूल इंटर का परीक्षा फल आज घोषित किया गया। रिजल्ट के मुताबिक गाजीपुर की ज्योति यादव ने इंटर की यूपी टॉप 10 की लिस्ट में पांचवी रैंक हासिल की है। वहीं दूसरी ओर खुशी जायसवाल ने हाई स्कूल में जिला की टॉपर रैंक पर है।

गाजीपुर जिले के पंडित मदन मोहन मालवीय इंटर कॉलेज सिखड़ी की छात्रा ज्योति यादव ने यूपी बोर्ड एग्जाम इंटरमीडिएट में 96.6% नंबर हासिल करते हुए यूपी टॉप टेन की लिस्ट में पांचवी रैंक हासिल की है। कॉलेज के प्रिंसिपल नीरज कुमार राय ने बताया कि क्षेत्र के औराई गांव की रहने वाली ज्योति यादव ने 500 नंबर में 483 अंक हासिल करते हुए प्रदेश में यह जगह बनाई है। उन्होंने ज्योति यादव को बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की है।जानकारी के अनुसार दुल्लहपुर थाना क्षेत्र की ओडराई गांव के रहने वाली ज्योति यादव के पिता नंदलाल यादव गुजरात में प्राइवेट जॉब करते हैं। माता रूबी यादव घरेलू महिला है। जब की ज्योति का छोटा भाई अमन हाई स्कूल का छात्र है और सबसे छोटी बहन जया आठवीं की छात्रा है। ज्योति यादव वाराणसी में रहकर मेडिकल की तैयारी कर रही है। इसके अलावा पंडित मदन मोहन मालवीय इंटर कॉलेज की श्वेता तिवारी और स्वामी आत्मानंद इंटर कॉलेज टोडरपुर के दानिश अंसारी ने यूपी टॉपर्स की सूची में 9 वीं रैंक हासिल की है। इसी प्रकार खुशी जयसवाल ने 97. 17% अंक हासिल करते हुए हाई स्कूल में जनपद में पहला और प्रदेश की मेरिट में छठ वी रैंक प्राप्त की है हनुमान सिंह इंटर कॉलेज देवकली की छात्रा खुशी क्षेत्र के नवादा गांव के रहने वाले बालेश्वर जायसवाल की पुत्री है इसके अलावा जनपद के विभिन्न स्कूल कॉलेज में पढ़ने वाले छात्र छात्राओं ने भी यूपी का टापर्स की सूची में स्थान प्राप्त किया है। जिसमें सातवें रैंक पर आंचल तिवारी, 8 वीं रैंक पर प्रियांशु शर्मा, 9वी रैंक पर स्मृति विश्वकर्मा और 10वी रैंक पर श्रेया प्रजापति शामिल है।

विकास करना है तो बीजेपी ही एकमात्र विकल्प : रविंद्र जायसवाल

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। उत्तर प्रदेश के राज्य मंत्री(स्टाम्प एवं न्याय शुल्क) रविन्द्र जायसवाल जी नगरपालिका परिषद जमानिया में कार्यकर्ता सम्मेलन में शामिल हुए। उनके साथ एमएलसी विशाल सिंह चंचल भी शामिल हुए। इस कार्यकर्ता सम्मेलन में मंत्री ने कहा कि देश में मोदी जी और प्रदेश में योगी जी की सरकार हैं, नगरपालिका और नगरपंचायतों का विकास करना है तो बीजेपी ही एकमात्र विकल्प है गुंडे माफिया आज डर के छुपे हुए हैं। वहीं एमएलसी विशाल सिंह चंचल ने कार्यकर्ताओं को सम्बोधित करते हुए कहा कि कार्यकर्ता हमारे पार्टी की रीढ़ की हड्डी है। आप के हौसले का ही ये परिणाम है कि आज देश और प्रदेश में हमारी सरकार है। जय प्रकाश गुप्ता संघर्षशील व्यक्ति हैं। कार्यकर्ता प्रत्येक व्यक्ति के घर तक पहुँचे, और अपनी सरकार की योजनाओं को बताएं। हम गाजीपुर की 8 सीट पर जीत का परचम लहरायेंगे। माफिया अब रहम की भीख मांग रहे हैं। किसी से डरने की जरूरत नहीं है, प्रत्येक कार्यकर्ता खुद को मेरा प्रतिनिधि माने। कोई डराने धमकाने की कोशिश करें तो आप मुझे अवगत करा सकते हैं। जनता तक ये पहुँचाये की निर्बाध रूप से बिजली ,सड़क, स्वच्छ पानी सिर्फ और सिर्फ हमारी सरकार ही दे सकती हैं, क्योंकि यहाँ भाई भतीजावाद नहीं है, यहाँ सिर्फ निष्ठावान कार्यकताओं का सम्मान किया जाता हैं। सम्मेलन के पश्चात चुनावी कार्यालय का उद्घाटन किया गया एवं नगर में भ्रमण कर जनसंपर्क किया गया। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष भानु प्रताप सिंह,कृष्ण बिहारी राय, बी के त्रिवेदी, प्रवीण सिंह, अनिल यादव, नृपेंद्र उपाध्याय, अनिल गुप्ता, आशीष वर्मा, सभी मण्डल अध्यक्ष, सेक्टर संयोजक,एवं बड़ी संख्या में कार्यकर्ता एवं प्रधानगण एवं क्षेत्र पंचायत सदस्यगण उपस्थित रहे।

संक्षिप्त खबरें

अमजद अली इंटरमीडिएट कॉलेज का छात्र इंटर मे किया टॉप

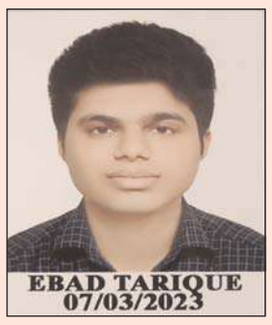

प्रखर गंभीरपुर /आजमगढ़। अमजद अली इंटरमीडिएट कॉलेज मोहम्मदपुर के इंटरमीडिएट की परीक्षा में एबाद पुत्र मो तारिक के टॉप करने पर परिवार के लोगों को क्षेत्र के लोगों द्वारा ढेर सारी बधाइयां देने के लिए लोग पहुंचते रहे । जानकारी के मुताबिक एबाद के पिता मोहम्मद तारिक अमजद अली इंटरमीडिएट कॉलेज में केमिस्ट्री के शिक्षक के तौर पर तैनात हैं वही इनकी पत्नी आरजू बानो जूनियर हाई स्कूल में शिक्षिका के तौर पर तैनात हैं । एबाद तारीख दो भाई हैं जिनमें बड़ा भाई जियाद तारीख एमबीबीएस प्रथम वर्ष मे है।एबाद तारिक का हाई स्कूल में प्राप्तांक 92% रहा वही इस बार इंटर की परीक्षा मे 96.6% अंक प्राप्त कर अपने नाम रिकॉर्ड कायम किया।एबाद ने बताया की भविष्य की योजना पर मेडिकल परीक्षा पास करने के पश्चात समाज की सेवा करना हमारा लक्ष्य है। इस सफलता का श्रेय मैं अपने माता पिता और अध्यापकों को देता हूं।अध्यापक द्वारा दिए गए समय समय पर गाइडलाइन अपने माता-पिता परिवार का आशीर्वाद और खुद की मेहनत सामान्यतः पढ़ाई स्कूल पढ़ाई के पश्चात 6 घंटा और जैसे-जैसे परीक्षा नजदीक आए थोड़ा समय और दिया ध्यान दिया।

वाराणसी महानगर अध्यक्ष विद्यासागर राय ने वार्ड नंबर 47 विरदोपुर से भाजपा पार्षद प्रत्याशी सीमा वर्मा के कार्यालय का फीता काटकर किया उद्घाटन

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। नगर निगम चुनाव को लेकर वाराणसी में सरगमीयां काफी बढ़ गई है सभी प्रत्याशी अपने-अपने क्षेत्रों में दमखम के साथ प्रचार प्रसार कर रहे हैं वही इसी कड़ी में वार्ड नंबर 47 विरदोपुर से भाजपा पार्षद प्रत्याशी सीमा वर्मा के कमच्छा स्थित चुनाव कार्यालय का उद्घाटन वाराणसी के महानगर अध्यक्ष विद्यासागर राय के द्वारा फीता काटकर किया गया इस अवसर पर भारतीय जनता पार्टी वाराणसी महानगर के महानगर महामंत्री जगदीश त्रिपाठी, महानगर महामंत्री किशन कनौजिया, आर्थिक प्रकोष्ठ के अध्यक्ष संजय गुप्ता, महानगर कोषाध्यक्ष रचना अग्रवाल,वार्ड प्रभारी लालजी गुप्ता, शिवनारायण वर्मा (मामू मौर्य), सुभाष सोनकर, संतोष गुप्ता, अंजू वर्मा समेत क्षेत्र के गणमान्य लोग उपस्थित थे` मीडिया से वार्ता करते हुए वार्ड नंबर 47 विरदोपुर की पार्षद प्रत्याशी सीमा वर्मा ने बताया कि भारतीय जनता पार्टी की सरकार केंद्र में नरेंद्र मोदी एवं प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ जिस तरह से पूरे प्रदेश का विकास किया जा रहा है तथा वाराणसी का चौमुखी विकास किया जा रहा है इसी के अंतर्गत यदि क्षेत्र की जनता का आशीर्वाद मिला तो मैं भी अपने क्षेत्र की जो भी समस्याएं रहेंगी उनको प्राथमिकताओं के आधार पर पूरा करूंगी`

स्वामी रामकृष्ण इण्टर कालेज जाहीं में विद्यार्थियों को पाठ्य पुस्तकों का वितरण

प्रखर गाजीपुर। स्वामी रामकृष्ण इण्टर कालेज जाहीं, जखनियां गाजीपुर के नव प्रवेशी छात्र छात्राओं को समारोह पूर्वक जिला विद्यालय निरीक्षक के करकमलों द्वारा पाठ्य पुस्तक का वितरण किया गया। विद्यालय प्रबंधन ने नवीं कक्षा में प्रवेश लेने वाले आर्थिक दृष्टि से कमजोर विद्यार्थियों को पाठ्यपुस्तक एवम् अन्य संसाधन प्रदान कर सहायता की योजना बनाया है। विद्यालय द्वारा किए जा रहे इस प्रयास से नई शिक्षा नीति के लक्ष्य को सुगमता पूर्वक प्राप्त किया जा सकेगा। पाठ्यपुस्तक के अभाव में गरीब विद्यार्थियों की पढ़ाई बाधित नहीं होगी। शिक्षा जीवन का मूल तत्व है। यदि शिक्षा सही होगी, शिक्षा का उद्देश्य सार्थक और सकारात्मक जीवनशैली का निर्माण होगा तभी देश उन्नति करेगा और राष्ट्र भारत शीर्ष जीवन मूल्यों वाला राष्ट्र बनेगा। ज्ञान का विस्तार अनंत है तथा पुस्तकें इस अनंत ज्ञान तक पहुंचने का माध्यम हैं । उक्त बातें पुस्तक वितरण कार्यक्रम में जिलाविद्यालय निरीक्षक श्री ..... ने कही। उन्होंने अपने संबोधन में विद्यालय की इस नेक पहल के लिए शुभकामना व्यक्त किया।इस अवसर पर प्रमुख रुप से श्री दुखहरन यादव,श्री मंगेश मौर्य, श्री संतोष यादव, कुमारी रानी पटेल, कुमारी शिखा विश्वकर्मा, श्री आकाश विश्वकर्मा,श्री मोनू प्रजापति, श्री सुरेन्द्र राम श्री रामनरेश भारद्वाज,श्री रामवृक्ष भारद्वाज,श्री राजित यादव,श्री अमित गिरी , अधिवक्ता श्री अशोक चौहान आदि उपस्थित थे। प्रधानाचार्य श्री प्रमोद कुमार मिश्र ने सबके प्रति आभार प्रकट किया।

लोगों को विश्व मलेरिया दिवस को लेकर किया गया जागरूक

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। दुनिया भर में विश्व मलेरिया दिवस 25 अप्रैल को मनाया जाता है। इस दिन को मनाने की शुरूआत वर्ष 2007 से की गई थी। इसी को लेकर आज गाजीपुर जनपद में भी विश्व मलेरिया दिवस मनाया गया इसी कड़ी में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मोहम्मदाबाद और हेल्थ एंड वैलनेस सेंटर एवं उप केंद्रों पर विश्व मलेरिया दिवस के रूप में मनाते हुए जन जागरूकता का कार्यक्रम किया गया। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मोहम्मदाबाद के चिकित्सा अधीक्षक डॉ आशीष राय ने बताया कि साल 2007 से विश्व मलेरिया दिवस का आयोजन किया जा रहा है इसी को लेकर आज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मोहनदाबाद और उसके अंतर्गत चलने वाले हेल्थ एंड वैलनेस सेंटर एवं उप केंद्रों पर मलेरिया से लोगों को जागरूक करने के बारे में जानकारी दी गई। उन्होंने बताया कि इस दिवस को मनाने का मकसद मलेरिया के प्रति लोगों की जागरूकता बढ़ाना है। हर साल की तरह इस वर्ष भी मलेरिया दिवस हेतु एक खास थीम यानी मलेरिया से लडने के लिए तैयार रखी गई है। इसका मकसद लोगों को मलेरिया से निपटने के लिए तैयार कर जागरूक करना। मलेरिया मादा मच्छर ऐनाफेलीज के काटने से होता है।। बरसात के मौसम या वातावरण में नमी होने पर मलेरिया के मच्छर पनपने लगते है, और बीमारी फैलाते हैं। बुखार, सिर दर्द,उल्टी, ठंड लगना , थकान होना , चक्कर आना पेटों में दर्द रहना ये सब मलेरिया के कुछ सामान्य लक्षण है। आम तौर पर मलेरिया दो सप्ताह में ठीक हो जाता है । परन्तु बिमारी को नजरंदाज करना रोगी के लिए खतरनाक हो सकते है । मलेरिया होने पर मरीज को अपने खान-पान पर विशेष ध्यान रखना चाहिए। जैसे काबोर्हाइड्रेट से भरपूर आहार ले जैसे साबुत अनाज, बाजरा क्योंकि ये आहार जल्दी से शरीर को एनर्जी देते हैं। प्रोटीन युक्त खाद्य पदार्थ का सेवन बढ़ा दें । अपने शरीर को हाइड्रेट करे। तरल पदार्थ जैसे गन्ने का रस, नारियल पानी, ताजे फलों का रस, नींबू पानी, सूप जैसी चीजें पिये ,पीने के पानी को उबालकर कर पीये। क्योंकि इसमें के बैक्टीरिया उबलने से मर जाते है ।तरल पदार्थ युरीन के रास्ते से शरीर में विषाक्त पदार्थों को बाहर निकालते है।

सिविल सर्विस रुद्र शर्मा की है पहली पसंद

प्रखर थानागद्दी जौनपुर। चंदवक थाना क्षेत्र स्थित जनता इंटर कालेज रतनपुर के इंटरमीडिएट गणित वर्ग के छात्र रुद्र शर्मा ने 95.2 फीसदी अंक प्राप्त कर कालेज का नाम जनपद में रोशन किया है। जिले में टॉप थ्री रैंक में शुमार रुद्र शर्मा का सपना सिविल सर्विसेज है। रुद्र शर्मा की इस उपलब्धि पर प्रबंधक ओंकार सिंह एवं प्रधानाचार्या रजनी द्विवेदी ने बधाई दी। मालूम हो कि ग्राम पंचायत उमरवार निवासी साधारण किसान बच्चन शर्मा की 6 संतानों में सबसे छोटे रुद्र शर्मा अपने बड़े भाई बहनों के नक्शे कदम पर चलते हुए कुल 476 अंक प्राप्त किए। इस होनहार ने गणित विषय में 99 अंक प्राप्त किया। जिले में तीसरा स्थान प्राप्त करने पर घर वाले खुशी से झूम उठे। इस होनहार छात्र ने बताया की उम्मीद थी की प्रदेश की टाप 10 सूची में सौभाग्य प्राप्त होगा किंतु कोई मलाल नहीं। पढ़ाई के अतिरिक्त रुद्र की क्रिकेट खेल में रुचि है।मोबाइल का प्रयोग वह केवल जनरल नालेज की तैयारी के लिए करता है।रुद्र के पिता बीएससी है किंतु रोजगार नही मिला तो बच्चों को पढ़ाने के लिए एक ईट भट्ठे पर मुनीबी तक की।इस समय मुंबई के एक प्राइवेट बैंक में छोटी सी जॉब के सहारे बच्चो की पढ़ाई और घर के जीविकोपार्जन के सहारा बने हुए है। रुद्र का बड़ा भाई हिमांशु शर्मा गणित से एमएससी और नेट क्वालीफाई है।बहन विनीता शर्मा रसायन विज्ञान में एमएससी और बीटीसी है तो दूसरी आंचल शर्मा एमएससी कर रही है।जिले में टॉप टेन की सूची में नाम दर्ज कराने वाला हर्ष शर्मा बीएससी कर रहा है तो स्वतंत्र शर्मा मिजार्पुर के राजकीय पॉलीटेक्निक का छात्र है। एमएससी बीएड रेखा शर्मा रुद्र की बुआ है और इसी कालेज में मानदेय पर रसायन विज्ञान का अध्यापन करती है। जिले में रुद्र शर्मा के टॉप थ्री पोजिशन पर कालेज के मुरली पाल सुनील सिंह सतीश सिंह राजेश सिंह,शिक्षक नेता बीरेंद्र बहादुर सिंह संतोष सिंह प्रेमचंद शुक्ल संतलाल कन्नौजिया सतीश विश्वकर्मा नीतू शुक्ला आदि शिक्षको सहित गांव के महेंद्र मौर्य राजेश यादव सुरेंद्र गुप्ता और प्रधान शोभनाथ ने बधाई दी।

दशाश्वमेध घाट पर चलाया गया स्वच्छता अभियान, आज पुनः लगाए गए चेंजिंग रूम

प्रखर वाराणसी। दशाश्वमेध घाट पर गंगा हरीतिमा अभियान के अग्रदूत अनिल कुमार सिंह के अगुवाई एवं प्रेरणा से एक सेट यानी दो चेजिग रुम महिला स्वाभिमान रक्षार्थ रखवाया गया जिसमे त्रिदेव ग्रुप के संस्थापक राधेगोविन्द केजरीवाल व जय प्रकाश सिंह विशाल प्रोटेक्शन फोर्स का पूर्ण सहयोग रहा , इसके मुख्य अतिथि अभिषेक कुमार सिंह सहायक कमांडेंट 95 बटालियन केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल ने सृजन सामाजिक विकास न्यास के अध्यक्ष अनिल कुमार सिंह की इस नेक पहल की सराहना करते हुए कहा जिस तरह से गंगा, समाज, पर्यावरण एवं जल संरक्षण हेतु काशी मे ये सराहनीय कार्य कर रहे है उससे सभी को शीख लेनी चाहिए, काशी के आम जन को जागरुक होकर मां गंगा एवं तालाबो कुन्डो सार्वजनिक स्थलो के प्रति सचेत होकर अपने दैनिक जीवन में स्वच्छता को अमल में लाना होगा, विशिष्ट अतिथि सुधीर कुमार सिंह समाजसेवी ने हनुमान मनिंदर पर सभी के साथ मिलकर हनुमान चालिसा का

पाठ करायें जागरुकता हेतु समाज के सभी बर्गो को आगे आकर जिम्मेदारी लेनी चाहिए। गंगा हरीतिमा अभियान के ब्रांड अम्बेसडर एवं सृजन सामाजिक विकास न्यास के अधयक्ष अनिल कुमार सिंह ने सभी को स्वच्छता, पर्यावरण, एवं जल संरक्षण की शपथ दिलाकर त्रिदेव ग्रुप एवं सी आर पी एफ 95 बटालियन के प्रति आभार प्रगट करते हुए विशाल प्रोटक्शन फोर्स के जी एम जे पी सिहं को पूरा घाट एवं चेंजिग रुम को देखरेख करने हेतु उनके प्रति भी आभार प्रकट किया, त्रिदेव ग्रुप के दो निदेशक शशांक केजरी वाल एवं प्रशांत केजरी वाल को भी इस नेक कार्य हेतु बधाई दिया जिसमे मुख्य रुप निरीक्षक कमलेश यादव व प्रवीण सिंह ने अपनी पूरी टीम सी आरपीएफ के नौजवानो के साथ महती भूमिका निभाई एवं गगा टास्क फोर्स के सुबेदार शिवेंद्र सिंह ने अपने पुरी टीम के साथ स्वछता में भागीदारी निभाई, दशाश्वमेध घाट पर उपस्थित ब्राह्मणों के द्वारा मंत्रो चारण कर चेजिगं रुम को स्थापित कराया।

प्रधानमंत्री स्वनिधि मंच का हुआ गठन, अध्यक्ष बने संजय चोपड़ा

प्रखर पूर्वान्चल हरिद्वार। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रेरणा से वरिष्ठ समाजसेवी राधेश्याम रतूड़ी, सुंदरलाल राजपूत द्वारा संयुक्त रूप से प्रधानमंत्री स्वनिधि महा उत्सव की सफलता के उपरांत प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना को असंगठित क्षेत्र के रेहड़ी पटरी के स्ट्रीट वेंडर्स, मजदूर श्रमिक, बैटरी रिक्शा चालक, साइकिल रिक्शा चालक, कूड़ा बीनकर अपनी जीविका चलाने वाले श्रमिकों को ज्यादा से ज्यादा लाभार्थी बनाने के लिए प्रधानमंत्री स्वनिधि मंच का हुआ गठन जिसमें सर्वसम्मति से प्रधानमंत्री स्वनिधि मंच के अध्यक्ष संजय चोपड़ा को चुना गया` इस अवसर पर प्रधानमंत्री स्वनिधि मंच के अध्यक्ष संजय चोपड़ा ने कहा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निर्देशन में उत्तराखंड सरकार की और से हरिद्वार नगर निगम प्रशासन द्वारा 7 हजार असंगठित क्षेत्र के रेहड़ी पटरी के स्ट्रीट वेंडर सहित मेहनतकश श्रमिकों को योजनाबद्ध तरीके से प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना का लाभार्थी बनाने के लिए लक्ष्य निर्धारित किया गया है जो कि हर्ष का विषय है उन्होंने कहा प्रधानमंत्री स्वनिधि मंच के माध्यम से जागरूक अभियान चलाकर ज्यादा से ज्यादा स्ट्रीट वेंडर्स सहित स्वनिधि की श्रेणी में आने वाले असंगठित क्षेत्र के कामगारों को प्रधानमंत्री आत्मनिर्भर योजना के तहत भारत आत्मनिर्भरता की और बढ़ाए जाने के प्रयास जारी रहेंगे उन्होंने यह भी कहा आगामी 26 मई को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री स्वनीधि योजना की समीक्षा कर रहे हैं` समीक्षा के उपरांत प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना, प्रधानमंत्री आत्मनिर्भर योजना को आगे और बढ़ाए जाने की पूरी संभावना बनी हुई है इसीलिए प्रधानमंत्री स्वनिधि मंच के माध्यम से स्थानीय बैंक नगर निगम प्रशासन मेहनतकश श्रम योगी संगठनों को जोड़कर प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना को क्रियान्वयन किए जाने के लिए मेरे प्रयास जारी रहेंगे` कंधारी धर्मशाला स्थित प्रधानमंत्री स्वनिधि मंच के अध्यक्ष चुने जाने पर संजय चोपड़ा का फूल- मालाओं के साथ जोरदार स्वागत करते श्रमिक कल्याण परिषद के कुंवर सिंह मंडवाल, सामाजिक कार्यकर्ता राजेश खुराना, अवधेश कोठियाल, राजेश दुआ, श्रमिक नेता राजकुमार, कुलदीप खन्ना, कमल शर्मा, चंदन सिंह रावत, खुशीराम, चंद्रकांत रावत आदि प्रमुख रूप से शामिल रहे।

स्वामी सहजानन्द पीजी कालेज में प्रवेश प्रक्रिया प्रारम्भ

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। नगर के स्वामी सहजानन्द पीजी कालेज में शैक्षिक सत्र- 2023-24 के लिए विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रवेश प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गयी है. उक्त सूचना देते हुए महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. डॉ. वी के राय ने एक प्रेस-विज्ञप्ति के माध्यम से सूचित किया है कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति - 2020 के प्राविधानों के अनुरूप महाविद्यालय में स्नातक कला एवं वाणिज्य तथा स्नातकोत्तर - हिंदी, राजनीतिशास्त्र, भूगोल, मनोविज्ञान, सैन्यविज्ञान व एमकॉम के प्रथम सेमेस्टर में प्रवेश के लिए इच्छुक प्रवेशार्थी महाविद्यालय की अधिकृत वेबसाइट पर लॉग इन कर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं. प्राचार्य प्रो. राय ने बताया कि ऑनलाइन प्रवेश आवेदन हेतु महाविद्यालय की वेबसाइट आज दिनांक 25 अप्रैल से फंक्शनल कर दी गयी है। प्रवेशार्थियों को यह निर्देश दिया जाता है कि वे अपने ऑनलाइन आवेदन की एक हार्ड कॉपी अपने पास अवश्य रखें जिसके साथ प्रवेश हेतु आवश्यक सूचनाएं दी गयी हैं।

निरीक्षण समिति ने किया आश्रय गृहों का निरीक्षण एवं लगाया शिविर

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। आश्रय गृहों के निरीक्षण के लिए गठित की गयी समिति के अध्यक्ष राकेश कुमार टप्प, अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश/विशेष न्यायाधीश, पॉक्सो न्यायालय, कक्ष सं0-1 गाजीपुर, सदस्या श्रीमती कामायनी दूबे, पूर्णकालिक सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, गाजीपुर एवं सदस्या, साधना कुमारी, न्यायालय सिविल जज (जू0डि0) फास्ट ट्रैक कोर्ट, कक्ष संख्या-01, गाजीपुर द्वारा संरक्षण गृहों का निरीक्षण एवं शिविर का आयोजन किया गया। स्व0 शिवपूजन पाठक बालगृह ;बालिकाद्ध रस्तीपुर, सैदपुर, गाजीपुर में निरीक्षण एवं पी0सी0पी0एन0डी0टी0 विषय पर शिविर का आयोजन किया गया। निरीक्षण के दौरान उपस्थिति पंजिका के अनुसार समस्त कर्मचारी कार्यरत थे। संस्था में आवासित बालिकाओं की संख्या उपस्थिति पंजिका दिनांक 25 अप्रैल 23 के अनुसार उपस्थित रही। समिति द्वारा आवासित बालिकाओं को मीनू के अनुसार भोजन, साफ-सफाई, कपडे. तथा स्वास्थ्य एवं स्वास्थ्य परीक्षण का समुचित प्रबंध हेतु आवश्यक कार्यवाही करने हेतु दिशा-निर्देश दिया गया। जबकि पं0 भोलानाथ मिश्र, बालगृह (बालक) बड़गांव, मखदूपुर, सैदपुर, गाजीपुर में निरीक्षण एवं पाक्सो एक्ट विषय पर शिविर का आयोजन किया गया। निरीक्षण के दौरान उपस्थिति पंजिका के अनुसार कर्मचारी कार्यरत थे। संस्था में आवासित बालकों की संख्या, उपस्थिति पंजिका दिनांक 25 अप्रैल 23 के अनुसार पूर्ण पायी गयी। समिति द्वारा सम्बंधित बालगृह (बालक) को निर्देशित किया गया कि वे बच्चों के भोजन की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दें एवं साफ-सफाई कराना सुनिश्चित करें। समिति द्वारा अन्दर लगे सीसीटीवी कैमरों का निरीक्षण करते हुए बालगृह में दवा की उपलब्धता, जांच के संबंध में जानकारी ली गई। बालगृह में किसी भी बालक द्वारा किसी उत्पीड़न अथवा परेशानी का कोई उल्लेख नहीं किया गया है।

शताब्दी वर्ष में ए०आई०आर०एफ० के समृद्धि इतिहास को याद करना जरूरी

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। ए0आई०आर०एफ० का शताब्दी वर्ष शुरू हो गया शताब्दी वर्ष समारोह पूरे साल देश भर में चलता रहेगा` इस वर्ष को ऐतिहासिक और यादगार बनाने के लिए लंदन में इंटरनेशनल ट्रांसपोर्ट फेडरेशन के मुख्यालय पर मुख्य समारोह का आयोजन होगा ` ए०आई०आर०एफ० के महामंत्री शिवगोपाल मिश्रा, आई०टी०एफ० उपाध्यक्ष राजा श्रीधर और ए0आई०आर०एफ० की महिला कन्वीनर प्रवीना सिंह की मौजूदगी में आई०टी०एफ० के महासचिव स्टीफन कॉटन कार्यक्रम की शुरूआत करने के साथ ही ए०आई०आर०एफ० शताब्दी वर्ष का खास लोगो लांच करेंगे इस अवसर पर रेलमन्त्री अश्विनी वैष्णव चेयरमैन रेलवे बोर्ड एड्वके० लोहाटी भी शताब्दी समारोह में वर्चुअल माध्यम से जुड़ेंगे` एनआरएम०पू० के वाराणसी शाखा के शाखा मंत्री सुनील कुमार सिंह ने बताया कि देश भर के यूनियन ऑफिस को झालर से सजाने के साथ रोशनी भी की जाएगी श्री सिंह ने कहा कि भारतीय रेल के कर्मचारियों को जो भी सुविधा मिल रही है उसके पीछे ए०आई०आर० एफ०का लंबा संघर्ष है` ए०आई०आर०एफ० के अगुवाई में रेल के इतिहास में तीन बड़ी हड़ताल 1960 ,1968 और 1974 में हुई जिसमें हमारे रेल कर्मचारी का शोषण तो हुआ ही पुलिस की गोली में तमाम लोग शहीद भी हो गए` कामरेड सिंह द्वारा कहा कि जैसा कि आप लोग जानते हैं कि आज ही के दिन सन- 1924 में ऑल इण्डिया रेलवे मेन्स फेडरेशन का गठन हुआ जिसके पहले अध्यक्ष राय साहब चन्द्रिका प्रसाद थे जबकि मुकंद लाल इसके पहले महामंत्री बने` उस दौरान रेलवे में छोटी-बड़ी कई यूनियन थी सभी कुछ न कुछ मुद्दों को लेकर आवाज उठाया करती थी फेडरेशन के पहले अध्यक्ष राय साहब की आवाज को ब्रिटिश हुकूमत दबा दिया करती थी इसके परिणाम स्वरूप ही एआईआरएफ ने अपने गठन के साथ ही बिखरी हुई सभी यूनियन को एक मंच पर लाने का काम शुरू किया इतना ही नहीं उस समय यूनियन के महासचिव रहे कामरेड मुकुंद लाल सरकार पर

सैकड़ों मुकदमें तक दर्ज किये गए उनका उत्पीड़न भी हुआ हालत ये हो गई कि कामरेड मुकुंद लाल का ज्यादातर जीवन जेल में ही बीता` सन- 1960 में केवल 5 रू महगाई भत्ते की मांग को लेकर रेल हड़ताल हुई इस हड़ताल में 12 जुलाई को दमनकारी गुजरात पुलिस ने दाहोद के पांच कामरेड साथियों पर गोलियां चलाई जिसमें वे शहीद हो गये एआईआरएफ ने इन शहीदों की याद में दाहोद पर शहीद भवन का निर्माण किया गया है जहाँ प्रतिवर्ष 12 जुलाई को शहीद दिवस के रूप में मनाया जाता है` 1968 की हड़ताल केन्द्र सरकार ने द्वितीय केन्द्रीय वेतन आयोग द्वारा अनुशंसित डी०ए०फामूर्ले को स्वीकार करने से इनकार करने के बाद शुरू हुई थी और ए०आई०आर०एफ० की अगुवाई में रेलवे कर्मचारी हड़ताल को सफल बनाने के लिए हुई थी` इस दौरान तत्कालीन सरकार ने जिस बर्बरता के साथ आंदोलन को कुचलने का प्रयास किया यह वाकई शर्मनाक है इन आंदोलन कारियों पर पुलिस ने बिना कोई चेतावनी दिए अचानक गोलीबारी शुरू कर दी जिसमें बहादुर कामरेड शहीद हो गये इसके बाद भी कर्मचारी पीछे नहीं हटे और अपनी मागे पूरी होने तक पूरे हौसले और एकजुटता के साथ डटे रहे` वैसे तो हम सभी भारतीय रेल के कर्मचारियों के लिए 8 मई 1974 का दिन गर्व का दिन है आज रेलकर्मी हर साल बोनस हासिल करते हैं लेकिन ज्यादातर कर्मचारियों को ये पता ही नहीं है कि आखिर इस बोनस के लिए कितना संघर्ष हुआ और कितने लोगों ने शहादत दी और मजदूर मसीहा स्व० जार्ज फनार्डीज का इसमें कितनी अहम भूमिका रही` बोनस के लिए 08 मई 1974 के दिन को हमेशा याद रखा जाएगा अब इस ऐतिहासिक हडताल को लगभग 49 साल बीत चुके हैं इस दौरान लगभग सभी हड़ताली कर्मचारी सेवानिवृत्त हो चुके हैं इसलिए जरूरी है कि इतिहास के पन्नों को पलटा जाए और अपने नेताओं के संघर्ष को याद किया जाए` आज हालात बदल चुके हैं वजह साफ है क्यूंकि हमारी अगुवाई ऑल इण्डिया रेलवे मेन्स फेडरेशन जैसे मजबूत लीडरशिप के हाथों में है 1974 में भारतीय रेल में लगभग 20 लाख कर्मचारी कार्यरत थे जबकि ट्रेनों की संख्या काफी कम थी आज मात्र 12.50 लाख कर्मचारी है और 22 हजार ट्रेनों के जरिए रोजाना ढाई करोड़ लोगों को देश के एक कोने से दूसरे कोने तक पहुंचाने का काम कर रहे है` रेल कर्मचारी चुनौती के समय और दोगुने उत्साह से काम करते है कोरोना के दौरान 10 लाख से ज्यादा रेलकर्मी रोजाना काम पर रहे उन्होंने कोशिश की किसी राज्य में ऑक्सीजन की कमी न हो जाए फल सब्जी की आपूर्ति का भी बनाए रखा` जब राज्य सरकारों ने प्रवासी मजदूरों को सड़क पर मरने के लिए छोड़ दिया तो रेलकर्मियों स्पेशल ट्रेन चलाकर उन्हें पर पहुंचाया` कामरेड सिंह ने बताया कि शताब्दी वर्ष में ओल्ड पेंशन स्कीम बहाली व रेलो के निजीकरण की लड़ाई को प्रमुखता से लड़ा जायेगा उन्होंने एआई०आर०एफ० के शताब्दी समारोह के उद्घाटन अवसर पर सभी यूनियन कार्यकताओं व उनके परिजनों को विशेष रूप से बधाई दिया व आशा व्यक्त किया कि ए०आई०आर०एफ० व इससे सम्बद्ध यूनियनों के गौरवशाली इतिहास को वें और सुन्दर बनाने में अपनी भूमिका अदा करेंगे।

पाक कला आपके घर को प्रदूषित करती है

बेहतर वेंटिलेशन हो सकता है मददगार

लंदन (द कन्वरसेशन)। हम में से अधिकांश हमारे जीवन का दो-तिहाई से अधिक समय घर पर बिताते हैं। लेकिन घर के अंदर भी, बहुत से लोग वायु प्रदूषण के खतरनाक स्तर के संपर्क में रहते हैं और इस प्रदूषण का अधिकांश हिस्सा खाना पकाने की वजह से होता है। खाना पकाने के दौरान खाने के जलने, तलने या दम में पकाए जाने के दौरान बहुत छोटे कण जिन्हें पर्टिकुलेट मैटर (पीएम 2.5) कहा जाता है, पैदा हो सकते हैं। यहां तक कि भोजन के अवशेष जो ओवन में या हॉब पर जमा होते हैं, जलने पर महीन कण उत्पन्न करते हैं। शोध से पता चलता है कि अगर आप भारत की प्रदूषित राजधानी नई दिल्ली से गुजरते हैं तो रोस्ट करके डिनर तैयार करने के मुकाबले आप लगभग तीन गुना अधिक पार्टिकुलेट मैटर के संपर्क में आ सकते हैं। जब साँस ली जाती है, तो ये कण हृदय और फेफड़ों को प्रभावित कर सकते हैं, अस्थमा के लक्षणों को बिगाड़ सकते हैं और फेफड़ों के कार्य को कम करने और वायुमार्ग की जलन में योगदान कर सकते हैं, और इससे दिल का दौरा पड़ने का खतरा बढ़ सकता है। 2019 में, दुनिया भर में लगभग 23 लाख मौतें लंबे समय तक घरेलू वायु प्रदूषण के संपर्क में रहने के कारण हुईं।

हमारे घरों को वेंटिलेट करना:

रेट्रोफिटिंग के हिस्से के रूप में, घरों में अक्सर मैकेनिकल वेंटिलेशन सिस्टम लगाए जाते हैं। यह किचन में कुकर हुड या बाथरूम में एग्जॉस्ट फैन जितना आसान हो सकता है। लेकिन इसके बजाय कुछ घरों को एक फुल सर्विस हीटिंग, वेंटिलेशन और एयर कंडीशनिंग सिस्टम से लैस किया जाएगा जो इसे ठंडा या गर्म करने से पहले बाहरी हवा को अंदर सोख लेता है और साफ करता है। एक कुकर हुड छतरीनुमा होता है जो खाना पकाने के क्षेत्र को एक अंतर्निर्मित पंखे के साथ कवर करता है। यह हवा को बाहर निकालने से पहले फिल्टर की एक श्रृंखला के माध्यम से उसे सोख लेता है। खाना पकाने के दौरान कणों के संपर्क में आने को कम करने के लिए अपने कुकर हुड का उपयोग करना सबसे प्रभावी तरीकों में से एक है।

जोखिम बने हुए हैं: पिछले साल, हमने 14 आयरिश घरों का सर्वेक्षण किया था जिन्हें कम से कम 12 महीने पहलेगाया गया था। हमने पाया कि उचित नियमों को पूरा करने वाले कुकर हुड को सही तरीके से इस्तेमाल नहीं किया जाता है।हमने यह भी पाया कि सर्वेक्षण में शामिल आधे लोग यह नहीं समझ पाए कि अपने वेंटिलेशन सिस्टम का सही तरीके से उपयोग कैसे किया जाए। उन्होंने कहा कि इसका मुख्य कारण एक खराब हैंडओवर प्रक्रिया थी, जिसमें इन प्रणालियों को कैसे संचालित किया जाए, इसकी पर्याप्त जानकारी नहीं दी गई थी। ज्यादातर घर के मालिक इनडोर पार्टिकुलेट मैटर के संपर्क में आने के स्रोतों और इससे होने वाले स्वास्थ्य जोखिमों के साथ ही इस बात से भी अनजान थे कि यह खाना पकाने से कैसे संबंधित है। यह लंबे समय से चली आ रही चिंता है कि घरों में रहने वालों को इनडोर वायु प्रदूषण के जोखिमों के बारे में बेहतर जानकारी दी जाए।घर पर खाना पकाने से हम हानिकारक वायु प्रदूषकों के संपर्क में आ सकते हैं। ऊर्जा कुशल घरों में, लोगों को इस तरह के जोखिम से बचने के लिए अपने मैकेनिकल वेंटिलेशन सिस्टम का सर्वोत्तम उपयोग करने के बारे में सूचित करने की आवश्यकता है।

खाना पकाने के दौरान कणों के संपर्क में आने को कम करने के लिए अपने कुकर हुड का उपयोग करना सबसे प्रभावी तरीकों में से एक है। शोध से पता चलता है कि बिना हवा निकालने की तुलना में हुड के साथ खाना पकाने पर आप लगभग 90s कम पीएम2.5 के संपर्क में आते हैं।

ऑस्टियोआर्थराइटिस

नई कोशिका थेरेपी विकसित

नई दिल्ली (भाषा)। वैज्ञानिकों ने ऑस्टियोआर्थराइटिस के उपचार के लिए एक इंजेक्शन से दी जाने वाली नयी कोशिका थेरेपी विकसित की है जो उनके मुताबिक सूजन कम करती है और उपास्थियों (कार्टिलेज) को फिर से विकसित करती है। ऑस्टियोआर्थराइटिस से दुनियाभर में 52 करोड़ से अधिक लोग प्रभावित होते हैं जिन्हें दर्द और सूजन का सामना करना पड़ता है। जोड़ों में किसी चोट की वजह से उपास्थि के चोटिल होने के कारण यह समस्या पैदा होती है जिसे प्राकृतिक तरीके से सुधारा नहीं जा सकता।

उपचार के लिए इंजेक्शन से दी जाएगी यह थेरेपी

अमेरिका स्थित वेक फॉरेस्ट इंस्टीट्यूट फॉर रिजेनरेटिव मेडिसिन (डब्ल्यूएफआइआरएम) की प्रमुख लेखक जोहन्ना बोलांडर ने कहा, 'हमने देखा कि ऑस्टियोआर्थराइटिस में जोड़ों में क्या समस्या होती है, हमने इसकी तुलना सामान्य स्थिति से की और एक इम्युनोथैरेपी सेल उपचार पद्धति विकसित करने के लिए इस सूचना का उपयोग किया।' ऑस्टियोआर्थराइटिस जोड़ों से जुड़ी बीमारी है। जोड़ में एक श्लेष झिल्ली होती है। यह एक संयोजी ऊतक होता है जो जोड़ की आंतरिक सतह को विभाजित करता है। झिल्ली जोड़ की रक्षा का काम करती है और एक स्वस्थ वातावरण बनाए रखने और घर्षण मुक्त गतिविधि प्रदान करने के लिए जरूरी कोशिका तत्वों से भरे एक स्नेहक द्रव को अलग रखती है। सह-अध्ययनकर्ता गैरी पोलिंग ने कहा कि चोट लगने पर श्लेष झिल्ली में सूजन आ जाती है और उपास्थि को नुकसान होता है। उन्होंने कहा, 'समय के साथ सूजन बढ़ जाती है और जोड़ की हड्डियों की परत के रूप में काम करने वाली उपास्थि क्षतिग्रस्त हो जाती है तथा आसपास के ऊतकों में सूजन बढ़ जाती है। रोगियों को इस स्थिति में बहुत दर्द होता है, सूजन होती है और कई बार दैनिक गतिविधियां अवरुद्ध हो जाती हैं।' 'साइंस एडवांसेस' पत्रिका में प्रकाशित अध्ययन में इस बात का विश्लेषण करने का प्रयास किया गया कि ऑस्टियोआर्थराइटिस में जोड़ में ऐसा क्या हो रहा है जो सुधार प्रक्रिया को रोकता है।

मनोरंजन की दुनिया में अपने दम पर जगह बनाऊंगी

पलक तिवारी

मुंबई (भाषा)। लोकप्रिय टीवी अभिनेत्री श्वेता तिवारी की बेटी एवं नवागंतुक कलाकार पलक तिवारी का कहना है कि एक कलाकार की बेटी होने के नाते उन्हें मिलने वाले विशेषाधिकार का उन्हें एहसास हैं, लेकिन वह मनोरंजन की दुनिया में अपने दम पर जगह बनाने की कोशिश करेंगी। पलक तिवारी फिल्म 'किसी का भाई किसी की जान' से हिंदी सिनेमा जगत में अपने करियर की शुरुआत कर रही हैं। सलमान खान अभिनीत यह फिल्म ईद के मौके पर शुक्रवार को बड़े पर्दे पर रिलीज हुई।

पलक (22) ने कहा, ' मैं न तो 'स्टार किड' हूं और न आम इंसान। मुझे बस इतना फायदा मिला है कि लोग मुझे आसानी से पहचान लेते हैं। इसका मतलब यह नहीं है कि इसकी (मां के अभिनेत्री होने की) वजह से मुझे काफी काम मिलने लगा हो। हालांकि मैं फिर भी खुद को खुशकिस्मत समझती हूं।' उन्होंने कहा, ' यह मेरे लिए नया है.. लोग मुझे इससे पहले भी पहचानते थे लेकिन मेरी मां की उपलब्धियों की वजह से।' इससे पहले पलक अरबाज खान की फिल्म 'रोज़ी: द सैफ्रॉन चैप्टर' से अपने करियर की शुरुआत करने वाली थीं, लेकिन उस फिल्म पर काम शुरू नहीं हो पाया। पलक ने कहा, ' जो होता है अच्छे के लिए होता है। 'रोज़ी' पर बात नहीं बन पाई लेकिन उसके बाद मुझे बहुत बड़े कलाकार (सलमान) के साथ काम करने का मौका मिला। मुझे नहीं लगता है कि इससे बेहतर शुरुआत कोई हो सकती थी।' फिल्म 'किसी का भाई किसी की जान' मिलने पर उनकी मां श्वेता तिवारी की प्रतिक्रिया के बारे में पूछे जाने पर पलक ने कहा, ' उन्होंने अभी तक कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। वह शायद फिल्म आने के बाद या शायद तीन या चार फिल्में आने के बाद तारीफ करें।' फिल्म 'किसी का भाई किसी की जान' का निर्माण 'सलमान खान फिल्म्स' (एसकेएफ) के बैनर तले किया गया है।

सलमान खान ने क्लिक करवाई फोटो

मुंबई (आईएएनएस)। ईद के मौके पर मोहनीश बहल की बेटी प्रनूतन और भाग्यश्री की बेटी अवंतिका दासानी की सुपरस्टार सलमान खान के साथ फोटो वायरल हो रही है। इस फोटो को प्रनूतन ने अपनी सोशल मीडिया अकाउंट पर शेयर किया और कैप्शन में मैंने प्यार किया इन द मल्टीवर्स लिखा। दरअसल, भाग्यश्री और मोहनीश बहल की बेटियां आयुष शर्मा और अर्पिता खान द्वारा आयोजित ईद पार्टी में शामिल हुई थीं। प्रनूतन ने इंस्टाग्राम पर सलमान और अवंतिका के साथ कई तस्वीरें शेयर कीं।

पहली तस्वीर में, सलमान, प्रनूतन और अवंतिका मुस्कुराते हुए कैमरे के सामने पोज दे रहे हैं। दूसरी तस्वीर में प्रनूतन और अवंतिका खुश नजर आ रही हैं और दोनों बातचीत कर रही है। प्रनूतन ने कैप्शन में लिखा है: मैंने प्यार किया मल्टीवर्स में, प्रेम, जीवन की बेटी और सुमन की बेटी के साथ। अवंतिका ने कमेंट किया, यह बहुत प्यारा है। सूरज बड़जात्या द्वारा निर्देशित मैंने प्यार किया 1989 में रिलीज हुई थी। इसमें आलोक नाथ और रीमा लागू भी मुख्य कलाकारों में शामिल थे। वर्कफ्रंट की बात करें तो सलमान की हाल में फिल्म किसी का भाई किसी की जान रिलीज हुई है।

बिग बी

को हुआ ट्विटर पर बड़ा नुकसान, बोले- खेल खत्म, पैसा हजम

मुंबई (आईएएनएस)। मेगास्टार अमिताभ बच्चन ने कुछ ट्विटर अकाउंट्स के फ्री में बहाल होने के वेरिफाई टिक मार्क पर प्रतिक्रिया दी। दरअसल, खबर है कि माइक्रो-ब्लॉगिंग वेबसाइट ने प्लेटफॉर्म पर, जिन ट्विटर यूजर्स के हैंडल पर 10 लाख फॉलोअर्स हैं, उनके ब्लू टिक फ्री में लौटा दिए है। बिग बी के 48.4 मिलियन फॉलोअर्स है, बावजूद इसके उन्होंने भुगतान कर ब्लू टिक खरीदा है।

इस पर अमिताभ ने ट्वीट किया, अरे मारे गए गुलफाम, बिरज में मारे गए गुलफाम... ऐ! ट्विटर मौसी, चाची, बहनी, ताई, बुआ .. झौआ भर के त नाम हैं तुम्हार। उन्होंने कहा, पैसे भरवा लियो हमार, नील कमल खातिर, अब कहत हो जेकर 1 मिलियन फॉलोवर उनकर नील कमल फ्री मा.. हमार तो 48.4 मिलियन हैं, अब? खेल खत्म, पैसा हजम!

पिछले हफ्ते माइक्रो-ब्लॉगिंग वेबसाइट ने कई हस्तियों के अकाउंट से ब्लू टिक हटा दिए थे। ब्लू टिक हटते हुए अमिताभ बच्चन ने भुगतान कर ब्लू टिक मार्क खरीदा, लेकिन देरी से मिलने पर उन्होंने एक ट्वीट किया था और जह इसे बहाल किया गया, तो उन्होंने ट्विटर को धन्यवाद दिया और मजाक में एलन मस्क के लिए एक गाना भी लिखा था। बता दें कि ट्विटर ब्लू सब्सक्रिप्शन के लिए यूजर को 650 रुपये प्रति माह मासिक शुल्क देना होगा, वहीं एक साल के लिए सब्सक्रिप्शन के लिए 6,800 रुपये का प्लान भी हैं। वहीं, एंड्रॉयड और आईओएस यूजर्स के लिए 900 रुपये प्रति माह और एक साल के लिए 9,400 रुपये का प्लान उपलब्ध है।

अमिताभ ने ट्वीट किया, अरे मारे गए गुलफाम, बिरज में मारे गए गुलफाम... ऐ! ट्विटर मौसी, चाची, बहनी, ताई, बुआ .. झौआ भर के त नाम हैं तुम्हार।

मुंबई (भाषा)। अभिनेत्री एवं रिएलटी टीवी की कलाकार शहनाज गिल का कहना है कि रिएलटी शो 'बिग बॉस' के बाद उन्होंने मनोरंजन जगत में अपना सर्वश्रेष्ठ देने की कोशिश की। शहनाज गिल फिल्म 'किसी का भाई किसी की जान' से हिंदी फिल्म जगत में अपने करियर की शुरुआत कर रही हैं। सलमान खान अभिनीत यह फिल्म गत शुक्रवार बड़े पर्दे पर रिलीज हुई। सलमान रिएलटी शो 'बिग बॉस' की मेजबानी करते हैं, जिसके 13वें सीजन में शहनाज ने हिस्सा लिया था। शहनाज इससे पहले पंजाबी फिल्म 'काला शाह काला' और 'हौसला रख' में नजर आ चुकी हैं।

अदाकारा ने कहा कि 'बिग बॉस13' में उन्हें उनकी कद-काठी के लिए दिए गए तानों ने उन्हें अपने ऊपर काम करने के लिए प्रेरित किया। शहनाज गिल ने 'पीटीआई-भाषा' को दिए साक्षात्कार में कहा, 'मैंने खुद को बदला, खुद पर काम किया। जब लोगों ने मुझे अच्छी सलाह दी, मैंने उस पर गौर किया और खुद को बेहतर बनाया। मैंने वजन कम किया क्योंकि 'बिग बॉस' में मुझे मोटापे को लेकर काफी ताने दिए जाते थे... इसके बाद मैंने अपना रहन-सहन (स्टाइल) बदला क्योंकि लोगों को लगता था कि मैं सिर्फ सलवार-कमीज ही पहन सकती हूं। मैंने मेरे बारे में कायम सभी धारणाएं तोड़ी और ऐसा करती रखूंगी ताकि आगे बढती रहूं।' शहनाज ने कहा कि सलमान खान ने 'बिग बॉस' के समय से ही उनका काफी साथ दिया।

उन्होंने कहा, ' सर (सलमान) हमेशा मुझे कहते थे कि 'तुम कर सकती हो, तुम में क्षमता है, खुद पर काम करो' । उन्होंने हमेशा मुझे सहज महसूस कराया। मैं खुशकिस्मत हूं कि मुझे उनके साथ काम करने का मौका मिला।' फरहाद सामजी के निर्देशन में बनी फिल्म 'किसी का भाई किसी की जान' का निर्माण 'सलमान खान फिल्म्स' (एसकेएफ) के बैनर तले किया गया है।

धारणाएं तोड़ीं खुद को बेहतर बनाया

शहनाज

कृष और प्रेरणा की शादी में परफॉर्म करेंगी फाल्गुनी पाठक

मुंबई (आईएएनएस)। चूड़ी जो खनके हाथों में, मैंने पायल है छनकायी, मेरी चुनर उड़ उड़ जाए, आयी परदेश से परियों की रानी और सावन में जैसे गानों के लिए पहचान रखने वाली लोकप्रिय गायिका फाल्गुनी पाठक फैमिली ड्रामा पांड्या स्टोर में शादी के सीक्वेंस में नजर आएंगी। एक्टर मोहित परमार, जो कृष पांड्या की भूमिका निभा रहे हैं, ने अपकमिंग एपिसोड के बारे में बात की और फाल्गुनी के परफॉर्मेंस को लेकर अपनी एक्साइडमेंट के बारे में बताया। शो में पूरा पांड्या परिवार कृष (मोहित परमार) और प्रेरणा (मायरा धरती मेहता) की शादी की तैयारियों में लगा हुआ है। मेहंदी और म्यूजिक सेरेमनी हो रही है। इस सेरेमनी के दौरान फाल्गुनी अपने फेमस गानों पर परफॉर्म करती नजर आएंगी और पूरे एपिसोड को और मनोरंजक बनाएगी।

पूरे सीक्वेंस के बारे में बात करते हुए मोहित ने कहा, मैं अपनी स्पेशल गेस्ट फाल्गुनी पाठक को लेकर बहुत उत्साहित हूं, जो पांड्या स्टोर के सेट की शोभा बढ़ाएंगी और कृष और प्रेरणा के वेडिंग सेरेमनी में परफॉर्म करेंगी। मैं फाल्गुनी पाठक के गाने सुनता रहा हूं और यह एक संयोग है कि वह शो का हिस्सा होंगी।उन्होंने कहा कि यह उनके लिए एक स्पेशल मोमेंट होने जा रहा है: यह मेरे लिए एक फैन मोमेंट है, मैं उनके गाने सुनकर बड़ा हुआ हूं और पुरानी यादों को महसूस करता हूं। हम सभी उनसे मिलने और उनके साथ डांस करने को लेकर उत्साहित हैं।

संक्षिप्त खबरें

ईंधन संरक्षण पर पेट्रोलियम मंत्रालय का विशेष अभियान

नई दिल्ली। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय के तत्वावधान में राज्य स्तरीय समन्वयक दिल्ली, हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लि., पेट्रोलियम संरक्षण अनुसंधान संघ (पीसीआरए), इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लि. और अन्य सार्वजनिक तेल और गैस उपक्रमों (पीएसयू) ने 24 अप्रैल से 8 मई की अवधि के लिए सक्षम नामक अभियान शुरू किया है। ऊर्जा संरक्षण-नेट जीरो की ओर थीम पर केंद्रित इस अभियान का मकसद भावी पीढ़ियों के लिए तेल और गैस के संरक्षण के साथ-साथ लोगों के स्वास्थ्य और पर्यावरण की सुरक्षा के दोहरे उद्देश्य से पेट्रोलियम उत्पादों के संरक्षण और सावधानीपूर्वक उपयोग पर जोर देना है। अभियान की शुरुआत पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस राज्य मंत्री रामेश्वर तेली ने इंडिया हैबिटेट सेंटर, नई दिल्ली में किया।

वेदांता रिसोर्सेज ने कर्ज का बोझ घटाया

नई दिल्ली। वेदांता रिसोर्सेज लिमिटेड ने अपने कुल कर्ज में एक अरब डॉलर की कटौती करने के लिए अपने सभी परिपक्व हो रहे कर्ज और बॉन्ड का भुगतान कर दिया है। वेदांता लिमिटेड की मूल कंपनी वेदांता रिसोर्सेज लिमिटेड ने सोमवार को यह जानकारी दी। फरवरी, 2022 में कर्ज चुकाने में तेजी लाने की घोषणा के बाद से कंपनी अपने कर्ज में तीन अरब डॉलर की कमी ला चुकी है। कंपनी की योजना तीन साल में चार अरब डॉलर का कर्ज कम करने की है। कंपनी ने बयान में कहा, "वेदांता ने अपने लक्ष्य का 75 प्रतिशत सिर्फ 14 माह में पूरा कर लिया है।" कंपनी का कुल कर्ज फिलह्वाल 6.8 अरब डॉलर है, जो मार्च, 2023 में 7.8 अरब डॉलर और मार्च, 2022 के अंत में 9.7 अरब डॉलर था।

डीपीआईआईटी के सचिव बने राजेश कुमार सिंह

नई दिल्ली। भारतीय प्रशासनिक सेवा के वरिष्ठ अधिकारी राजेश कुमार सिंह ने सोमवार को उद्योग संवर्द्धन एवं आंतरिक व्यापार विभाग (डीपीआईआईटी) के सचिव का पदभार संभाल लिया। सिंह ने अनुराग जैन का स्थान लिया है। डीपीआईआईटी से पहले सिंह पशुपालन एवं डेयरी विभाग में सचिव के पद पर कार्यरत थे। वह केरल कैडर के 1989 बैच के आईएएस अधिकारी हैं। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने सिंह के डीपीआईआईटी के सचिव का पद संभालने की सूचना देते हुए कहा कि वह इसके पहले कई महत्वपूर्ण पदों पर कार्य कर चुके हैं। सिंह ऐसे समय में डीपीआईआईटी की प्रशासनिक जिम्मेदारी संभाल रहे हैं जब वाणिज्य मंत्रालय घरेलू विनिर्माण को बढावा देने के साथ विदेशी निवेश आकर्षित करने की पुरजोर कोशिश में लगा हुआ है।

होंडा इंडिया पावर के नये अध्यक्ष बने शिजेकी इवामा

नई दिल्ली। ह्वेंडा मोटर की अनुषंगी इकाई ह्वेंडा इंडिया पावर प्रोडक्ट्स (एचआईपीपी) लिमिटेड ने शिजेकी इवामा को अपना अध्यक्ष नियुक्त करने की सोमवार को घोषणा की। एचआईपीपी ने बयान में कहा कि इवामा, ताकाहिरो उएदा की जगह लेंगे। इससे पहले वह, 2020 से 2023 तक ह्वेंडा मोटर यूरोप की मध्य यूरोप शाखा (ऑस्ट्रिया) में अध्यक्ष थे। बयान में कहा गया है कि उनकी नियुक्ति एक अप्रैल, 2023 से प्रभावी है। वह ह्वेंडा मोटर के साथ करीब 20 वर्षों से जुड़े हुए हैं। इवामा, पहले ह्वेंडा मोटर जापान में विभाग प्रबंधक और ह्वेंडा दक्षिण अमेरिका में बिजली उत्पाद विभाग की महाप्रबंधक रह चुके हैं।

पिज़्ज़ा हट ने पेश किए 10 नए पिज़्ज़ा

नई दिल्ली। भारत में सबसे ज्यादा पसंद किए जाने वाले भरोसेमंद पिज़्ज़ा ब्रांड पिज़्ज़ा हट अब 10 नए पिज़्ज़ा लेकर आया है जो आपके हर बदलते मूड के साथ मेल खाएंगे। अपनी इस नई पेशकश से आपको परिचित कराने के लिए पिज़्ज़ा हट ने बॉलीवुड के सितारों सैफ़ अली ख़ान और शहनाज़ गिल को अपने साथ जोड़ा है। पिज़्ज़ा हट की कैम्पेन है 'मूड बदले, पिज़्ज़ा बदले' यह कैम्पेन इस बात पर फोकस करता है कि किस प्रकार हमारा मूड बदलता रहता है और उसके साथ ही हमें जिस तरह की चीजें खाने की तलब लगती है वह भी बदलती रहती है। ब्रांड की यह नई रेंज पूरे भारत में 800 पिज़्ज़ा हट स्टोर्स पर उपलब्ध रहेगी जिनमें डाइन-इन, डिलिवरी और टेकअवे सभी शामिल रहेंगे। रु. 299 में दो पर्सनल पिज़्ज़ा से इस रेंज को लांच किया गया है। पिज़्ज़ा हट की नई रेंज में 10 आकर्षक और खास फ्लेवर शामिल है।

सेंसेक्स फिर 60,000 के पार

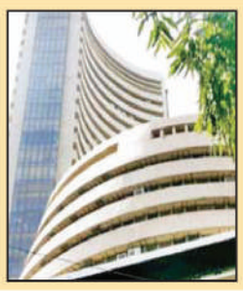

- सोमवार को सेंसेक्स 401 व निफ्टी 119 अंक उछला
- घरेलू बाजार की कुछ दिग्गज कंपनियों के बढ़िया नतीजों से बाजार में रही रौनक
- एशिया के अन्य बाजारों में मिला-जुला रुख देखने को मिला

■ मुंबई (भाषा)।

प्रमुख कंपनियों के तिमाही नतीजे अच्छे रहने और कच्चे तेल की कीमतों में नरमी आने से निवेशकों की धारणा सुधरने का असर सोमवार को स्थानीय शेयर बाजार में तेजी के रूप में दिखा और सेंसेक्स 401 अंक उछलकर फिर 60,000 अंक के स्तर को पार कर गया। उतार-चढाव से भरे कारोबार के अंत में बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 401.04 अंक यानी 0.67 प्रतिशत की बढत के साथ 60,056.10 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान सेंसेक्स 60,101.64 के ऊंचे स्तर और 59,620.11 अंक के निचले स्तर तक भी गया।

नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 119.35 अंक यानी 0.68 प्रतिशत की तेजी के साथ 17,743.40 अंक पर पहुंच गया। सेंसेक्स में शामिल कंपनियों में से विप्रो, एक्सिस बैंक, टाइटन, अल्ट्राटेक सीमेंट, एचडीएफसी बैंक, एचडीएफसी, एचसीएल टेक और रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयर बढ़त के साथ बंद हुए।

मार्च तिमाही में 19,299 करोड़ रुपये का रिकॉर्ड मुनाफा दर्ज करने वाली रिलायंस के शेयर 0.35 प्रतिशत चढे।

दूसरी तरफ, बजाज फाइनेंस, इन्फोसिस, महिंद्रा एंड महिंद्रा और मारुति सुजुकी के शेयरों में गिरावट देखने को मिली। जानकारों के मुताबिक, कमजोर वैश्विक संकेतों से कारोबारी सतर्कता बरत रहे थे लेकिन घरेलू बाजार की कुछ दिग्गज कंपनियों के बढ़िया नतीजों से उनकी कारोबारी धारणा में सुधार देखा गया।

जियोजीत फाइनेंशियल सर्विसेज के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, "कारोबार के दौरान कमजोर वैश्विक संकेतों ने कुछ चिंताएं बढ़ाई लेकिन बैंकिंग क्षेत्र ने इस तेजी को हवा देने का काम किया।" एशिया के अन्य बाजारों में मिला-जुला रुख देखने को मिला। जापान का निक्की बढ़त के साथ बंद हुआ, जबकि चीन के शंघाई कम्पोजिट और हांगकांग के हैंगसेंग में गिरावट रही। यूरोपीय बाजार भी दोपहर के सत्र में गिरावट के साथ कारोबार कर रहे थे। पिछले सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन शुक्रवार को अमेरिकी बाजारों में मिला-जुला रुख देखा गया था। इस बीच, अंतरराष्ट्रीय तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0.21 प्रतिशत की गिरावट के साथ 81.49 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया। विदेशी संस्थागत निवेशकों का बिकवाली का रुख जारी रहा। उपलब्ध आंकड़ों के मुताबिक, विदेशी निवेशकों ने शुक्रवार को 2,116.76 करोड़ रुपये के शेयर बेचे।

ऋण वृद्धि 2023-24 में घटकर 10 प्रतिशत तक रहने का अनुमान

मुंबई (भाषा)। देश में कर्ज वृद्धि की रफ्तार कम हो रही है और गैर-खाद्य ऋण वृद्धि 2023-24 में घटकर 10 प्रतिशत तक रह सकती है। जापानी ब्रोकरेज फर्म नोमुरा ने सोमवार को यह अनुमान जताया। पिछले वित्त वर्ष में यह आंकड़ा 15 प्रतिशत से अधिक था। नोमुरा ने कहा कि मुख्य रूप से मुद्रास्फीतिक दबाव में कमी और सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर 5.3 प्रतिशत तक घटने के कारण बैंक ऋण वृद्धि में कमी का अनुमान है। ब्रोकरेज फर्म के विश्लेषकों ने एक रिपोर्ट में कहा, "हमारा अनुमान है कि ऋण वृद्धि वित्त वर्ष 2022-23 के 15 प्रतिशत से घटकर 2023-24 में 10 प्रतिशत रह जाएगी।"

उन्होंने यह भी कहा कि मौद्रिक सख्ती के मौजूदा दौर में अगर रिजर्व बैंक दरों में 2.50 प्रतिशत से अधिक बढोतरी करता है, तो ऋण वृद्धि पर प्रभाव पड़ेगा। ऐसे में खासतौर से आवास ऋण घट सकता है। ब्रोकरेज फर्म ने कहा कि ऋण वृद्धि पहले ही फरवरी में 16 प्रतिशत और जनवरी में 16.7 प्रतिशत की तुलना में मार्च में घटकर 15.4 प्रतिशत रह गई है।

बैंक ऑफ महाराष्ट्र को 840 करोड़ का शुद्ध लाभ

■ नई दिल्ली (भाषा)।

सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक ऑफ महाराष्ट्र (बीओएम) का शुद्ध लाभ 31 मार्च को समाप्त बीते वित्त वर्ष 2022-23 की चौथी तिमाही में दोगुना से अधिक होकर 840 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। फंसे कर्ज में कमी और ब्याज आय में बढ़ोतरी से बैंक का मुनाफा बढ़ा है। बीओएम ने सोमवार को शेयर बाजारों को भेजी सूचना में यह जानकारी दी। इससे पिछले वित्त वर्ष यानी 2021-22 की मार्च तिमाही में बैंक ने 355 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ कमाया था।

बैंक की कुल आय भी आलोच्य तिमाही में 3,949 करोड़ रुपये से बढ़कर 5,317 करोड़ रुपये हो गई। इस दौरान उसकी ब्याज आय भी बढ़कर 4,495 करोड़ रुपये रही। एक साल पहले की इसी अवधि में यह 3,426 करोड़ रुपये थी। बैंक की सकल गैर-निष्पादित परिसंपत्तियां (एनपीए) 31 मार्च, 2023 तक घटकर कुल ऋण का 2.47 प्रतिशत रहीं। 31 मार्च, 2022 तक यह 3.94 प्रतिशत पर थीं। इस दौरान बैंक का शुद्ध एनपीए भी 0.97 प्रतिशत से घटकर 0.25 प्रतिशत रह गया।

बैंक ऑफ महाराष्ट्र के प्रबंध निदेशक ए एस राजीव ने संवाददाताओं से कहा कि भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के न्यूनतम सार्वजनिक शेयरधारिता (एमपीएस) मानदंडों को पूरा करने के लिए चालू वित्त वर्ष (2023-24) की अप्रैल-जून तिमाही के दौरान बैंक की शेयर बिक्री के जरिये 1,000 करोड़ रुपये जुटाने की योजना है। उन्होंने कहा कि बाजार की स्थिति के आधार पर अनुवर्ती सार्वजनिक निर्गम (एफपीओ) या पात्र संस्थागत नियोजन (क्यूआईपी) से 1,000 करोड़ रुपये और जुटाए जाएंगे। बैंक पिछली तिमाही (जनवरी-मार्च) में ही 1,000 करोड़ रुपये की शेयर बिक्री योजना के साथ तैयार था लेकिन बाजार में अनिश्चितता के वह इसे अमलीजामा नहीं पहना सका। उन्होंने कहा कि हिस्सेदारी बिक्री के बाद बैंक में सरकार की हिस्सेदारी घटकर 83-84 प्रतिशत रह जाएगी।

विदेशी मुद्राओं से जुड़े घरेलू सौदे आरबीआई के जरिये हों

■ नई दिल्ली (भाषा)।

- सलाहकारों और सेवा प्रदाताओं ने कहा ' अमेरिकी बैंकिंग प्रणाली के जरिये होने वाले लेनदेन से देश को पूंजी का काफी नुकसान हो रहा है और अमेरिका को फायदा'

देश में सलाहकारों और सेवा प्रदाताओं ने सरकार से आग्रह किया है कि विदेशी मुद्रा के घरेलू सौदों को अमेरिकी बैंकिंग प्रणाली के रास्ते होने की मौजूदा व्यवस्था को रोका जाए। उन्होंने सोमवार को एक बयान में कहा कि इससे लेनदेन शुल्क और विदेशी मुद्रा की बचत होगी। उन्होंने आगे कहा कि अमेरिकी डॉलर जैसी विदेशी मुद्राओं से जुड़े ऐसे घरेलू सौदे भारतीय रिजर्व बैंक (आरबआई) के माध्यम से होने चाहिए।

इस समय देश में अमेरिकी डॉलर के लेनदेन पर शुल्क लगाया जाता है। मौजूदा व्यवस्था के तहत, यदि दिल्ली से फरीदाबाद की किसी इकाई को अमेरिकी डॉलर में भुगतान करना हो, तो ऐसा अमेरिकी वित्तीय प्रणाली के जरिये करना होगा। परामर्शदाता इंजीनियरों के अंतरराष्ट्रीय संगठन एफआईडीआईसी के दूत (एशिया-प्रशांत) के. के. कपिला ने बयान में कहा, "ऐसे सीधे केंद्रीय बैंक के माध्यम से किया जाना चाहिए। उन्हें अमेरिकी बैंकिंग प्रणाली के जरिये लेनदेन करना जरूरी नहीं होना चाहिए।

उन्होंने कहा, "अमेरिकी बैंकिंग प्रणाली के जरिये होने वाले लेनदेन से देश को पूंजी का काफी नुकसान हो रहा है, जिसका लाभ अमेरिका को मिल रहा है। कपिला ने बताया कि घरेलू मुद्रा को संरक्षित करने के लिए फिलीपींस जैसा छोटा देश भी अपने आंतरिक विदेशी मुद्रा लेनदेन को अमेरिका के जरिये नहीं करता है।

पेंगुइन इंडिया का किताबों की पायरेसी के खिलाफ अभियान

नई दिल्ली (भाषा)। पुस्तकों की पायरेसी की बढती समस्या पर जागरूकता लाने के लिए पैंगुइन रैंडम हाउस इंडिया ने अपने अनेक लेखकों के सहयोग से एक अभियान शुरू किया है। प्रकाशक ने डिजिटल पुस्तक पायरेसी की घटनाओं की जानकारी देने के लिए एक नया टूल पेश किया है जिसे लिंक-बस्टर्स जैसी पायरेसी रोधी सेवा प्रदाता कंपनी के साथ साझेदारी में विकसित किया गया है।

इस संबंध में एक बयान में कहा गया कि यह पहल किताबों की पायरेसी से लड़ने और बौद्धिक संपदा अधिकारों के सम्मान को बढ़ावा देने के पेंगुइन के प्रयासों का हिस्सा है। इसमें कहा गया कि सोशल मीडिया और प्रौद्योगिकी के अधिकार का इस्तेमाल करते हुए इस अभियान से इस विषय पर जागरूकता पैदा होने की उम्मीद है। पेंगुइन रैंडम हाउस इंडिया के मुख्य कार्यकारी अधिकारी गौरव श्रीनागेश ने कहा, 'यह अभियान पाठकों को किसी लिखित रचना के प्रकाशन में किये जाने वाले प्रयासों की शुचिता के संरक्षण का रुख अपनाने को प्रोत्साहित करेगा।'

एयर इंडिया ने 20 करोड़ डॉलर का निवेश किया

■ नई दिल्ली (भाषा)।

कंपनी डिजिटल प्रणाली के आधुनिकीकरण पर खर्च कर रही यह राशि

एयर इंडिया ने सोमवार को कहा कि उसने एयरलाइन की डिजिटल प्रणाली के आधुनिकीकरण के लिए 20 करोड़ डॉलर का शुरुआती निवेश किया है। कंपनी ने बताया कि आधुनिकीकरण के तहत चैटजीपीटी संचालित चैटबॉट और कई अन्य पहल को अमलीजामा पहनाया जाएगा। एयरलाइन ने 'विहान डॉट एआई' नाम से एक रूपांतरण कार्यक्रम भी शुरू किया है। एयर इंडिया ने बयान में कहा कि उसकी डिजिटल प्रणाली को आधुनिक बनाने के प्रयासों में महत्वपूर्ण प्रगति हुई है। कई पहल पहले ही पूरी हो चुकी हैं और कई पर काम जारी है।

कंपनी पहले ही नयी डिजिटल प्रणाली, डिजिटल इंजीनियरिंग सेवाओं और कुशल डिजिटल कार्यबल के लिए लगभग 20 करोड़ डॉलर का निवेश कर चुकी है। बयान के अनुसार, कंपनी को उम्मीद है कि अगले पांच साल के दौरान निवेश की यह गति बरकरार रहेगी। इसके तहत पारंपरिक डिजिटल तकनीकों से लेकर आधुनिक कृत्रिम मेधा तक, अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी को लागू किया जाएगा। इसके अलावा, एयर इंडिया क्वॉन्टम कंप्यूटिंग के अनुप्रयोग जैसे उभरते रुझानों को अपनाने पर भी विचार कर रही है। ग्राहकों से बेहतर जुड़ाव के लिए एयरलाइन वेबसाइट और मोबाइल ऐप के आधुनिकीकरण, उपयोगकर्ता के अनुकूल ग्राहक सूचना प्रणाली, चैटजीपीटी संचालित चैटबॉट और उड़ान में आधुनिकी मनोरंजन प्रणाली पर काम कर रही है।

फ्यूचर रिटेल के अधिग्रहण की दौड़ में रिलायंस-अडाणी समेत 48 कंपनियां

■ नई दिल्ली (भाषा)।

कर्ज में डूबी फ्यूचर रिटेल लिमिटेड के अधिग्रहण के लिए पात्र संभावित समाधान आवेदकों की अंतिम सूची में 48 कंपनियों को शामिल किया गया है। इनमें रिलायंस रिटेल, जिंदल पावर लिमिटेड और अडाणी समूह शामिल हैं। फ्यूचर रिटेल लिमिटेड (एफआरएल) के समाधान पेशेवर ने सोमवार को 'पात्र संभावित समाधान आवेदकों' की अंतिम सूची जारी की।

एफआरएल के समाधान पेशेवर ने 10 अप्रैल को 49 कंपनियों की सूची तैयार की थी। एफआरएल के ऋणदाताओं को परिसंपत्तियों को अलग-अलग हिस्सों में विभाजित कर ताजा बोली मंगाने का फैसला किया था। इसके बाद इन 49 कंपनियों ने अपने रुचि पत्र (ईओआई) सौंपे थे। ईओआई जमा करने वाली अन्य कंपनियों में डब्ल्यूएचस्मिथ ट्रैवल लिमिटेड, सहारा एंटरप्राइजेज, सेंचुरी कॉपर कॉरपोरेशन, ग्रीनटेक वर्ल्डवाइड, हर्षवर्धन रेड्डी, जे सी फ्लावर्स एसेट रिकंस्ट्रक्शन प्राइवेट लिमिटेड, पिनेकल एयर प्राइवेट लिमिटेड और यूनिवर्सल एसोसिएट्स शामिल हैं। राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) की मुंबई पीठ ने इस महीने की शुरुआत में एफआरएल की समाधान प्रक्रिया को 90 दिन का विस्तार देते हुए इसे 15 जुलाई, 2023 तक पूरा करने को कहा था।

अडाणी समूह ने 13 करोड़ डॉलर की ऋण पुनर्खरीद शुरू की

नई दिल्ली (भाषा)। अडाणी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक जोन (एपीएसईजेड) ने सोमवार को कर्ज पुनर्खरीद कार्यक्रम शुरू किया। इस साल जनवरी में अमेरिकी शॉर्ट सेलर हिंडनबर्ग रिसर्च की रिपोर्ट आने के बाद अडाणी समूह ने पहली बार ऋण पुनर्खरीद शुरू की है। शेयर बाजार को दी जानकारी के मुताबिक एपीएसईजेड ने अपने जुलाई 2024 के बॉन्ड की 13 करोड़ डॉलर तक पुनर्खरीद करने के लिए निविदा आमंत्रित की है। कंपनी अगली चार तिमाहियों में समान राशि की पुनर्खरीद और करेगी।

समूह निवेशकों का भरोसा दोबारा हासिल करने के लिए यह कदम उठा रहा है। हिंडनबर्ग रिसर्च की 24 जनवरी को आई एक रिपोर्ट में समूह के खातों में धोखाधड़ी और शेयर कीमतों में हेराफेरी के आरोप लगाए गए थे। इसके बाद समूह की कंपनियों के शेयर तेजी से गिरे। एपीएसईजेड ने कहा कि उसने अपने 3.375 प्रतिशत डॉलर मूल्य वर्ग के बॉन्ड के लिए पुनर्खरीद कार्यक्रम शुरू किया है, जिनकी परिपक्वता 2024 में है।

मारुति सुजुकी ने एसयूवी 'फ्रोंक्स' उतारी

नई दिल्ली (भाषा)। देश की प्रमुख कार विनिर्माता कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया ने सोमवार को घरेलू बाजार में अपनी नयी कॉम्पैक्ट एसयूवी 'फ्रोंक्स' को पेश किया। इसकी दिल्ली में शोरूम कीमत 7.46 लाख रुपये से 13.13 लाख रुपये के बीच है। फ्रोंक्स को 1.2-लीटर पेट्रोल और एक लीटर टर्बो बूस्टरजेट इंजन विकल्पों के साथ पेश किया गया है। इस मॉडल के 1.2 लीटर संस्करण की कीमत 7.46 लाख रुपये से 9.27 लाख रुपये के बीच है।

एक लीटर टर्बो बूस्टरजेट इंजन संस्करण की दिल्ली में शोरूम कीमत 9.72 लाख रुपये से 13.13 लाख रुपये के बीच है। एमएसआई ने इस साल की शुरुआत में 'वाहन प्रदर्शनी-2023' में फ्रोंक्स का वैश्विक स्तर पर अनावरण किया था। कंपनी के एमडी और सीईओ हिसाशी ताकेउची ने कहा, 'ब्रेजा के साथ हमारी सफलता इस प्रतिबद्धता का एक प्रमाण है। एसयूवी के प्रति ग्राहकों की प्राथमिकताओं में तेजी से बदलाव के साथ हमने उद्योग में एक नए उप-खंड की शुरुआत को पहचाना है।'

रुपया 15 पैसे की बढ़त के साथ 81.91 प्रति डॉलर पर

■ मुंबई (वार्ता)।

घरेलू शेयर बाजार में मजबूती के रुख और कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट के बीच निवेशकों की कारोबारी धारणा मजबूत हुई जिसके कारण अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में सोमवार को डॉलर के मुकाबले रुपया 15 पैसे की तेजी के साथ 81.91 (अस्थायी) प्रति डॉलर पर पहुंच गया। बाजार सूत्रों ने कहा कि विदेशी संस्थागत निवेशकों के बिकवाली दबाव के कारण रुपये का लाभ सिमट गया।

अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 82.08 प्रति डॉलर पर खुला। कारोबार के अंत में यह अपने पिछले बंद भाव की तुलना में 15 पैसे की तेजी के साथ 81.91 (अस्थायी) प्रति डॉलर पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान रुपये में 81.88 के उच्चस्तर और 82.09 के निचले स्तर के बीच घटबढ़ हुई। शुक्रवार को डॉलर के मुकाबले रुपया 82.06 पर बंद हुआ था।

शेयरखान के शोध विश्लेषक अनुज चौधरी ने कहा कि घरेलू शेयर बाजार में मजबूती और अमेरिकी डॉलर के कमजोर रहने से सोमवार को रुपये में मजबूती आई लेकिन कच्चे तेल की कीमतों में कमजोरी के रुख ने रुपये में तेजी को सीमित कर दिया। चौधरी ने कहा, "हम उम्मीद करते हैं कि वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में नरमी और मजबूत स्थानीय शेयर बाजार के कारण रुपये में सकारात्मक रुख के साथ व्यापार होगा। वृहद आर्थिक आंकड़ों के काफी हद तक कमजोर बने रहने के कारण डॉलर कमजोर बना रह सकता है, जिससे मंदी पर चिंता बढ़ रही है।" इस बीच, दुनिया की छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक घटकर 101.64 रह गया।

टाटा स्टील का कार्बन उत्सर्जन घटाने का प्रयोग

■ मुंबई (वार्ता)।

- कंपनी ने अपने जमशेदपुर संयंत्र के ब्लास्ट फर्नेस में हाइड्रोजन गैस का उपयोग शुरू किया

टाटा स्टील ने सोमवार को कहा कि उसने इस्पात उत्पादन में खनिज ईंधन का इस्तेमाल सीमित कर कार्बन उत्सर्जन का स्तर कम से कम रखने के लक्ष्य की दिशा में कंपनी के जमशेदपुर कारखाने की 'ई'ब्लास्ट फर्नेस में उच्च स्तर पर हाइड्रोजन गैस झोंकने का परीक्षण शुरू किया। कंपनी ने एक विज्ञप्ति में कहा कि दुनिया में कहीं भी किसी ब्लास्ट फर्नेस में पहली बार "इतनी बड़ी मात्रा में हाइड्रोजन गैस लगातार झोंकने का प्रयोग किया जा रहा रहा।"

कंपनी के अनुसार इसके लिए 40 प्रतिशत इंजेक्शन सिस्टम का उपयोग किया जा रहा है और यह "हरित और टिकाऊ इस्पात निर्माण की दिशा में इस्पात उद्योग की यात्रा में परीक्षण एक प्रमुख मील का पत्थर है।' विज्ञप्ति के अनुसार यह परीक्षण रविवार को शुरू किया गया था और लगातार चार-पांच दिन तक चलेगा। हाइड्रोजन ईंधन के परीक्षण से ब्लास्ट फर्नेस में इस हरित ईंधन की उपयोगिता के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी मिलेगी और खनिज ईंधन की खपत को कम करने में मदद मिलेगी। इससे कार्बन उत्सर्जन कम होगा टाटा स्टील ने अपने परिचालन में कार्बन डाई-आक्साइड उत्सर्जन के स्तर को 2045 तक शुद्ध रूप से शून्य करने का लक्ष्य रखा है। टाटा स्टील के उपाध्यक्ष उत्तम सिंह ने कहा, हमें विश्वास है कि यह परीक्षण हाइड्रोजन के साथ ब्लास्ट फर्नेस के संचालन में मूल्यवान अंतर्दृष्टि प्रदान करेगा और हमें कम कार्बन भविष्य के अपने लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में अगले कदमों की पहचान करने में मदद करेगा।'

एशियाई विकास बैंक ने 20 अरब डॉलर से ज्यादा का कर्ज दिया

■ नई दिल्ली (भाषा)।

बहुपक्षीय वित्तपोषण एजेंसी एशियाई विकास बैंक (एडीबी) ने एशिया और प्रशांत को कोविड महामारी से उबरने में मदद के लिए मौजूदा चुनौतियों और संकट के बावजूद 2022 में अपने संसाधनों से 22.5 अरब डॉलर की मदद उपलब्ध कराई है। एडीबी ने सोमवार को यह जानकारी दी।

एडीबी की वार्षिक रिपोर्ट, 2022 में प्रकाशित वित्तीय और परिचालन संबंधी परिणामों में बताया कि कैसे बैंक ने यूक्रेन युद्ध, बिगड़ते खाद्य संकट और खराब मौसम से क्षेत्र को लड़ने में मदद करने के लिए वित्त और ज्ञान को एक कर दिया और साझेदारियों का उपयोग किया। एडीबी के अध्यक्ष मसात्सुगु असाकावा ने कहा, "2022 में हमारे सहयोग से सदस्य विकासशील देशों (डीएमसी) को संकट का तुरंत आकलन करने में मदद मिली। इसके अलावा जलवायु परिवर्तन और खाद्य सुरक्षा जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में भी उन्हें अपनी स्थिति को मजबूत करने में मदद मिली।"

डीआईसीवी ने किया 11 हजार वाहनों का निर्यात

■ नई दिल्ली (भाषा)।

- डेमलर इंडिया कामर्शियल व्हीकल्स अब तक की सर्वश्रेष्ठ वार्षिक घरेलू बिक्री का रिकार्ड बनाया
- कंपनी के सीईओ ने कहा हमने अपने उत्पाद पोर्टफोलियो का विस्तार किया और ट्रक के 10 नये माडल उतारे

डेमलर ट्रक एजी की सहायक भारतीय कंपनी डेमलर इंडिया कॉमर्शियल व्हीकल्स (डीआईसीवी) ने वर्ष 2022 में 11 हजार वाहनों का निर्यात कर नया कीर्तिमान बनाया है। कंपनी ने आज घोषणा की कि आपूर्ति श्रृंखला में विपरीत परिस्थितियों और प्रतिकूल लागत पर्यावरण के बावजूद भारत में अपना विनिर्माण परिचालन शुरू करने के बाद से 2022 अब तक का सबसे सफल व्यावसायिक वर्ष रहा है। कंपनी ने व्यावसायिक वर्ष 2021 की तुलना में व्यावसायिक वर्ष 2022 में 37 प्रतिशत की राजस्व वृद्धि और 25 प्रतिशत की बिक्री वृद्धि दर्ज की। वर्ष 2022 में विशेष रूप से सर्वोत्तम विकास हुआ क्योंकि इस कैलेंडर वर्ष में डीआईसीवी ट्रकों और बसों की कुल 29,470 घरेलू और निर्यात इकाइयां बिकी हैं।

उसने कहा कि डीआईसीवी ने 2022 में अपनी ओरगडम विनिर्माण केंद्र में 200,000 वाहनों (घरेलू और निर्यात सहित) और 200,000 ट्रांसमिशन का उत्पादन कर बड़ी उपलब्धि हासिल की है। कंपनी ने 2022 में 11,000 वाहनों का निर्यात कर अब तक की सर्वश्रेष्ठ वार्षिक वाहन निर्यात, अब तक की सर्वश्रेष्ठ वार्षिक पार्ट सेल्स (24.5 करोड़ से अधिक पार्ट्स) और अब तक की सर्वश्रेष्ठ वार्षिक घरेलू वाहन बिक्री का रिकॉर्ड बनाया है।

डीआईसीवी के 2022 वार्षिक प्रदर्शन पर टिप्पणी करते हुए कंपनी के प्रबंध निदेशक और सीईओ सत्यकाम आर्य ने कहा, "व्यावसायिक वर्ष 2022 में हमारा प्रदर्शन सबसे उत्तम रहा है क्योंकि हमने राजस्व में 37 प्रतिशत वृद्धि और बिक्री में 25 प्रतिशत वृद्धि की है। हमने उल्लेखनीय उत्पादन उपलब्धि भी हासिल की है। हमने भारत में अपने संचालन के केवल 10 वर्षों में यह सुखद व्यावसायिक सफलता हासिल की है और इसे हासिल करने के लिए शुरुआत से ही बाजार में बड़े निवेश किए और पिछले एक दशक में वाणिज्यिक वाहनों के उद्योग में सामने आई जटिलताओं के साथ निपटते हुए अपना आगे का मार्ग प्रशस्त किया है। पिछले तीन वर्षों में महामारी के कारण वाणिज्यिक वाहनों की बिक्री पर भारी प्रभाव पड़ने के बावजूद हमारी वित्तीय और बिक्री प्रदर्शन अच्छी रही है। हमने अपनी लागत और राजस्व में लगातार सुधार करके यह उपलब्धि हासिल की है। इसके अलावा, हमने अपने उत्पाद पोर्टफोलियो का विस्तार करने के लिए महत्वपूर्ण निवेश किया और भारतबेन ट्रकों के 10 नए मॉडल लॉन्च किए ताकि ग्राहक टनभार विकल्पों वाले एक विस्तृत पोर्टफोलियो में से अपना चुनाव कर सकें।

संन्यास के 10 साल बाद भी 4.25 करोड़ प्रतिमाह कमा रहे हैं सचिन

50वें जन्मदिन पर विशेषः सालाना कमाई 50 करोड़ के पार, 1436 करोड़ रुपए है मास्टर ब्लास्टर की नेटवर्थ

मास्टर-ब्लास्टर
स्वीमिंग पूल के पास बैठकर कॉफी का लुत्फ उठाते हुए।

नई दिल्ली । भारत समेत दुनियाभर में जब भी क्रिकेट की बात होती है तो मास्टर ब्लास्टर सचिन तेंदुलकर का जिक्र हो ही जाता है। आखिर उन्होंने भारतीय क्रिकेट में जो भूमिका निभाई है, उसे भुलाया नहीं जा सकता। 24 अप्रैल 2023 को सचिन ने अपना 50वां बर्थडे मनाया। उन्होंने अपने कॅरियर में इतने रिकॉर्ड बनाए हैं कि क्रिकेट इतिहास में उनका नाम दर्ज है। भले ही वे क्रिकेट से संन्यास ले चुके हैं, लेकिन कमाई के मामले में अभी भी कई दिग्गज क्रिकेटरों से आगे हैं। बता दें कि सचिन को क्रिकेट से संन्यास लिए तकरीबन 10 साल हो चुके हैं, लेकिन फिर भी उनका रुतबा और कमाई बढ़ती ही जा रही है।

सचिन ने साल 16 नबंवर 2013 को क्रिकेट के सभी प्रारुपों से संन्यास ले लिया था। इसके बावजूद आज भी उनकी चमक दुनियाभर में कायम है। क्रिकेट के भगवान कहे जाने वाले सचिन महज 16 साल की उम्र में हाथों में बल्ला पकड़ने और फिर एक के बाद एक बड़े रिकॉर्ड अपने नाम करने वाले सचिन तेंदुलकर का जन्म 24 अप्रैल 1973 को मुंबई में हुआ था। अब वे 50 साल के हो गए हैं। क्रिकेट करियर के दौरान उन्होंने जमकर कमाई की। रिपोर्ट्स के मुताबिक, सचिन की कुल नेटवर्थ 175 मिलियन डॉलर यानी 1436 करोड़ रुपए है। क्रिकेट से संन्यास के बाद अब भी विज्ञापनों व अन्य जरियों से वे करोड़ों रुपये कमा रहे हैं। बता दें कि इन दिनों उनकी सालाना कमाई 50 करोड़ रुपयों से भी अधिक है, जबकि प्रतिमाह की बात करें तो वे सवा चार करोड़ रुपए हर माह कमाते हैं। सचिन ने भले ही क्रिकेट से संन्यास ले लिया हो, लेकिन बड़े-बड़े ब्रांड अभी भी उनके चेहरे पर भरोसा करते हैं और उन्हें अपने विज्ञापनों में लेने को तरजीह देते हैं। उनकी कमाई का मुख्य सोर्स ब्रांड एंडोर्समेंट है। सचिन इंडियन सुपर लीग फुटबॉल में कोच्चि आईएसएल टीम और प्रीमियर बैडमिंटन लीग में बेंगलुरु ब्लास्टर्स टीम के भी मालिक हैं। सचिन के अपने दो 2 रेस्तरां भी है, जिनमें से एक मुंबई में है और एक बेंगलुरु में है। इसके अलावा उन्हें बीसीसीआई से दो करोड़ का पारिश्रमिक मिलता है।

लग्जरी लाइफस्टाइल 100 करोड़ का बंगला

सचिन की लग्जरी लाइफस्टाइल का अंदाजा उनके आलीशान घरों को देखकर भी लगाया जा सकता है। उनके पास मुंबई के पॉश बांद्रा इलाके में एक आलीशान बंगला है, जिसकी कीमत करीब 100 करोड़ रुपये बताई जाती है। हालांकि, इस घर को साल 2007 में उन्होंने लगभग 40 करोड़ रुपये में खरीदा था। मुंबई ही नहीं बल्कि उनके पास करोड़ों की कीमत का एक बंगला केरल में भी है। वहीं मुंबई के बांद्रा के कुर्ला कॉम्प्लेक्स में उनके पास एक लग्जरी फ्लैट भी है।

गोवा में मनाया 50वां जन्मदिन

सचिन के परिवार में उनकी पत्नी अंजलि, बेटी सारा और बेटा अर्जुन तेंदुलकर है। सोशल मीडिया पर जारी वायरल हो रहे वीडियो को देखें तो मास्टर ब्लास्टर अपना 50वां जन्मदिन गोवा में मना रहे हैं। सचिन को गोवा एयरपोर्ट पर पत्नी अंजलि तेंदुलकर और बेटी सारा तेंदुलकर संग स्पॉट किया गया था। एयरपोर्ट पर सारा महिला फैन के साथ सेल्फी खिंचवाती हुई दिखाई दे रही थीं।

लग्जरी कारों का शानदार कलेक्शन

सचिन को कारों से भी बेहद लगाव है। उनके कार कलेक्शन में एक से बढ़कर एक शानदार कारें मौजूद हैं। रिपोर्ट की मानें तो उनके कलेक्शन में एक से बढ़कर एक महंगी और लग्जरी कारें शामिल हैं। इनमें फेरारी 360 मोडेना, निसान जीटी-आर, बीएमडब्ल्यू आई8, बीएमडब्ल्यू एम 5, मर्सिडीज बेंज, बीएमडब्ल्यू एक्स5एम, बीएमडब्ल्यू एम 6 आदि शामिल है।

तेंदुलकर के कुछ स्पेशल रिकॉर्ड्स

- इंटरनेशनल क्रिकेट में 30,000 रनों का आंकड़ा छूने वाले दुनिया के पहले एवं इकलौते बल्लेबाज।
- इंटरनेशनल क्रिकेट में 76 बार (टेस्ट-15, वनडे-62) प्लेयर ऑफ द मैच अवॉर्ड अपने नाम किया।
- इंटरनेशनल क्रिकेट में 4076 चौके लगाए। सचिन से ज्यादा चौके किसी खिलाड़ी ने नहीं लगाए हैं।
- रणजी ट्रॉफी, दिलीप ट्रॉफी और ईरानी ट्रॉफी में अपने डेब्यू पर शतक लगाया। ऐसा कोई दूसरा प्लेयर नहीं कर सका।
- तेंदुलकर-गांगुली ने मिलकर इंटरनेशनल क्रिकेट में 38 शतकीय साझेदारियां कीं, जो एक वर्ल्ड रिकॉर्ड है।

अक्षर के डबल धमाल से जीती दिल्ली

आईपीएल 2023 : लो स्कोरिंग रोमांचक मैच में सनराइजर्स हैदराबाद को सात रनों से दी शिकस्त

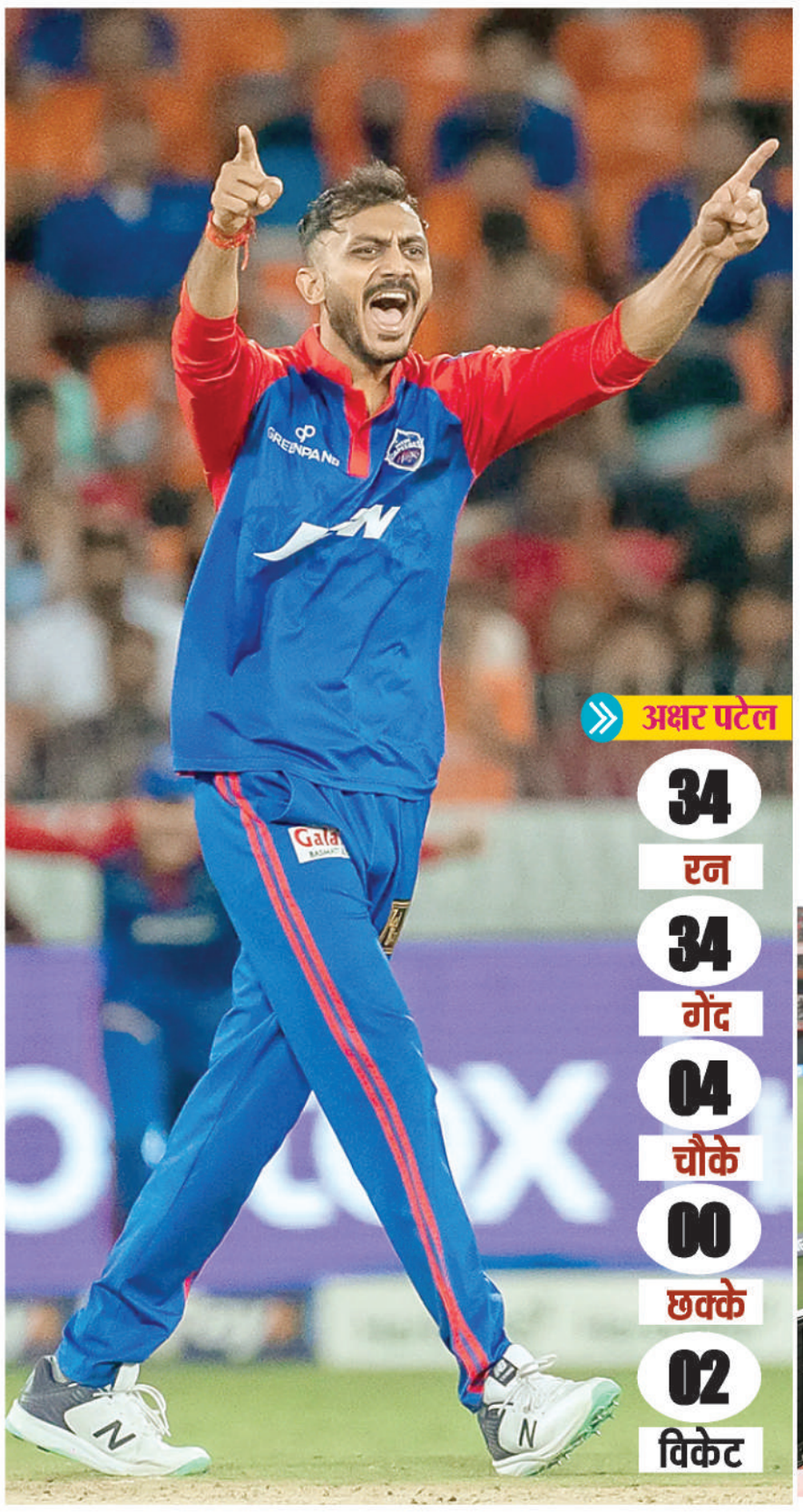

हैदराबाद। दिल्ली कैपिटल्स ने आईपीएल 2023 के एक रोमांचक मुकाबले में सनराइजर्स हैदराबाद को सात रनों से हरा दिया। हैदराबाद में खेले गए इस मुकाबले में दिल्ली ने सनराइजर्स को जीत के लिए 145 रनों का टारगेट दिया था, लेकिन पूरे ओवर खेलने के बावजूद मेजबान टीम सात विकेट पर 137 रन ही बना पाई। मुकाबले के आखिरी ओवर में सनराइजर्स को जीत के लिए 13 रन बनाने थे, लेकिन तेज गेंदबाज मुकेश कुमार ने शानदार गेंदबाजी करते हुए केवल 5 रन दिए। दिल्ली कैपिटल्स की सात मैचों में यह दूसरी जीत है और अब भी अंकतालिका में आखिरी स्थान पर है।

सनराइजर्स ने भी दो मैच जीते हैं लेकिन बेहतर नेट-रनरेट के चलते वह 9वें स्थान पर है। एमएस धोनी की कप्तानी वाली चेन्नई सुपर किंग्स की टीम फिलहाल पहले नंबर पर है। टारगेट का पीछा करते हुए सनराइजर्स की शुरुआत उतनी अच्छी नहीं रही और उसने हैरी ब्रूक का विकेट सस्ते में गंवा दिया, जो केवल सात रन बना सके। ब्रूक को एनरिक नॉर्किया ने चलता किया। इसके बाद मयंक और राहुल त्रिपाठी के बीच दूसरे विकेट के लिए 38 रनों की साझेदारी हुई, जिसमें ज्यादा योगदान मयंक अग्रवाल का था। मयंक 49 रन बनाकर अक्षर पटेल की गेंद पर लपके गए। इसके बाद सनराइजर्स ने राहुल त्रिपाठी, अभिषेक शर्मा और कप्तान एडेन मार्करम का विकेट सस्ते में गंवा दिया.85 रनों पर पांच विकेट गिरने के बाद हेनरिक क्लासेन और वॉशिंगटन सुंदर के बीच 41 रनों की साझेदारी हुई। क्लासेन काफी तूफानी बैटिंग कर रहे थे और उन्होंने सिर्फ 19 गेंदों पर 31 रन बना डाले। इस दौरान उन्होंने तीन चौके और एक छक्का लगाया। 19वें ओवर की तीसरी गेंद पर एनरिक नॉर्किया ने उनका विकेट लिया जहां से मैच की कहानी पलटी। आखिरी ओवर में सनराइजर्स को 13 रन बनाने थे और उसके चार विकेट हाथ में थे, ऐसे में उसकी जीत आसान लग रही थी, लेकिन मुकेश कुमार ने उस आखिरी ओवर में वॉशिंगटन सुंदर और मार्को जानसेन को एक चौका तक नहीं लगाने दिया। दिल्ली कैपिटल्स की ओर से अक्षर पटेल और एनरिक नॉर्किया ने दो-दो विकेट लिए। अक्षर को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

स्कोर बोर्ड

दिल्ली कैपिटल्स	रन	गेंद	4/6
डेविड वॉर्नर कै. ब्रूक बो. सुंदर	21	20	2/1
फिल सॉल्ट कै. क्लासेन बो. कुमार	00	01	0/0
मिचेल मार्श पगबाधा नटराजन	25	15	5/0
सरफराज कै. भुवनेश्वर बो. सुंदर	10	09	0/1
मनीष पांडे रन आउट	34	27	2/0
अमन खान कै. अभिषेक बो. सुंदर	04	02	1/0
अक्षर पटेल बो. भुवनेश्वर	34	34	4/0
रिपल पटेल रन आउट	05	06	0/0
अनरिख नोर्जे रन आउट	02	02	0/0
कुलदीप यादव नाबाद	04	03	1/0
इशांत शर्मा नाबाद	01	01	0/0

अतिरिक्तः 4, कुलः 20 ओवर में नौ विकेट पर 144 रन
विकेट पतनः 1-1, 2-39, 3-57, 4-58, 5-62, 6-131, 7-134, 8-139, 9-139 **गेंदबाजीः** भुवनेश्वर कुमार 4-0-11-2, मार्को यानसन 2-0-27-0, वॉशिंगटन सुंदर 4-0-28-3, टी नटराजन 3-0-21-1, मयंक मार्कंडेय 4-0-34-0, उमरान मलिक 2-0-14-0, एडन मार्करम 1-0-7-0,

सनराइजर्स हैदराबाद	रन	गेंद	4/6
हैरी ब्रूक बो. नोर्जे	07	14	0/0
मयंक कै. अमन बो. अक्षर	49	39	7/0
त्रिपाठी कै. सॉल्ट बो. इशांत	15	21	0/0
अभिषेक शर्मा कै. एवं बो. कुलदीप	05	05	0/0
एडन मार्करम बो. अक्षर	03	05	0/0
क्लासेन कै. अमन बो. नोर्जे	31	19	3/1
वॉशिंगटन सुंदर नाबाद	24	15	3/0
मार्को यानसन नाबाद	02	03	0/0

अतिरिक्तः 1, कुलः 20 ओवर में छह विकेट पर 137 रन
विकेट पतनः 1-31, 2-69, 3-75, 4-79, 5-85, 6-126 **गेंदबाजीः** इशांत शर्मा 3-0-18-1, अनरिख नोर्जे 4-0-33-2, मुकेश कुमार 3-0-27-0, अक्षर पटेल 4-0-21-2, कुलदीप यादव 4-0-22-1, मिचेल मार्श 2-0-16-0.

आईपीएल 2023 अंक तालिका

टीम	मैच	जीते	हारे	अंक	रन रेट
चेन्नई सुपर किंग्स	07	05	02	10	0.662
राजस्थान रॉयल्स	07	04	03	08	0.844
लखनऊ सुपर जायंट्स	07	04	03	08	0.547
गुजरात टाइटंस	06	04	02	08	0.212
रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु	07	04	03	08	-0.008
पंजाब किंग्स	07	04	03	08	-0.162
मुंबई इंडियंस	06	03	03	06	-0.254
कोलकाता नाइट राइडर्स	07	02	05	04	-0.186
सनराइजर्स हैदराबाद	06	02	04	04	-0.794
दिल्ली कैपिटल्स	06	01	05	02	-1.183

ऑरेंज कैप

1 फाफ डु प्लेसिस
405 रन

मैच	सर्वश्रेष्ठ	औसत	चौके	छक्के	50	100
7	84	67.50	33	25	5	0

स्थान	प्लेयर	मैच	रन	सर्वश्रेष्ठ	औसत	4	6	50	100
2	डेवोन कॉन्वे	7	314	83	52.33	33	12	4	0
3	डेविड वॉर्नर	7	306	65	43.51	44	1	4	0
4	विराट कोहली	7	279	82*	46.50	25	11	4	0
5	आर गायकवाड़	7	270	92	45.00	14	17	2	0

पर्पल कैप

1 मोहम्मद सिराज
13 विकेट

मैच	विकेट	इकोनॉमी	बेस्ट बॉलिंग	4/5 विकेट
7	13	7.18	4/21	1/0

स्थान	प्लेयर	मैच	विकेट	बेस्ट	इकोनॉमी	4/5 विकेट
2	अर्शदीप सिंह	7	13	29/4	8.16	1/0
3	युजवेंद्र चहल	7	12	17/4	8.07	1/0
4	राशिद खान	6	12	31/3	8.29	0/0
5	टी देशपांडे	7	12	45/3	10.97	0/0

मैनचेस्टर यूनाइटेड व सिटी के बीच होगी खिताबी भिड़ंत

लंदन। मैनचेस्टर यूनाइटेड ने विक्टर लिंडेलोफ के विजयी गोल की मदद से ब्राइटन को पेनल्टी शूटआउट में 7-6 से मात देकर एफए कप फुटबॉल टूर्नामेंट के फाइनल में जगह बनाई जहां उसकी भिड़ंत चिर प्रतिद्वंदी मैनचेस्टर सिटी से होगी। मैनचेस्टर यूनाइटेड और ब्राइटन के बीच दूसरा सेमीफाइनल तय समय तक गोल रहित रहा जिसके बाद पेनल्टी शूटआउट से यूनाइटेड विजयी हुआ। पहली बार एफए कप के फाइनल में मैनचेस्टर यूनाइटेड और मैनचेस्टर सिटी आमने-सामने होंगी। सिटी ने इससे पहले सेमीफाइनल में शेफील्ड यूनाइटेड को 3-0 से हराया था। सिटी के पास यूनाइटेड के 1999 के रिकॉर्ड की बराबरी करने का मौका होगा। यूनाइटेड ने तब एक ही सत्र में प्रीमियर लीग, चैंपियंस लीग और एफए कप के खिताब जीते थे।

प्लिस्कोवा ने मैड्रिड ओपन से वापस लिया नाम

सिडनी । चेक गणराज्य की कैरोलिना प्लिस्कोवा घुटने की चोट के कारण मैड्रिड ओपन में नहीं खेलेंगी। उन्होंने टूर्नामेंट से नाम वापस ले लिया है दुनिया की पूर्व नंबर एक कैरोलिना ने कहा कि उन्हें फ्रेंच ओपन से पहले रोम में अगले महीने होने वाले टूर्नामेंट के लिए समय पर उबरने की उम्मीद है। विश्व रैंकिंग में 15वें स्थान पर मौजूद प्लिस्कोवा ने ट्विटर पर कहा कि पिछले सप्ताह स्टटगार्ट ओपन में क्वॉर्टर फाइनल में इगा स्वोटेक से हारने के दौरान उन्हें चोट लगी थी। इटैलियन ओपन 9-20 मई तक चलता है, इससे पहले साल का दूसरा ग्रैंड स्लैम रोलांड गैरोस 28 मई से शुरू होगा। क्वेलेकोर्ट मेजर में प्लिसकोवा का सर्वश्रेष्ठ परिणाम 2017 में आया था जब वह सेमीफाइनल में पहुंची थी।

एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी के लिए भारत आएंगे पाकिस्तान-चीन

नई दिल्ली। तमिलनाडु के चेन्नई शहर में तीन से 12 अगस्त के बीच होने वाले सातवें एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी हॉकी टूर्नामेंट में पाकिस्तान और चीन भी भाग लेंगे। रिपोर्ट के अनुसार, तमिलनाडु हॉकी यूनिट (एचयूटीएन) के अध्यक्ष जे. शेखर मनोहरन ने इसकी पुष्टि की है। मनोहरन ने कहा, चूंकि मीडिया ने दो टीमों (चीन और पाकिस्तान) की भागीदारी पर संदेह व्यक्त किया था, इसलिए हम अब खुशी से सूचित करते हैं कि पाकिस्तान और चीन भी इस टूर्नामेंट में भाग लेंगे और उन्होंने इस बात की पुष्टि की है। मनोहरन ने कहा कि एचयूटीएन ने अभ्यास मैदान के लिये स्थल चुन लिया है। अभ्यास मैदान एसडीएटी-मेयर राधाकृष्णन स्टेडियम के प्रवेश द्वार के ठीक बगल का एक टेनिस कोर्ट होगा।

दोबारा किडनी ट्रांसप्लांट के बाद भी धर्मेंद्र ने नहीं मानी हार, बैडमिंटन में बने विश्व चैंपियन

प्रखर लखनऊ। मंजिल उन्हीं को मिलती है, जिनके सपनों में जान होती है, पंख से कुछ नहीं होता, हौसलों से उड़ान होती है। यह शायरी एक किडनी के बदौलत बैडमिंटन स्पर्धा में विश्व चैंपियन बने धर्मेंद्र पर एकदम सटीक बैठती है। बतादे कि नारकोटिक विभाग में कार्यरत धर्मेंद्र सूती ने ऑस्ट्रेलिया के पर्थ में हुए विश्व ट्रांसप्लांट गेम्स की बैडमिंटन स्पर्धा में बेहतर प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक जीतकर बड़ा मुकाम हासिल किया है। उन्होंने 50 -59 वर्ष आयु वर्ग के एकल फाइनल में थाईलैंड के नाथोपोलो को 10- 15, 15 -10, 15 -13 से शिकस्त देकर यह मुकाम हासिल किया है। बता दें कि धर्मेंद्र उत्तर प्रदेश नारकोटिक विभाग के लखनऊ कार्यालय में सुपरिटेंडेंट पद पर कार्यरत हैं। वे एक ही किडनी पर जीवन जी रहे हैं। उन्हें किडनी उनके छोटे भाई अवधेश ने दान की है और तो और जब वह भी किडनी खराब हो गई तो फिर से किडनी उनके साले ने उन्हें दान की। उसके बाद भी वे हौसला नहीं हारे और उस मुकाम को हासिल किया जिसे अच्छे-अच्छे लोग हासिल करने में पीछे हट जाते हैं। धर्मेंद्र कहते हैं कि कभी विश्व चैंपियन बनने के सपने के बीच उनकी दोनों किडनी खराब हो गई थी। पर ट्रांसप्लांट गेम्स में अब विश्व चैंपियन बनने का सपना पूरा हो चुका। इसके पहले भी धर्मेंद्र 90 के दशक में राज्य के बेहतर खिलाड़ी भी रहे है औ? राष्ट्रीय चैंपियन में शानदार प्रदर्शन भी किया था। धर्मेंद्र की किडनी दूसरी बार 2019 में विश्व ट्रांसप्लांट गेम्स की तैयारी के दौरान खराब हो गई थी। उसके बाद उनके साले नितिन द्विवेदी ने उन्हें किडनी दान कर उनके हौसले को बढ़ाया और उन्होंने फिर अभ्यास शुरू किया और आज इस मुकाम को हासिल किया। इसके पूर्व 2001 में उनकी दोनों किडनी खराब हो चुकी थी। जिसके बाद उनका बचना नामुमकिन हो चुका था। लेकिन उनके छोटे भाई अवधेश ने अपनी एक किडनी दान देकर उनको जीवनदान दिया और वह धीरे-धीरे खेल के मैदान में लौटे। 2013 में दक्षिण अफ्रीका में वह विश्व ट्रांसप्लांट गेम्स में हिस्सा लेने गए। वहां से रजत पदक जीतकर लौटे इसके बाद 2015 में विश्व ट्रांसप्लांट गेम्स में उन्होंने कमाल का प्रदर्शन करते हुए 1 स्वर्ण व रजत जीतकर इतिहास रचा।

पेपलम ड्रेस शॉर्ट प्लेटेड कुर्ती होती है, जो घेरे वाले शॉर्ट स्कर्ट जैसी दिखाई देती है और इसमें जैकेट या ब्लाउज भी होता है। इन्हें आप शरारा, प्लाजो, पैंट, स्कर्ट प्लाजो, जेगिंग्स, लेगिंग या चूड़ीदार के साथ पहन सकती हैं।

हर ऑकेजन के लिए बेस्ट पेपलम कुर्तियां

फैशन / दीप्ति अंगरीश

गर्मी के मौसम में हर रोज परफेक्ट-कंफर्टेबल ड्रेस सेलेक्ट करना ईजी नहीं होता है। अगर रोज-रोज नॉर्मल सलवार-सूट पहनकर आप बोर हो चुकी हैं, कुर्ती और सलवार में कई तरह के स्टाइल और कट आप ट्राय कर चुकी हैं तो पेपलम स्टाइल की कुर्ती आपको जरूर पसंद आएंगी। पेपलम कुर्तियां देखने में बेहद स्टाइलिश लगती हैं। अगर आप यह सोचती हैं कि पेपलम कुर्ती को केवल एक ही तरीके से स्टाइल किया जा सकता है तो आपको बता दें कि ऐसा सोचना सही नहीं है। इन कुर्तियों को मनचाही स्टाइल में आप पहन सकती हैं।

पेपलम कुर्ती की डायमेंशंस

पेपलम कुर्ती या पेपलम टॉप दोनों एक ही ड्रेस को कहते हैं। बस, दोनों का नाम बॉटम के साथ पहनने से बदला है। पेपलम कुर्ती या टॉप की फिटिंग ना टाइट होती है, ना लूज। कमर के बाहर कुर्ती या टॉप का घेरा अंब्रेला शेप में होता है। इसकी लंबाई थाई के सेंटर तक होती है। कई बार घेरे में प्लीट्स भी दिए जाते हैं। इसमें थ्री फोर्थ लंबाई की स्लीव्स ट्रेंड में है।

बॉटम में हैं कई ऑप्शंस

पेपलम कुर्ती या टॉप को कई तरह से बॉटम के साथ पहन सकते हैं। जैसे- प्लाजो पैंट, स्कर्ट प्लाजो, जेगिंग, लेगिंग, शरारा, गरारा, चूड़ीदार, जींस, धोती सलवार या पटियाला सलवार। इसे जिस तरह से बॉटम के साथ पहन रही हैं, उसी से उसका नामकरण हो जाता है। यानी प्लाजो पैंट या जींस के साथ इसे पेपलम टॉप कहा जाएगा और चूड़ीदार या धोती सलवार के साथ इसे पेपलम कुर्ती कहा जाता है।

डेली या फेस्टिव वियर में फिट

पेपलम टॉप या कुर्ती को किसी भी मौके पर पहन सकते हैं। इसे डेली वियर में पहनें, ऑफिस वियर में या फेस्टिव वियर के रूप में भी कैरी कर सकती हैं। हर जगह, हर मौके पर इस स्टाइल की कुर्ती या टॉप अच्छे लगते हैं। इसे इंडो वेस्टर्न लुक देना चाहती हैं तो जींस के साथ बांधनी स्टॉल कैरी करें। साथ में आई मेकअप स्मोकी और लिप कलर न्यूट्रल रखें। यह लुक आपको हटकर दिखाएगा। पेपलम कुर्ती के साथ मैचिंग या कंट्रास्टिंग दुपट्टा जरूर कैरी करें। इसका कारण यह है कि दुपट्टा ही इसे इंडियन सलवार-सूट का लुक देगा।

अट्रैक्टिव लगे प्रिंट ऑन प्रिंट

आजकल पेपलम टॉप या कुर्ती में प्रिंट ऑन प्रिंट का फैशन भी ट्रेंड में है। ऑनलाइन से लेकर ऑफलाइन शॉपिंग पोर्टल्स में पेपलम में प्रिंट ऑन प्रिंट काफी डिमांड में है। अगर आप इसे सिलवा रही हैं, तो इसमें सेल्फ डिजाइन प्रिंट ऑन प्रिंट का चयन करें। लेकिन इसका फैब्रिक सीजन को ध्यान में रखकर सेलेक्ट करें। गर्मियों के लिए कॉटन या रेयॉन फैब्रिक बेस्ट रहता है, जबकि सर्दी आने पर इसमें वेलवेट फैब्रिक का चयन करें।

स्लीव्स में मौजूद कई ऑप्शन

डेली वियर और ऑफिशियल वियर में पेपलम टॉप या कुर्ती में थ्री फोर्थ स्लीव्स अच्छी लगती हैं। इसमें फैशन सेंस को एड करने के लिए स्लीव्स में अपनी पसंद का डिजाइन सेलेक्ट कर सकती हैं। इसे अगर आप डेली वियर में पहन रही हैं तो इसमें टाइट फिटिंग में थ्री फोर्थ स्लीव पहनें। पेपलम टॉप या कुर्ती किसी फेस्टिवल, पार्टी या मैरिज सीजन में पहन रही हैं तो इसमें स्लीव में फ्रिंज फुल स्लीव्स बनवाएं। इसके बॉटम में शरारा पहनें। यह आपके स्टाइल को बूस्ट करेगा। इसके साथ मैचिंग या कंट्रास्टिंग शेड का शियर दुपट्टा कैरी करें। यह आपको ग्लैमरस लुक देगा। साथ ही एलिगेंट भी दिखाएगा। *

काम की बात / अंजू जैन

हम आपको कुछ किचेन टूल्स के एक्सट्रा यूज के बारे में बता रहे हैं। इनके बारे में जानकर ये किचेन टूल्स आपके लिए और भी यूजफुल हो जाएंगे।

किचेन टूल्स का करें मल्टीपर्पस यूज

अपने किचेन में आप छोटे-बड़े कई टूल्स रखती हैं, जिनका अलग-अलग कामों में यूज किया जाता है। लेकिन आप अगर जरा-सा हटकर सोचें तो किसी एक काम के लिए खरीदा गया टूल, कई दूसरे काम के लिए भी इस्तेमाल कर सकती हैं। कैसे, बता रहे हैं आपको।

वेजीटेबल पीलर से चीज स्लाइस: अगर आपको चीज के लंबी और पतली स्लाइसेस की जरूरत है तो वेजीटेबल पीलर को आजमा कर देखिए। विशेष रूप से सीजर सलाद या पास्ता पर सर्व करने के लिए ऐसी परतदार चीज की ज्यादा जरूरत होती है। कई बार फ्रिज में मक्खन कठोर हो जाता है, ऐसे में वेजीटेबल पीलर से उसकी परत टोस्ट पर रखें तो फटाफट पिघल जाएगा और आपका काम भी आसान हो जाएगा। आइसक्रीम पर चॉकलेट के कर्ल बनाने के लिए भी वेजीटेबल पीलर का उपयोग कर सकती हैं।

आइसक्रीम स्कूप से कुकी डफ की माप : अगर आप चाहती हैं कि सारी कुकीज एक ही आकार की बनें, इसके लिए बार-बार हाथ भी गंदे ना करने पड़ें तो आइसक्रीम स्कूप का उपयोग करें। छोटी कुकीज बनाना चाहें तो मेलन स्कूप (तरबूज काटने वाला) इस्तेमाल कर सकती हैं।

पिज्जा कटर से हर्ब्स की कटिंग : आप पिज्जा व्हील से पिज्जा को काटती हैं लेकिन कभी आपने सोचा है कि इससे पार्स्ले, पुदीना, धनिया, प्याज पत्ती आदि की कटिंग भी बहुत अच्छी तरह से की जा सकती है। सिर्फ यही नहीं, आप इससे छोटे बच्चों के लिए पैनकेक, पास्ता आदि की कटिंग भी खूबसूरती से कर सकती हैं।

मफिन ट्रे या चॉकलेट मोल से आइस क्यूब : कई बार हमें अधिक बर्फ की जरूरत पड़ जाती है लेकिन घर में आइस ट्रे सीमित मात्रा में ही होती है। ऐसे में आप चाहें तो मफिन ट्रे या चॉकलेट मोल्ड में पानी डालकर भी बर्फ जमा सकती हैं। आपको एक्स्ट्रा आइस क्यूब्स घर में ही मिल जाएंगी।

छलनी से स्टीम दें : आमतौर पर आप किचेन में साग-सब्जी या फल धोने के लिए कोलैंडर्स या चलनीनुमा थाली/बास्केट आदि का इस्तेमाल करती हैं। क्या आपने सोचा है कि इससे आप पत्ते वाले साग या सब्जियों या किसी भी अन्य चीज को स्टीम देकर पका भी सकती हैं। बस इसे उबलते पानी से एकाध इंच ऊपर टिकाकर इसमें वांछित सामग्री रख दें आपका काम हो जाएगा। *

सजेशन / नीलम अरोड़ा

बच्चे जिस जगह और माहौल में पढ़ते हैं, इसका भी उनकी स्टडी पर बहुत असर पड़ता है। इस लिहाज से स्टडी टेबल भी बहुत मायने रखती है। इसलिए इसे सेलेक्ट करते समय और उसकी डिजाइन, कंफर्ट और केयर से जुड़ी कुछ बातों का ध्यान रखना जरूरी है।

ऐसी हो आपके बच्चे की स्टडी टेबल

अगर आप चाहती हैं कि आपका बच्चा पढ़ने-लिखने में रुचि ले, वह जो कुछ पढ़े उसे अच्छी तरह समझ में आए तो उसे पढ़ाई के लिए एक अच्छी-सी स्टडी टेबल जरूर दें। स्टडी टेबल महज फैशन की चीज नहीं है बल्कि यह बहुत साइंटिफिक जरूरत भी है। स्टडी टेबल पर बैठकर पढ़ने से बच्चे का ध्यान इधर-उधर नहीं भटकता, उसका कंसंट्रेशन बनता है और वह जो कुछ पढ़ता है, वह उसे समझ में आता है।

इसलिए है जरूरी : अब आप सोच रही होंगी कि आपके बच्चे के लिए कैसी स्टडी टेबल होनी चाहिए? दरअसल, पढ़ाई के लिए बहुत अधिक कंसंट्रेशन की जरूरत होती है। ऐसे में बच्चे की पढ़ाई के लिए घर में एक अलग से कमरा हो तो बहुत अच्छी बात है। कमरा ना हो तो घर का एक एकांत कोना भी अच्छा माना जाता है। बच्चे का अलग रूम हो या स्टडी कॉर्नर, क्वालिटी पढ़ाई के लिए एक स्टडी टेबल होना जरूरी है। ट्रेडिशनल बुक्स-कॉपीज के अलावा आज कंप्यूटर या लैपटॉप की जरूरत भी बच्चों को पड़ने लगी है। ऐसे में स्टडी टेबल पर ही कंप्यूटर या लैपटॉप के लिए सही तरह से जगह बनाने में आसानी होती है।

स्टडी टेबल बनवाएं या खरीदें: स्टडी टेबल लेते समय यह दुविधा भी पैरेंट्स के मन में होती है कि इसे खरीदा जाए या बनवाया जाए? स्टडी टेबल खरीदी भी जा सकती है और अपनी जरूरत के अनुसार बनवाई भी जा सकती है। दोनों में फर्क यह है कि जहां खरीदने पर यह टेबल हाथों हाथ मिल जाती है, वहीं बनवाने में काफी दिन लग सकते हैं। अगर बाजार से बनी-बनाई रेडीमेड स्टडी टेबल खरीदने की प्लानिंग कर रही हैं तो अच्छी तरह से घर में ही सोच-विचार करके बाजार जाएं ताकि सुनिश्चित कर सकें कि बच्चे को किस तरह के स्टडी टेबल की जरूरत है? लेने से पहले चेक कर लें कि

रेग्युलर करवाएं साफ-सफाई : पढ़ाई शुरू करने से पहले और खत्म करने के बाद बच्चों में अपनी स्टडी टेबल को ठीक से साफ करने की आदत जरूर डलवाएं। अगर स्टडी टेबल या उसके आस-पास गंदगी होगी या सामान बिखरा होगा तो इसका असर स्टडी पर भी पड़ता है। इसलिए साफ-सफाई पर ध्यान देना जरूरी है।

ये सामान भी हैं जरूरी : स्टडी टेबल पर एक छोटी-सी घड़ी रखना नहीं भूलना चाहिए। बेहतर होगा एक ऐसा घड़ी वाला स्टैंड हो, जिसमें कैलेंडर, पेन, पेपर नाइफ, मैग्नीफाइंग ग्लास, कैंची, स्केल आदि रखने की जगह भी हो यानी घड़ी वाला पेन स्टैंड। आजकल विभिन्न कंपनियों के ऐसे पेन स्टैंड बाजार में आसानी से मिल जाते हैं। लेकिन अगर इनके साथ अलार्म भी हो जिसे सेट किया जा सके तो और भी अच्छा रहेगा। बच्चों में अलग-अलग विषय की पढ़ाई के लिए टाइम मैनेजमेंट की आदत डालनी चाहिए। इसमें अलार्म घड़ी काफी मददगार साबित होगी। इसके अलावा टेबल के ऊपर या उसके पास की दीवार में ऐसी जगह पर एक नोटिस बोर्ड लगाएं ताकि जरूरी काम की बातें बच्चा वहां नोट कर सके। स्टडी टेबल पर एक टेबल मैट भी होना चाहिए। इन सारी बातों पर विचार करके ही बच्चों के लिए पढ़ने लिखने का इंतजाम करें। इससे ना केवल बच्चा मन लगाकर स्टडी कर सकेगा, उसे कंफर्टेबल भी फील होगा। *

प्रिकॉशन / नीलम

प्रेग्नेंसी के दौरान हर महिला के शरीर में कई तरह के चेंज होते हैं। इस वजह से कुछ प्रॉब्लम्स फेस करनी पड़ सकती हैं। इनके बारे में जानना और बिना परेशान हुए इन्हें सही तरह से ट्रीट करना बहुत जरूरी है।

प्रेग्नेंसी के दौरान इन प्रॉब्लम्स को ना करें इग्नोर

गर्भावस्था के पहले 3 महीने के दौरान बच्चे के अधिकतर अंग आकार ले लेते हैं। यह बहुत ही महत्वपूर्ण समय होता है। अगर इस समय बच्चे के पोषण में कुछ कमी रह जाए या मां जरूरी सावधानियां न बरते तो बच्चे में जन्मजात विकृति के होने का खतरा रहता है। इसीलिए इस दौरान गर्भवती महिला को कोई भी दवाई डॉक्टर की सलाह से ही लेनी चाहिए। यहां तक कि सिरदर्द या उल्टी की दवा लेने में भी यह सजगता बरतनी चाहिए। इसी तरह शराब पीना, धूम्रपान करना और तंबाकू चबाना आदि भी गर्भावस्था के दौरान बच्चे के विकास और वृद्धि को प्रभावित करते हैं। इससे बच्चे में मानसिक असामान्यता भी आ सकती है। प्रेग्नेंसी के दौरान मां का ज्यादा कॉफी, चाय और सॉफ्ट ड्रिंक्स पीना भी बच्चे के लिए नुकसानदायक हो सकता है। दरअसल, इनमें कैफीन होता है, जो गर्भावस्था में बच्चे के ऊपर हानिकारक प्रभाव डाल सकता है। इसलिए पूरी सावधानी बरतने की जरूरत होती है।

होते हैं फिजिकल-मेंटल चेंजेज : प्रेग्नेंसी के दौरान महिला की फिजिकल और मेंटल कंडीशन काफी बदल जाती है। जैसे इस दौरान महिला के बाल सुंदर हो जाते हैं, उसकी आंखों में चमक आ जाती है, उनका वेट बढ़ता है। इसके अलावा पूर्ण होने का आभास उन्हें हर पल रहता है। वे बहुत इमोशनल हो जाती हैं। इसलिए इस दौरान परिवार में सभी सदस्यों को मुख्यतः होने वाली संतान के पिता को, गर्भवती महिला को इमोशनल सपोर्ट देना चाहिए। गर्भावस्था में होने वाली समस्याओं जैसे लेबर पेन को लेकर अकसर वे चिंतित रहती हैं। उनको अपनी इस प्रकार की चिंता और बेचैनी अपने पति या सास, जेठानी के साथ बांटनी चाहिए।

बेहोश होना या चक्कर आना : कुछ महिलाएं गर्भावस्था के दौरान हार्मोन में बदलाव के कारण अचानक उठने या चलने पर चक्कर महसूस करती हैं। कुछ महिलाएं क्षण भर के लिए कभी-कभार बेहोश भी हो जाती हैं। सुरक्षा की दृष्टि से महिलाओं को अचानक उठना या बैठना नहीं चाहिए।

जी मिचलाना-पेट में खालीपन : कुछ महिलाओं को सुबह के समय उबकाई के साथ जी मिचलाने की शिकायत हो सकती है। यह परेशानी खाली पेट होने पर या जंक फूड खाने पर अधिक बढ़ती है। इससे बचने के लिए प्रेग्नेंट महिलाओं को सुबह फ्रेश होने के बाद देर तक भूखे नहीं रहना चाहिए कोई नाश्ता रेडी ना हो तो चाय के साथ बिस्कुट या रस्क लेना चाहिए। कुछ महिलाएं पेट में अजीब-सा खालीपन महसूस करती हैं। इसके लिए उनको एक सेब या केला खाना चाहिए। इसके अलावा पर्याप्त मात्रा में पानी, जूस और अच्छा लगने वाला पेय पदार्थ लेना चाहिए। इन समस्याओं को घरेलू तरीको से ठीक करने के लिए एक चम्मच पुदीना रस, 1/2 चम्मच अदरक रस और एक नीबू के रस को एक बड़े चम्मच शहद में मिलाकर प्रतिदिन प्रातः काल लेना चाहिए। सुबह के समय में होने वाली ये समस्याएं गर्भावस्था के प्रारंभिक 3 माह के पश्चात समाप्त हो जाती हैं।

बार-बार यूरीनेशन-कब्ज होना : प्रेग्नेंसी में यूट्रस के बड़े होने के कारण यूरीनरी ब्लैडर पर दबाव पड़ने से इन दिनों बार-बार पेशाब आता है। इसे लेकर परेशान ना हों, लेकिन अगर यूरीन करते हुए जलन हो तब पेशाब में होने वाले संक्रमण की जांच के लिए डॉक्टर से संपर्क करें। वरना तो यह कोई बड़ी समस्या नहीं है। इन दिनों में कब्ज होना भी साधारण समस्या है। दरअसल, गर्भावस्था के दौरान जो हार्मोन बनते हैं, वो आंतपेशीय पर आराम डालने के लिए उन्हें निष्क्रिय बनाते हैं। इस वजह से कब्ज हो सकती है। कुछ महिलाओं में आयरन की गोली लेने से कब्ज होती है इसलिए यह परेशानी होने पर आयरन लेने का तरीका बदलना चाहिए। कब्ज से बचने के लिए कच्ची सब्जी, फल खाना चाहिए और अधिक पानी पीना लाभदायक होता है। इसके अलावा दो या तीन गिलास जूस पीएं और गेहूं से बना दलिया या ब्रेड खाएं।

डॉक्टर से करें कंसल्ट : प्रेग्नेंसी के दौरान अगर आपको किसी डॉक्टर के पास जाना पड़े तो उन्हें प्रेग्नेंसी के बारे में जरूर बता देना चाहिए। कोई भी समस्या होने पर अपने मन से दवा नहीं खानी चाहिए, डॉक्टर से पूछकर ही दवा खाएं। *

जागरूकता के हथियार से करें मलेरिया पर वार

विश्व मलेरिया दिवस पर विविध कार्यक्रम आयोजित, सीएमओ कार्यालय सभागार में गोष्ठी के बाद दिलाई गयी शपथ

प्रखर कुशीनगर। जनपद में मंगलवार को विश्व मलेरिया दिवस मनाया गया। इस अवसर पर अधिकतर स्वास्थ्य केंद्रों व शैक्षणिक संस्थानों आदि पर पर विविध कार्यक्रम हुए। शिविर, गोष्ठी, परिचर्चा और पेंटिंग प्रतियोगिता के जरिए जनपदवासियों को मलेरिया के बारे में जागरूक किया गया। वहीं पर सीएमओ कार्यालय सभागार में विचार गोष्ठी के साथ शपथ भी दिलाई गयी।

एपीडिमोलाजिस्ट डॉ.मनोज राय ने बताया कि मच्छरों का प्रकोप पहले सिर्फ बारिश के दौरान और बारिश के बाद दिखता था जबकि अब 2-3 महीने छोड़ दीजिए तो पूरे साल ही दिखते हैं। इसलिए आवश्यकता पड़ने पर मलेरिया रोकने के लिए अब फॉगिंग का कार्य पूरे साल चलेगा। साथ ही हमारी स्वास्थ्य टीमें सर्वाधिक मच्छर वाले इलाकों को चिन्हित कर रही हैं।

उन्होंने बताया कि इस दिवस को मनाने का उद्देश्य लोगों को इस बीमारी के प्रति जागरूक करना है।

उन्होंने बताया कि इस बार विश्व मलेरिया दिवस की थीम ह्लशून्य मलेरिया देने का समय : निवेश, नवाचार, कार्यान्वयनह्व है। इस थीम का उद्देश्य वैश्विक उन्मूलन लक्ष्यों को प्राप्त करने में नवाचार की ओर ध्यान आकर्षित करना और उनको जमीनी स्तर पर क्रियान्वित करना है। डिप्टी सीएमओ डॉ. संजय गुप्ता ने बताया कि वर्तमान में संचालित संचारी रोग नियंत्रण एवं दस्तक अभियान के अंतर्गत शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में मच्छरों के प्रजनन स्रोतों को नष्ट कराया जा रहा है। एंटी लार्वा का छिड़काव तथा फागिंग भी कराया जा रहा है। इस कार्य में नगर विकास विभाग एवं पंचायती राज विभाग सहयोग कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि मलेरिया की जांच व उपचार की सुविधा जिला मुख्यालय के अलावा सभी सीएचसी/पीएचसी पर उपलब्ध है। शासन के निदेर्शानुसार आशा कार्यकर्ता ग्रामीण क्षेत्र में जाकर रोगी की पहचान कर रैपिड डायग्नोस्टिक टेस्ट (आरडीटी) किट से त्वरित जांच कर रही हैं। इसके लिए समस्त आशा कार्यकताओं को प्रशिक्षित भी किया गया है। जांच में मलेरिया धनात्मक पाए जाने पर जल्द से जल्द रोगी का निःशुल्क पूर्ण उपचार किया जाएगा।

कार्यक्रम में जिला कुष्ठ परामर्शदाता डॉ.विनोद कुमार मिश्रा, मलेरिया निरीक्षक सोनम पांडेय, प्रगति द्विवेदी, अंकिता श्रीवास्तव, पिंकेश राय, नीतिन नायर, और अभय नारायण सिंह प्रमुख तौर पर मौजूद रहे।

हफ्ते भर में अंडा बन जाता है मच्छर- मलेरिया निरीक्षक विजय गिरी ने बताया कि मलेरिया का प्रसार मादा एनोफिलीस मच्छर के काटने से होता है। एक अंडे से मच्छर बनने की प्रक्रिया में पूरा एक सप्ताह का समय लगता है। इस कारण सप्ताह में एक बार एंटीलार्वा का छिड़काव किया जाता है। यदि किसी जलपात्र में पानी है तो उसे सप्ताह में एक बार जरूर खाली कर दें। जैसे कूलर, गमला, टीन का डिब्बा, नारियल का खोल, डिब्बा, फ्रिज के पीछे का डीफ्रास्ट ट्रे की सफाई हमेशा करते रहना आवश्यक है। मलेरिया से संक्रमित व्यक्ति का समय से इलाज शुरू होने पर जान जाने का खतरा कम हो जाता है।

क्या करें- मलेरिया निरीक्षक एमएन शुक्ला ने बताया कि बचाव के लिए रात में सोते समय मच्छरदानी का प्रयोग करना चाहिए। आसपास दूषित पानी इकट्ठा नहीं होने देना चाहिए। साफ-सफाई रखनी चाहिए। बुखार होने पर तत्काल आशा से संपर्क करें या नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र पर परामर्श लें। सही समय पर निदान उपचार होने से रोगी पूर्णतः स्वस्थ हो जाता है।

संक्षिप्त खबरें

6 महीने से नहीं मिला वेतन तो वाराणसी इलेक्ट्रिक बस के कंडक्टरो ने रोका बस का पहिया, यात्री हलकान

प्रखर वाराणसी। वाराणसी के नेशनल हाईवे दो मिजार्मुराद बाजार में स्थित इलेक्ट्रॉनिक बस डिपो में दर्जनों की संख्या में एकत्रित होकर पहुंचे इलेक्ट्रिक बस के कंडक्टर ने हंगामा करते हुए दर्जनों इलेक्ट्रॉनिक बस के पहिए पहिया को रोक दिया। बतादे कि मिजार्मुराद स्थित इलेक्ट्रॉनिक बस डिपो में कार्य कर रहे , बस कंडक्टर को बस डिपो में मौजूद अधिकारियों के द्वारा विगत 6 महीने से वेतन नहीं दिया जा रहा है। इसी कारण से परेशानी का सामना कर रहे। दर्जनों कंडक्टर ने मंगलवार सुबह 11:00 बजे से इलेक्ट्रॉनिक बस डिपो में चक्का जाम कर गेट पर ही हंगामा करते हुए, जमीन पर बैठ गए, और तत्काल वेतन देने की बात कहते हुए, हर भी महीने वेतन देने की मांग कर रहे हैं। इलेक्ट्रॉनिक बस का पहिया रुकने से वाराणसी के विभिन्न जगहों पर आने, जाने वाले सवारियों को परेशानी झेलते दिखे गए। फिलहाल में इलेक्ट्रॉनिक बस डिपो पर मौजूद अधिकारियों से पूरे प्रकरण की जानकारी लेनी चाहिए तो जवाब ना देते हुए टालमटोल करते रहे।

भूमि फाउंडेशन ट्रस्ट द्वारा पर्यावरण संरक्षण के प्रति जन चेतना साइकिल रैली निकाली गई

प्रखर वाराणसी। भूमि फाउंडेशन ट्रस्ट संस्था द्वारा पेड़ लगाओ पेड़ बचाओ जल संरक्षण और प्लास्टिक मुक्त वातावरण के लिए साइकिल रैली आयोजित किया गया। रैली का शुभारंभ मलदहिया चौराहे से सुरु होकर रथयात्रा से गोदौलिया और लहूराबीर होते हुए पुनःमलदहिया चौराहे पर समाप्त हुई। इस कार्यक्रम का आयोजन पृथ्वी दिवस के उपलक्ष पर किया गया। उक्त कार्यक्रम में लगभग 250 पर्यावरण प्रेमी शामिल हुए। उक्त कार्यक्रम मे निम्न लोग शामिल हुए। सी. ए. के .पी तुलस्यान सी . ए . ए के सिंह अरविन्द उपाध्याय करुणेश शुक्ला व्यवसाई दिनेश कलारा एडवोकेट - विकास सिंह बॉक्सिंग कोच- दिलीप सिंह मनोज प्रजापति विजय एडवोकेट अमित उपाध्यय अरविन्द मनोज सोमने दत्ता राजा इत्यादि लोग शामिल हुए। कार्यक्रम के संयोजक पंकज सिंह रहे।

मिशन निरामया मे बीस कालेज के प्रबंधक व प्रिंसपल ने किया सहभाग

प्रखर जौनपुर। मुख्यमंत्री के द्वारा चलाये चलाए जा रहे हैं मिशन निरामया के अंतर्गत जौनपुर के विशेषरपुर पंचहटिया स्थित अवध नर्सिंग व पैरामेडिकल कॉलेज के परिसर में कार्यक्रम का आयोजन मंगलवार को किया गया। यूपी स्टेट मेडिकल फैकेल्टी लखनऊ से आये सीनियर एडवाईजरअभिषेक कपूर के द्वारा मिशन निरामया के कार्यक्रम के द्वारा नर्सिंग कैरियर काउंसलिंग को लेकर बैठक किया गया जिसमे जौनपुर जनपद मे 20 की संख्या मे चल रहे नर्सिंग कालेज के प्रबंधक व प्रिंसिपल के द्वारा सहभागिता की गयी। कार्यक्रम मे सीनियर एडवाइजर अभिषेक कपूर ने नर्सिंग कालेज के गाईडलाइन के अनुसार पाठ्यक्रम को संचालित करने की जानकारी दिये। कार्यक्रम मे सभी कॉलेज के प्रबंधक व प्रिंसिपल के द्वारा कॉलेज के संचालन के दौरान आने वाली समस्यायो से अवगत कराया गया। उसी दौरान अवध नर्सिंग कॉलेज की प्रबंध निदेशिका डॉक्टर शकुंतला यादव ने कहाँ की नर्सिंग कॉलेज के संचालन मे कई समस्याये आती है जिनमे शहर से दूर कालेज मे एडमिशन व अच्छे फैकल्टी नहीं मिलते, समय पर परीक्षाओं के न होने से भी बच्चों को आगे की पढ़ाई करने मे कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है, परीक्षा के पश्चात कॉपी जाँचने के लिए विषय से संदर्भित कुशल व योग्य शिक्षक का चयन किया जाय जैसी तमाम समस्यायो से अवगत कराया। कार्यक्रम मे नर्सिंग कालेजों के प्रबंधक और प्रिंसिपल अखिलेश सिंह, आकाश मौर्या, श्रवण, सुभाष, ज्योति प्रसाद, प्रीति यादव, अनामिका मिश्रा उपस्थित रहे।

विवाहिता ने ससुरालीजनों पर लगाया उत्पीड़न का आरोप

प्रखर शाहगंज (जौनपुर)। मंगलवार को कोतवाली पहुंची विवाहिता ने ससुरालीजनों पर उत्पीड़न और मारपीट कर घर से निकालने का आरोप लगाते हुए न्याय की गुहार लगाई। जानकारी के अनुसार क्षेत्र के हुसैनाबाद निवासिनी मीराबिंद पत्नी राहुल बिंद ने कोतवाली पुलिस को प्रार्थना पत्र देते हुए कहा की उसके पति, सास,और दो ननद सब मिलकर अक्सर मारते पीटते हैं और तरह तरह से प्रताड़ित करते हैं।कुछ दिन पूर्व सभी ने घर मे बन्द करके मारा पीटा किसी तरह इसकी जानकारी डायल 112 को दिया ।मौके पर पुलिस ने किसी तरह बचाकर निकाला। फिलहाल कोतवाली पुलिस मामले की छानबीन में जुटी है।

25 टीबी रोगियों को वितरित किया गया पोषण पोटली

प्रखर पिंडरा वाराणसी। टीबी रोग उन्मूलन के लिए जन भागीदारी अभियान व प्रधानमंत्री पोषण योजना के तहत फूलपुर में सोमवार को 25 क्षय रोगियों को निःशुल्क पोषण पोटली वितरित किया गया। फूलपुर स्थित वर्षा नेत्रालय के प्रांगण में जिला क्षयरोग नियंत्रण के तत्वाधान में आयोजित कार्यक्रम के तहत पिंडरा ब्लॉक के 25 क्षय रोगियों को प्रधानमंत्री टीबी रोग मुक्त भारत अभियान के तहत निजी चिकित्सक डॉ वीरेंद्र विश्वकर्मा ने पोषण पोटली का वितरण किया। इस दौरान वरिष्ठ उपचार पर्यवेक्षक जगदीश नारायण सिंह ने कहाकि अब 6 माह की जगह 3 माह की दवा दी जाएगी। अब पंचायत टीबी मुक्त अभियान चलाया जाएगा। इस

दौरान टीबी आरोग्य साथी डाउनलोड करने की अपील की। जिला टीबी रोग से जुड़े सुजीत वर्मा ने बताया कि पिंडरा ब्लॉक के 350 टीबी रोगियों में से 100 टीबी रोगियों को विभिन्न समाजसेवी लोगों ने गोद लिया है। संचालन व स्वागत महेंद्र विश्वकर्मा ने किया।

गलत सूचना फैलाने एवं देने वालों पर होगी कठोर कार्यवाही

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। नगर निकाय चुनाव को सकुशल निष्पक्ष शांतिपूर्ण एवं पारदर्शी ढंग से संपन्न कराए जाने को लेकर जिला निर्वाचन अधिकारी आर्यका अखौरी एवं पुलिस अधीक्षक ओमवीर सिंह ने प्रत्याशियों के साथ बैठक की। बैठक में आदर्श आचार संहिता का शत-प्रतिशत पालन करने का निर्देश दिया। इस दौरान जिला निर्वाचन अधिकारी ने कहा की जितने भी प्रत्याशी चुनाव में लड़ रहे हैं वे निर्वाचन आयोग के गाइडलाइन के अनुसार ही कार्य करेंगे। और 1 दिन में धन खर्च करने की जितनी लिमिट है उतना ही करेंगे। उन्होंने जनपद के समस्त नगरपालिका एवं पंचायत एवं जनपद वासियों से अपील किया कि किसी भी प्रकार की गलत सूचना नहीं दें। गलत सूचना फैलाने

एवं देने वालों पर कठोर कार्यवाही की जाएगी जिलाधिकारी ने सभी उप जिलाधिकारी को निर्देश दिया की किसी भी प्रकार का कोई भी शिकायत दर्ज कराता है या फोन के माध्यम से सूचना देता है तो तत्काल मौके पर पहुंचकर निस्तारण कराया जाए। मीटिंग के बाद जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक ने नगर पंचायत दिलदारनगर क्षेत्र में रूटमार्च कर आम लोगों से मुलाकात की और उनसे चुनाव का हाल जाना। साथ ही उन्होंने वोटरों से अपील किया कि 4 मई को प्रातः 7 बजे से सायं 6 बजे तक मतदान संपन्न होगा। वोटर अपनी सुविधा अनुसार किसी भी समय निर्धारित समय के अंदर अपने मताधिकार का प्रयोग कर सकते हैं।

एमएलसी विशाल सिंह ने दिलवाई 16 परिवारों को आर्थिक सहायता

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। जनपद के लोकप्रिय एमएलसी विशाल सिंह चंचल जी के आग्रह पर मुख्यमंत्री ने गाजीपुर के 16 पीड़ित परिवारों को चिकित्सकीय इलाज के लिए आर्थिक सहायता प्रदान किये हैं। इन पीड़ित परिवारों में एक परिवार बलिया जिले का भी है। एमएलसी विशाल सिंह चंचल ने इन सभी के जल्द ही स्वस्थ होने की कामना की है। गाजीपुर की सातों विधानसभाओं से आये इन सभी पीड़ित परिवारो ने मुख्यमंत्री और एमएलसी साहब के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया है। जिन पीड़ित परिवारों को सहायता प्राप्त हुई है उनका विवरण इस प्रकार है बलिया जिले की धर्मशीला को 85000, सादात के राजेश नारायण मिश्रा को 250000, कउड़ा जखनिया की उर्मिला देवी को 150000, टाड़ीघाट की शारदा सिंह को 100000, दुहिया टाड़ीघाट की सत्यभामा को 35000 , तराव सैदपुर के आलोक को 250000, मधुबन की शीला देवी को 150000, उचौरी के दीपक चौहान को 200000, अधियारा की अनीता को 125000, पुरैना की हिरामुनी को 300000, कलौता के उपेंद्र

मौर्य को 271000, जखनिया की सुमन तिवारी को 150000, दिलदारनगर के कमलेश प्रजापति को 250000, देवकठिया के जयमंगल प्रजापति को 75000, कस्तुवा की शशिकला प्रजापति को 100000, शहबाजपुर के विजय को 35000।

युवक ने एक युवती का फेसबुक पर लगाया फोटो और फोन नम्बर

प्रखर शाहगंज (जौनपुर)। क्षेत्र के ग्राम कौड़िया निवासी एक युवती अपने परिजनों के साथ कोतवाली पहुंच एक युवक पर उसका फोटो और फोन नम्बर वायरल करने का आरोप लगाया। मंगलवार की दोपहर कोतवाली पहुंची युवती ने पड़ोस के ही विक्रम गौतम पर उसका फोटो और मोबाइल नम्बर शोसल मीडिया पर वायरल करने का आरोप लगाते हुए कहा की कुछ महीनों पूर्व भी उक्त युवक ऐसी हरकत कर चुका है जिसकी शिकायत कोतवाली पुलिस से की गई थी।उस समय पुलिस ने दबाव बनाकर सुलह समझौता करा दिया था।मगर उसके बाद भी युवक की हरकतों में कोई सुधार नही आया और पुनः फेसबुक पर फोटो और पर्सनल नम्बर को सार्वजनिक कर दिया जिससे अनजाने लोगों का फोन आने लगा और अभद्र भाषा मे बात करने लगे।जिसकी शिकायत पीड़िता मंगलवार को पुनः कोतवाली पुलिस को प्रार्थना पत्र देकर कार्यवाई की मांग की।

मनुष्य शरीर किराये का मकान : ऋषि देव श्रीवास्तव

प्रखर जौनपुर। सरायख्वाजा थाना अंतर्गत कोइरीडीहा मे कालिदास यादव के मकान पर जय गुरुदेव धर्म प्रचारक संस्था मथुरा के जिलाध्यक्ष जौनपुर ऋषि देव श्रीवास्तव ने सत्संग सुनाते हुए उक्त बातें कही। उन्होंने बताया कि मनुष्य शरीर मे रहते हुए मालिक का ध्यान भजन करते हुए निज धाम जा सकते है। परमात्मा के पूजन का काम भजन है। उस ईश्वर ने निशुल्क जल, वायु,सूर्य की रौशनी हमें देते है। तो हमारा भी फर्ज है कि उसका शुक्रगुजार बने। संत महात्मा का रिस्ता आत्मा से होता है। मनुष्य हर समस्या का समाधान खोजता है लेकिन मृत्यु के बाद आत्मा कहा जाएगी क्या होगा इस पर कभी बिचार नहीं करता है। संत महात्मा हमेशा समझातेहै कि हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि एक दिन इस संसार को छोड़ कर जाना है।

उन्होंने बताया कि एक तिहाई जिंदगी सोने मे बीत जाती है

बचपन मे भजन की जानकारी नहीं बुढ़ापे मे शरीर साथ नहीं देती। इस लिए समय रहते ही अपनी जीवात्मा के लिए कुछ कर लेना चाहिए। किसी भी जीव जंतु की हिंसा हत्या न करें शाकाहारी सदाचारी रहें किसी एसे नशा का सेवन न करें जिसमे बुद्धि पागल हो जाय अपने पराये की पहचान खतम हो जाय शाकाहार उत्तम आहार है।इस मौके पर राकेश शर्मा तहसील उपाध्यक्ष शाहगंज,बीरेंद्र यादव, रामपूजन मिश्रा, राम अवतार मिश्रा, समरबहादुर यादव, रामआसरे बिन्द, कामता प्रजापति, श्यामबली बिन्द, गोरख यादव,हुबलाल मौर्य समेत तमाम लोग मौजूद रहें। अंत मे ब्लॉक अध्यक्ष दलसिंगार ने सभी का आभार ब्यक्त करते हुए सतसंग का समापन किया।

खेतासराय नगर में बीजेपी प्रत्याशी रूपेश गुप्ता ने किया जनसम्पर्क

क्यों पड़े हो चक्कर में कोई नहीं है टक्कर में, जमकर लगे ये नारे, कहा- ट्रिपल इंजन की सरकार बनने से खेतासराय का सर्वांगीण विकास होगा

प्रखर खेतासराय जौनपुर। नगर निकाय चुनाव को लेकर प्रत्याशियों ने पूरा दमखम लगा दिया है। नगर पंचायत सीट से पूर्व चैयरमैन व बीजेपी प्रत्याशी रूपेश गुप्ता उर्फ मोनू भी जनता के बीच जाकर वोट मांग रहे है। और जनता से वादा नहीं विकास कराने का विश्वास दिला रहे हैं उन्होंने कहा कि यदि खेतासराय की जनता इस बार मौका देती है तो सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाते हुए खेतासराय का सर्वांगीण विकास किया जाएगा। रूपेश गुप्ता ने कहा कि केंद्र और राज्य में बीजेपी की सरकार है, ऐसे में नगर पंचायत के चुनाव में भी जनता कमल खिलाकर ट्रिपल इंजन की सरकार बनाएगी तो शाहगंज का सर्वांगीण विकास होगा। बीजेपी प्रत्याशी ने कहा कि वह विकास के मुद्दे को लेकर जनता के बीच जा रहे है। उन्हें हर वर्ग के लोगों का समर्थन और आशीर्वाद मिल रहा है। यह चुनाव वह नहीं बल्कि खेतासराय नगर की जनता स्वयं लड़ रही है। जनता इस बार कमल खिलाने के काम करेगी।

तेज आंधी से गिरे 80 विद्युत पोल, सैकड़ों गांव की विद्युत आपूर्ति ध्वस्त

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। जिले की सेवराई तहसील क्षेत्र में सोमवार को तेज आंधी के चलते विद्युत आपूर्ति बाधित हो गई है। जमानिया विद्युत वितरण खंड अंतर्गत 80 विद्युत पोल टूट कर गिर पड़े हैं। जिससे विद्युत आपूर्ति के साथ पेयजल की भारी किल्लत हो गई है। जगह जगह पेड़ों की टहनियां टूट कर तारों पर गिर गई है जिसकी वजह से गत रात से ही भदौरा फीडर से

जुड़े सेवराई तहसील मुख्यालय सहित आसपास के दर्जनों गांव में विद्युत आपूर्ति बाधित हो गई है। आम लोगों को पेयजल व रोजमर्रा के कामों के लिए भारी दिक्कत उठानी पड़ रही है। विद्युत आपूर्ति ध्वस्त हो जाने की वजह से कई प्राइवेट टेलीकॉम कंपनियों के नेटवर्क भी बाधित हो गए हैं। सेवराई तहसील के विद्युत उप केंद्र के कर्मचारी विद्युत आपूर्ति सुचारू रूप से चालू करने के लिए जगह-जगह पर पेड़ों की कहानियों को काटने में तथा विद्युत पोल को सही करने में जुट गए हैं। जमानिया विद्युत वितरण खंड चतुर्थ के अधिशासी अधिकारी हेमंत कुमार ने बताया की तेज आंधी के चलते क्षेत्र के लगभग 80 विद्युत पोल क्षतिग्रस्त हो गए हैं। जगह जगह पेड़ों की टहनियां टूटकर तारों पर गिर गए हैं। जगह-जगह फाल्ट खोज कर ठीक कराया जा रहा है जल्दी ही विद्युत आपूर्ति बहाल कर दी जाएगी।

प्रखर पूर्वांचल

RNIUPHIN/2016/68754

मुद्रक प्रकाशक 'पंकज सिंह' के लिए सम्पादक 'अरूण सिंह' द्वारा 'गायत्री प्रिंटिंग प्रेस' सकलेनाबाद नियर दुर्गा चौक, गाजीपुर पिन कोडः 233001 से छपवाकर कनेरी गाजीपुर से प्रकाशित

सम्पादकीय कार्यालयः 9/10, टैगोर मार्केट, कचहरी, गाजीपुर पिन कोडः 233001

सम्पर्क सूत्रः 0548-2223833, +91-8858563779 +91-9450208067, +91-9452844802

सभी विवाद गाजीपुर न्यायालय के अधीन होगें।

ताजा खबर पढ़ने के लिए लॉगइन करें हमारी वेबसाइट https://prakharpurvanchal.com Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

सांध्य दैनिक प्रखर पूर्वांचल अखबार के सभी पद अवैतनिक हैं